THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

दिल्ली की कोर्ट से लालू-तेजस्वी और तेज प्रताप को राहत

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके दोनों बेटे तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू केस ने सोमवार को तीनों को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर राहत दी। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि आरोपियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था। मामले की अगली सुनवाई 25 अक्टूबर को होगी। जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू, तेजस्वी, तेज प्रताप समेत 8 आरोपियों की पेशी हुई। इसमें अखिलेश्वर सिंह, हजारी प्रसाद राय, संजय राय, धर्मेंद्र सिंह और किरण देवी शामिल थे।

वर्ष-29 अंक : 197 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.5 2081 मंगलवार, 8 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हमेशा मालदीव के लोगों की परवाह की : पीएम मोदी

> मुइज्जू बोले-भारत की सुरक्षा को नुकसान नहीं पहुंचने देंगे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उनके देश की 'मालदीव फर्स्ट' की नीति से भारत के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचे। एक इंटरव्यू में मुइज्जू ने ये भी कहा कि दूसरे देशों के साथ मालदीव के संबंधों का भारत के साथ रिश्ते पर असर नहीं पड़ेगा।

मुइज्जू ने कहा कि मालदीव, भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाना जारी रखेगा क्योंकि भारत एक अहम साझेदार और दोस्त है। उन्होंने कहा कि मालदीव क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव और भारत के बीच रिश्ते हमेशा से मजबूत रहे हैं। उन्हें यकीन है कि यह यात्रा इसे और मजबूती देगी। राष्ट्रपति मुइज्जू की भारत की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है, हालांकि इससे पहले वे जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। इस दौरान मुइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया।

दोनों देशों के नेताओं की मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ट मित्र देश है। हमारी नेबरहुड पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है। मोदी ने कहा कि चाहे प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। भारत ने हमेशा मालदीव के लोगों के हित को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मालदीव में 28 आइलैंड्स पर पानी और सीवरेज के प्रोजक्ट पूरे किए हैं। 6 और आइलैंड्स पर भी काम चल रहा है। ये प्रोजक्ट 30 हजार लोगों को साफ पानी पीने की सुविधा देंगे।

मुइज्जू बोले-भारत ने जरूरत के समय साथ दिया :

मालदीव के राष्ट्रपति ने मुइज्जू भारत के साथ 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के करेंसी स्वैप एग्रीमेंट और 3000 करोड़ रुपये की मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया। भारत ने नकदी की कमी से जूझ रहे मालदीव को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ट्रेजरी बिल रोल ओवर दिया है। मुइज्जू ने भारत के तरफ से मिलने वाली मदद के लिए धन्यवाद दिया।

संजय रॉय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

कोलकाता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया है। जानकारी के मुताबिक कोलकाता की एक विशेष अदालत के सामने दाखिल अपने आरोप पत्र में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कहा कि स्थानीय पुलिस के साथ नागरिक स्वयंसेवक के रूप में काम कर रहे संजय रॉय ने कथित तौर पर 9 अगस्त को वारदात को अंजाम दिया, जब पीड़िता छुट्टी के दौरान अस्पताल के सेमिनार रूम में सोने गई थी।

कांग्रेस ने अल्पसंख्यक मंत्रालय को मुस्लिम मामलों के मंत्रालय में बदला : रिजिजू

पुणे, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को 'मुस्लिम मामलों के मंत्रालय' में बदल दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता नेता राहुल गांधी अब झूठा प्रचार कर रहे हैं कि भारत में अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं। रिजिजू ने कहा कि मुसलमानों को कांग्रेस का वोट बैंक नहीं बनना चाहिए, क्योंकि इससे केवल देश ही नहीं, बल्कि समुदाय को भी नुकसान पहुंच रहा है। रिजिजू ने कहा, मैं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का प्रभार संभालते हुए कुछ बातें स्पष्ट करना चाहता हूं। कांग्रेस के शासन के दौरान अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को 'मुस्लिम मामलों के मंत्रालय' में बदल दिया गया था। हम इस धारणा को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सरकार देश के सभी अल्पसंख्यकों के लिए समान रूप से काम कर रही है।

मेडिसिन का नोबेल दो अमेरिकी वैज्ञानिकों को

> माइक्रो आरएनए की खोज के लिए मिला सम्मान

> ये कैंसर, डायबिटीज जैसी बीमारियों की पहचान में मददगार

स्टॉकहोम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल प्राइज 2024 के लिए विजेताओं की घोषणा आज यानी सोमवार, 7 अक्टूबर से शुरू हो गई है। आज मेडिसिन या फिजियोलॉजी के क्षेत्र में नोबेल प्राइज की घोषणा की गई है। 2024 के मेडिसिन का नोबेल प्राइज विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को मिला है। उन्हें ये प्राइज माइक्रो आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) की खोज के लिए दिया गया है।

माइक्रो आरएनए से पता चलता है कि शरीर में कोशिकाएं कैसे बनती और काम करती हैं। दोनों जीन वैज्ञानिकों ने 1993 में माइक्रो आरएनए की खोज की थी। इंसान का जीन डीएनए और आरएनए से बना होता है। माइक्रो आरएनए मूल आरएनए का हिस्सा होता है। ये पिछले 50 करोड़ सालों से बहुकोशिकीय जीवों के जीनोम में विकसित हुआ है। अब तक इंसानों में अलग-अलग तरह के माइक्रो आरएनए के एक हजार से ज्यादा जीन की खोज हो चुकी है।

रुवकुन को गहरी नींद से जगाकर बताया नोबेल मिला है

गैरी रुवकुन को नोबेल प्राइज के बारे में बताने के लिए जब फोन किया गया तो वो गहरी नींद में थे। नोबेल कमेटी ने उन्हें नींद से जगाकर प्राइज मिलने की जानकारी दी। 7 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक विज्ञान, अर्थशास्त्र, साहित्य और शांति जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाले लोगों को नोबेल प्राइज दिया जाएगा।

ये प्राइज स्वीडन के स्टॉकहोम में दिए जा रहे हैं। नोबेल प्राइज में 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी लगभग 8.90 करोड़ रुपये का कैश प्राइज दिया जाएगा।

123 साल से मिल रहा है नोबेल प्राइज :

1901 में जब नोबेल प्राइज की शुरूआत हुई थी, तब से 2024 तक मेडिसिन की फील्ड में 229 लोगों को इससे सम्मानित किया जा चुका है। पिछली बार मेडिसिन का नोबेल प्राइज कैटलिन कारिको और ड्रू वीसमैन को मिला था। नोबेल प्राइज देने वाली कमेटी ने कहा था कि इनकी दी गई एमआरएनए टेक्नोलॉजी से बनी कोरोना वैक्सीन के जरिए दुनिया कोरोना महामारी से निकल पाई। दरअसल, कोरोना के वक्त पहली बार ऐसा हुआ था जब एमआरएनए टेक्नोलॉजी पर बेस्ड वैक्सीन बनी थी।

आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खुद रतन टाटा ने किया खंडन

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा समूह के दिग्गज रतन टाटा की अचानक तबीयत बिगड़ने की बात गलत निकली। उन्होंने खुद इन दावों का खंडन किया है। उन्होंने अपने आईसीयू में भर्ती होने के दावों को अफवाह करार दिया है। आईसीयू में भर्ती होने के दावों का खुद खंडन करते हुए रतन टाटा ने कहा, मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैल रहीं अफवाहों से अवगत हूं। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं। मैं फिलहाल अपनी उम्र और सेहत संबंधी जरूरी चिकित्सा जांच करवा रहा हूं।

चिंता का कोई बात नहीं है। मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। आपसे अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें। इससे पहले खबरें आईं कि उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद चेयरमैन को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दावा किया गया कि उनका ब्लड प्रेशर अचानक काफी गिर गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में रखा गया।

नक्सलवाद पर शाह ने 8 मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की

> इस साल छत्तीसगढ़ में 194 नक्सली मारे गए, युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील

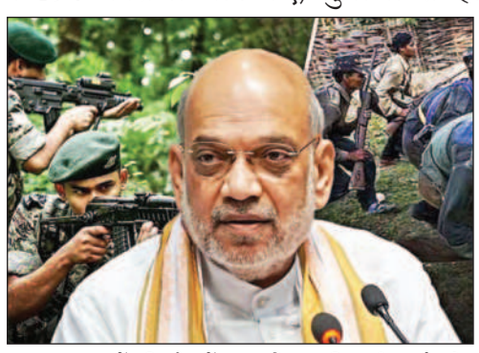

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर बैठक की। विज्ञान भवन में हुई बैठक में इसमें नक्सल प्रभावित 8 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। शाह ने नक्सलवाद खत्म करने की कोशिशों को लेकर छत्तीसगढ़ की तारीफ की। उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक छत्तीसगढ़ में 194 नक्सली मारे गए हैं, 801 को गिरफ्तार किया गया है और 742 ने सरेंडर किया है।

बैठक में शाह ने नक्सली युवाओं से अपील की कि वे हथियार छोड़कर मुख्य धारा में आएं। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर के 13 हजार युवाओं का उदाहरण दिया, जिन्होंने नक्सलवाद छोड़ा है। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद संबंधित हिंसा की घटनाएं 16,463 से घटकर 7,700 हो गई हैं। यह संख्या अगले साल और कम हो जाएगी। नागरिकों और सुरक्षाबलों की मौत में 70 प्रतिशत की कमी आई है। हिंसा की रिपोर्ट करने वाले जिलों की संख्या 96 से घटकर 42 हो गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा की रिपोर्ट करने वाले पुलिस थानों की संख्या 465 से घटकर 171 हो गई है, जिनमें से 50 पुलिस थाने नए हैं, यानी केवल 120 पुलिस थाने ही हिंसा की रिपोर्ट कर रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ गृह मंत्रालय राज्यों के साथ बड़ा प्लान तैयार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग रोकी गई, वैसे ही नक्सलियों को रोकने के लिए बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में साल 2010 के मुकाबले 2023 में नक्सल हिंसा में 72 प्रतिशत और मृत्यु में 86 प्रतिशत कमी आई है। इस साल देश में 202 नक्सली मारे गए हैं। इसके साथ ही वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या 38 रह गई है। शाह ने सिक्योरिटी रिलेटिड एक्सपेंडिचर स्कीम के बारे में बताया, जिसमें बीते 10 साल में करीब 2000 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। 2004-2014 में इसमें 1180 रुपये आवंटित किए गए थे, जो 2014-2024 में बढ़कर 3,006 करोड़ रुपये हो गए। स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस स्कीम ने भी बीते एक दशक में 3,590 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

मुडा घोटाला से ध्यान हटाने के लिए जाति जनगणना का मुद्दा उठाया : कुमारस्वामी

बेंगलूरू, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर मुडा घोटाले से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जाति जनगणना का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार अपनी गलतियों को छिपाने के लिए इस मुद्दे के जरिए जनता को गुमराह कर रही है। कुमारस्वामी ने 10 साल पहले तैयार की गई रिपोर्ट की प्रसांगिकता पर भी सवाल उठाए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया ने आज पछड़े वर्ग के समुदाय के मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक की। उन्होंने सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार-विमर्श किया, जिसे जाति जनगणना के रूप में जाना जाता है।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को बताया कि सरकार ने कैबिनेट के सामने जाति जनगणना रिपोर्ट रखने का फैसला किया है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि 18 अक्टूबर को चर्चा के लिए इसे कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुमारस्वामी ने कहा, अगर वैज्ञानिक तौर पर बात करें तो कांथाराजू समिति का गठन कब हुआ था? इसका गठन 2014 में हुआ था, इसे दस साल हो गए। जाति जनगणना 10 साल पहले हो चुकी है। इन 10 वर्षों में कई विकास और बदलाव किए गए। पुरानी जनगणना रिपोर्ट को बिना जारी किए रखा गया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों पहले हुए जाति जनगणना से किसी भी समुदाय को लाभ नहीं हुआ।

डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया समिति के अध्यक्ष बने जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की दक्षिण पूर्व एशिया की क्षेत्रीय समिति के 77वें सत्र का अध्यक्ष चुना गया है। दिल्ली में हो रहे इस समिति के वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भारत सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। क्षेत्रीय समिति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की है। इसमें 12 करोड़ से ज्यादा परिवार शामिल हैं। हर परिवार को छह हजार अमेरिकी डॉलर का वार्षिक अस्पताल में भर्ती लाभ प्रदान किया जाता है। भारत स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक प्रकाश के रूप में भारत डब्ल्यूएओ की एक पहल के जरिये तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके आयुष्मान डिजिटल भारत, ई-संजीवनी, आईएचआईपी और सक्षम जैसे अपनी नई पहल लागू करने के लिए तैयार है। जिसे जी-20 के दौरान लॉन्च किया गया था।

इस्लामिक हुकूमत में गैर मुस्लिमों को जजिया देना चाहिए : जाकिर नाइक

इस्लामाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में वांछित चल रहा भगोड़ा इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने उसे अपना सरकारी मेहमान बनाया है। नाइक एक महीने तक पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में लेक्चर देगा। असल में जाकिर नाइक इस्लाम के प्रचार के नाम पर मंच से गैर मुस्लिमों के खिलाफ जहर उगल रहा है। ऐसे ही एक कार्यक्रम में जाकिर नाइक ने गैर मुस्लिमों से जजिया कर वसूले जाने को सही बताया है।

इसके साथ ही उसने भारत के खिलाफ भी जहर उगला है। जाकिर नाइक के एक कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी ईसाई ने सवाल पूछा कि पाकिस्तान में ईसाईयों ने नफरत क्यों की जाती है। उसने कुरान का हवाला दिया और कहा कि खुद पैगम्बर मोहम्मद साहब किसी से नफरत न करने की बात कहते थे, तो आखिर पाकिस्तान के मुसलमान इसे क्यों नहीं मानते? इस पर जाकिर नाइक ने जो जवाब दिया वो हैरान करने वाला था। जाकिर नाइक ने पहले तो कहा कि जब आप इतिहास पढ़ेंगे तो देखेंगे कि इस्लाम के शासन में गैर मुस्लिम सबसे ज्यादा महफूज (सुरक्षित) होते हैं।

'पाकिस्तान वाले शर्मा परिवार' की भारत में एंट्री करवाने वाला गिरफ्तार

जांच में सामने आई और भी विस्फोटक जानकारी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पाकिस्तानियों को हिंदू बताकर शरण दिलवाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार हुए शख्स का नाम परवेज अहमद है जो पिछले कई सालों से मुंबई में रह रहा था। पाकिस्तान से भारत आए फर्जी 'शर्मा परिवार' को मदद करने का काम भी इस परवेज अहमद ने ही किया था। उसने अब सबकुछ कुबूल कर लिया है और कई और खुलासे भी किए हैं।

एक नहीं कई सारे 'शर्मा परिवार' :

परवेज को लेकर पता चला है कि इसने सिर्फ परिवार को ही फर्जी पहचान नहीं दिलवाई बल्कि पाकिस्तान के कई परिवार इसके संपर्क में थे, उन्हें हिंदू बनाकर इसने भारत के अलग-अलग राज्यों में शरण दिलवाई। इसमें मायानगरी मुंबई और राजधानी दिल्ली तक शामिल है। पुलिस जांच में पता चला है कि परवेज ने कम से कम 5 पाकिस्तानी परिवारों को ऐसे ही मदद करने का काम किया है। अब जानकारी के लिए बता दें कि इस साल 29 सितंबर को जिगानी पुलिस ने एक पाकिस्तानी फैमिली को गिरफ्तार किया था, इसमें चार सदस्य शामिल थे। इन सभी को बेंगलुरू के राजापुरा इलाके से अरेस्ट किया गया था। उस एक गिरफ्तारी के बाद ही यह पूरा रैकेट एक्सपोज हो गया था और अगले कुछ दिनों में एक और ऐसे ही फर्जी परिवार को गिरफ्तार किया गया। बेंगलुरू के पीन्या इलाके से तीन सदस्यों के एक और परिवार को गिरफ्तार किया गया था। हैरानी की बात यह रही कि यह दोनों परिवार पाकिस्तान की उस मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशन से जुड़े हुए थे यूनुस अलगोहर के विचारों को बढ़ावा देती है।

साजिश या पाकिस्तान से परेशान :

अभी के लिए आरोपी परवेज का तो कहना है कि उसने जिन भी परिवारों की मदद की है, वो सब काफी मुश्किल में फंसे हुए थे, अपने देश में परेशान थे, उनकी जान को भी खतरा था। ऐसे में पुलिस अब सबसे पहले यह देखने वाली है कि जिन भी परिवारों की मदद की गई है क्या उनका कोई क्रिमिनल बैकग्राउंड है? अगर हुआ तो आगे जांच की जाएगी, वरना उन्हें वापस उनके देश भेजने की तैयारी रहेगी। वैसे पाकिस्तान में हो रहे धार्मिक उत्पीड़न और जुल्म के बाद मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशन संगठन के कई सदस्य बांग्लादेश और भारत जाने को मजबूर हो गए। साल 2007 में एमएफआई से जुड़े 63 पाकिस्तानियों को भारत ने टूरिस्ट वीजा दिया और जब वे इसके जरिये दिल्ली पहुंचे तो उन्होंने पाकिस्तानी दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर में 5 विधायक आज होंगे मनोनीत

> इनमें 2 कश्मीरी पंडित > 1 पीओके का प्रतिनिधि > अब बहुमत का आंकड़ा 48 होगा

जम्मू-कश्मीर विधानसभा संभावित मनोनीत सदस्य

संजीता डोगरा
अध्यक्ष, महिला मोर्चा J-K भाजपा

सुनील सेठी
प्रवक्ता, J-K भाजपा

रजनी सेठी
प्रवक्ता, J-K भाजपा

अशोक कौल
संगठन महामंत्री, J-K भाजपा

फरीदा खान
सचिव, J-K भाजपा

श्रीनगर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के तुरंत बाद 5 विधायकों को मनोनीत किया जाएगा। गृह मंत्रालय के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा 5 लोगों को विधानसभा के लिए नॉमिनेट करेंगे। ऐसे में विधायकों की कुल संख्या 95 हो जाएगी और बहुमत का आंकड़ा बढ़कर 48 हो जाएगा। दरअसल, 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 के तहत विधानसभा में 5 विधायकों को एलजी नामांकित कर सकते हैं। यह नियम महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और पीओके के प्रतिनिधित्व के लिए लाया गया था। जुलाई 2023 में इसे संशोधित किया गया था।

इन मनोनीत विधायकों को विधानसभा में वोटिंग के अधिकार के साथ-साथ सभी विधाई शक्तियां और विशेषाधिकार मिलेंगे। 10 में से 5 एग्जिट पोल के नतीजों में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी की सरकार बनते दिख रही है। 5 में हंग असेंबली का अनुमान है। ऐसे में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने आशंका जताई है कि ये विधायक भाजपा को सपोर्ट कर सकते हैं।

कांग्रेस बोली-यह जनता के मैंडेट पर हमला

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष रविंदर शर्मा ने कहा कि सरकार बनने से पहले एलजी द्वारा 5 विधायकों को नामंकन का हम विरोध करते हैं। इस तरह का कोई भी कदम लोकतंत्र, आम जनता का मैंडेट और संविधान पर हमला है। पहले कहा गया था कि पीओके से 8 प्रतिनिधियों को मनोनीत करने पर विचार किया जा सकता है। फिर इनकी संख्या घटाकर 1 क्यों की गई। संवैधानिक ढांचे के तहत, विधायकों को मनोनीत करने से पहले उपराज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सलाह लेनी चाहिए। चुनाव के बाद बहुमत या अल्पमत की स्थिति को बदलने के लिए नामांकन के प्रावधान का दुरुपयोग करना नुकसानदेह होगा। नामांकन प्रक्रिया नई सरकार के कार्यभार संभालने और मनोनित पदों के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बाद ही शुरू होनी चाहिए भाजपा बोली-सब कुछ नियमों के मुताबिक हो रहा है

भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने कहा है कि इन सदस्यों का नामंकन नियमों के मुताबिक ही हो रहा है। एलजी को इन्हें मनोनीत करने का पूरा अधिकार है। वे नियमों का पूरा पालन करेंगे। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (2019) संसद में पारित किया गया था। इसमें जम्मू और कश्मीर को दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। पहला- जम्मू-कश्मीर और दूसरा- लद्दाख। इस अधिनियम ने अनुच्छेद 370 को भी निरस्त कर दिया, जिसने जम्मू और कश्मीर को विशिष्ट दर्जा दिया था। जम्मू-कश्मीर जून 2018 से केंद्र सरकार के शासन के अधीन है। 28 अगस्त, 2019 को गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रशासन के नियमों को नोटिफाई किया था, जिसमें उपराज्यपाल और मंत्रिपरिषद के कामकाज की स्पष्ट व्याख्या की गई।

> पुडुचेरी में भी 2 विधायकों को मनोनीत करने पर विवाद हुआ था

जम्मू-कश्मीर विधानसभा पुडुचेरी के विधानसभा मॉडल पर आधारित है। वहां पर 3 नामांकित सदस्य को राज्यपाल चुनता है। इन्हें विधायकों की तरह ही वोटिंग का भी अधिकार है। पुडुचेरी की पूर्व एलजी किरण बेदी ने पुडुचेरी की कांग्रेस सरकार की सलाह के बिना विधानसभा में 2 सदस्यों को मनोनीत किया था।

> जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

जम्मू कश्मीर को फिर से स्टेटहुड दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। याचिका में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा 2 महीने के अंदर बहाल करना चाहिए।

चेन्नई एयर शो में 5 की मौत, मंत्री बोले-गर्मी से जान गई

विपक्ष बोला-लोग 10 किमी पैदल चले, पानी नहीं था, सीएम की सेवा हो रही थी

चेन्नई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेन्नई के मरीना बीच पर रविवार को वायुसेना के एयर शो के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई। तमिलनाडु में इन मौतों को लेकर राजनीति गर्म हो गई है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर सुब्रमण्यन ने कहा कि, '15 लाख लोगों की भीड़ थी, गर्मी ज्यादा थी इसलिए 5 लोगों की मौत हुई। एयर फोर्स ने जितनी फैसिलिटी मांगी, उससे ज्यादा मुहैया कराई गई थीं।'

सुब्रमण्यन ने कहा, कार्यक्रम स्थल पर डॉक्टरों और नर्सों के साथ दो मेडिकल टीमें तैनात थीं। साथ ही 40 एंबुलेंस भी खड़ी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि मरीना बीच पर पैरामेडिकल टीमों और पीने के पानी की भी व्यवस्था की गई थी। अस्पताल में जाने से पहले ही सभी मौतें हुई हैं। एआईएडीएमके नेता कोवई सत्यन ने कहा, 'अगर स्वास्थ्य मंत्री में थोड़ी भी शर्म है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। लोगों को 10 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंचे। प्रशासन सीएम स्टालिन उनके बेटे और परिवार की सेवा में लगा हुआ था। वे एसी टेंट में बैठे हुए थे। सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए।' 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के 92वें स्थापना दिवस से पहले 6 अक्टूबर को चेन्नई में एयर शो हुआ था। इसे देखने के लिए मरीना बीच पर 15 लाख लोग जमा हुए। भारी भीड़ और गर्मी के चलते पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग बेहोश हो गए। एयर शो का नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया है।

- भारी भीड़ एक साथ कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलने लगी। भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।
- बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। लोग 40 मिनट तक चिलचिलाती धूप में फंसे रहे।
- अफरातफरी में लोगों ने बैरिकेड तोड़ दिए। इस दौरान कुछ बच्चों को मामूली चोटें आईं।
- गर्मी के चलते लोग बेहोश होने लगे। भीड़ के चलते एंबुलेंस तक पहुंचने में देरी हुई।
- 5 लोगों की मौत हुई। 230 लोगों को डिहाइड्रेशन की शिकायत हुई। 93 अस्पताल में भर्ती।

एयर शो में पानी की व्यवस्था नहीं, रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची

कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर शो देखने गए लोगों ने बताया कि बीच पर पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं थी। लोगों घंटों तक प्यासे बैठे रहे। वहीं, 1 बजे शो खत्म होने के बाद एक साथ लोग वहां से निकले जिसके चलते रास्तों पर ट्रैफिक जाम हो गया। भारी भीड़ के चलते एक लोकल रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई।

अलग-अलग मेट्रो स्टेशन पर भी ऐसी ही भीड़ देखने को मिली।

आरोप-सूरत के सरकारी आश्रम में 35 छात्राओं से यौन शोषण

प्रिंसिपल लड़कियों को नहाते देखता, दवा देने के बहाने छेड़छाड़ करता था

सूरत, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत जिले के मांडवी तालुका के नरेना आश्रम शाला में छात्राओं के शारीरिक उत्पीड़न का शर्मनाक मामला सामने आया है।

इस मामले में आरोपी टीचर के खिलाफ खुद आदिवासी विकास विभाग ने शिकायत दर्ज कराई है। छेड़छाड़ के इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब आदिवासी विभाग की एक टीम निरीक्षण के लिए शाला पहुंची थी। इस दौरान 35 छात्राओं ने आरोपी प्रिंसिपल योगेश पटेल की ऐसी करतूतों का खुलासा किया, जिसे सुनकर विभाग की टीम दंग रह गई। फिलहाल आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आपको बताते चलें कि यह नरेना आश्रम शाला आदिवासी और अनुसूचित जनजातियों के बच्चों के लिए है। यहां बच्चों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा के साथ-साथ रहने व खाने-पीने की सुविधा भी दी जाती है। विभाग की महिला अधिकारी को छात्राओं ने बताया कि प्रिंसिपल रात में टॉर्च लेकर उनके कमरे में पहुंच जाता था। वह उन्हें नहाते हुए भी देखता था। दवा देने के बहाने उनके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करता था। आरोपी ने पांच-पांच, छह-छह छात्राओं के कई ग्रुप बने रखे थे, जिनसे आश्रम के अलग-अलग काम भी करवाता था। इस दौरान वह किसी न किसी बहाने उनके प्राइवेट पार्ट छूता था।

उन्हें किस भी करता था। आरोपी की छेड़छाड़ का शिकार हुई कुछ छात्राओं ने बताया कि योगेश पटेल ने अपने कमरे में कई तरह की दवाईयां रखी हुई थीं। किसी भी छात्रा को सर्दी-जुखाम या बुखार होने पर वह खुद ही उन्हें दवाई देता था।

महिला सिविक वालंटियर से छेड़छाड़ मामले में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

कोलकाता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मामले में मचे हाहाकार के बीच पुलिस थाने में महिला कर्मी से छेड़छाड़ की खबर सामने आई है। मामले में पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के एक सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया है। उस पर एक महिला सिविक वालंटियर के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप है। पुलिस ने उसे सोमवार को गिरफ्तार किया।

कोलकाता पुलिस की ओर से बेंच किए गए सब-इंस्पेक्टर को डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की विभागीय जांच के बाद हिरासत में लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। चूंकि, मामले की जांच चल रही है, इसलिए इस समय ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता। घटना कथित तौर पर 5 अक्तूबर को रात करीब 1.10 बजे हुई, जब महिला सिविक वालंटियर को पुलिस स्टेशन की चौथी मंजिल पर स्थित शौचालय में बुलाया गया। वह 2017 में अपनी नियुक्ति के बाद से पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में सेवा दे रही है। जब पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन ने उसकी प्रारंभिक शिकायत स्वीकार करने से इनकार कर दिया तो पीड़िता ने कथित तौर पर लालबाजार में कोलकाता पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ डीसी साउथ के कार्यालय में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

राहुल ने दलित परिवार के साथ बनाया खाना

वीडियो साझा कर बोले-हम उस संविधान की रक्षा करेंगे

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो साझा किया। इसमें वह दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अजय तुकाराम सनाडे और उनकी पत्नी अंजना तुकाराम सनाडे के साथ भोजन बनाते हुए दिखे। उन्हें दंपती के साथ पारंपरिक व्यंजन बनाते और 'दलित व्यंजनों' के बारे में अधिक सीखते हुए दिखाया गया है।

गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस उस संविधान की रक्षा करेगी, जो बहुजनों को उनका अधिकार देता है। साथ ही कहा कि मगर समाज में सभी का सच्चा समावेश और बराबरी

तभी संभव होगी, जब हर भारतीय अपने दिलों में भाईचारे की भावना के साथ कोशिश करेगा।

आज बहुत कम लोग जानते हैं...

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी ने कहा कि दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनाडे और अंजना तुकाराम सनाडे के साथ एक दोपहर बिताई। दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी ने कहा, "दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता।"

'संविधान की रक्षा हम करेंगे'

उन्होंने यह भी कहा, 'बहुजनों को हिस्सेदारी और अधिकार संविधान देता है, और उस संविधान की रक्षा हम करेंगे। लेकिन समाज में सभी की सच्ची समावेशिता और समानता तभी संभव होगी जब हर एक भारतीय दिल में भाईचारे की भावना के साथ प्रयास करे।'

पंजाब में आप सांसद के घर ईडी की रेड

विदेशी लेन-देन का कनेक्शन, मनीष सिसोदिया ने कहा-मोदी जी ने अपने तोता-मैना खुले छोड़ दिए हैं

लुधियाना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत भूषण आशु के करीबी व फाइनेंसर हेमंत सूद और आप के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ रोड हैम्पटन होम्स स्थित घर पर आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा। बताया जा रहा है कि ईडी को कुछ विदेशी लेन-देन मिले हैं, जिनमें इनका नाम है।

इसके अलावा हैम्पटन होम्स वाली जगह सरकार ने इंडस्ट्री बनाने के लिए दी थी, लेकिन यहां कॉलोनी बना दी गई है। इस मामले में भी ईडी जांच कर रही है। चर्चा है कि इस कॉलोनी को हेमंत सूद ने बनवाया था। वह प्रॉपर्टी कारोबारी हैं। मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया।

फिलहाल ईडी के किसी अधिकारी ने इस मामले की पुष्टि नहीं की है। ईडी लगातार राज्यसभा सांसद अरोड़ा और हेमंत सूद से पूछताछ कर रही है। उनकी संपत्तियों का रिकॉर्ड भी जुटाया जा रहा है। परिवार के सभी मोबाइल फोन बंद करवा दिए गए हैं। सांसद संजीव अरोड़ा के घर को सील किया हुआ है।

आम आदमी पार्टी ने धरना दिया

वहीं, नेताओं के घर ईडी की रेड की सूचना मिलने पर हैम्पटन होम्स के बाहर आप कार्यकर्ताओं ने धरना लगा दिया है। बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता यहां पहुंचे हैं, और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। धरने की अगुआई कर रहे लुधियाना आप के जिला प्रधान शरणपाल सिंह मक्कड़ ने कहा कि अभी तक ईडी ने जो भी रेड की हैं, उसमें उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ।

पहले अरविंद केजरीवाल, मनीष सीसोदिया, सांसद संजय सिंह, सतेंद्र जैन और अब सांसद संजीव अरोड़ा पर रेड की है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को दबाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा जमकर धक्केशाही कर रही है। भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है। आप के नेता हमेशा जुल्म के खिलाफ खड़े है और खड़े रहेंगे।

सांसद बोले-जांच में सहयोग करूंगा

इस मामले में राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा ने X पर लिखा, 'मैं एक इज्जतदार नागरिक हूं। तलाशी क्यों ली जा रही है, इसके बारे में मुझे कुछ पता नहीं है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि एजेंसीज के साथ जांच में पूरा सहयोग करूंगा। उनके हर सवाल का जवाब भी दूंगा।'

मनीष ने X पर लिखा, 'आज फिर मोदी जी ने अपने तोते-मैना को खुला छोड़ दिया है। आज सुबह से आप के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के घर ईडी वाले रेड कर रहे हैं। पिछले दो सालों में इन्होंने अरविंद केजरीवाल के घर रेड कर ली, मेरे घर रेड कर ली, संजय सिंह के घर रेड दिया, सत्येंद्र जैन के घर रेड कर दिया कहीं भी कुछ भी नहीं मिला।

केरल विधानसभा में हंगामा

सदन में उठाए जाने वाले सवालों को दरकिनार करने पर विपक्ष ने किया बहिष्कार

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। इसके बाद विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ के सदस्यों ने सदन का बहिष्कार किया। दरअसल, यह हंगामा सदन में उठाए जाने वाले सवालों को लेकर हुआ। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि उनके सवालों को दरकिनार कर दिया गया। कार्यवाही के दौरान जिन सवालों को उठाया जाना था, स्पीकर ने उन्हें उठाने की अनुमति नहीं दी। बता दें कि 15वीं विधानसभा का 12वां सत्र चार अक्तूबर को शुरू हुआ था। पहले दिन वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के बाद सदन स्थगित कर दिया गया था।

सत्र का दूसरा आज हंगामों के साथ शुरू हुआ। सदन में उठाए जाने वाले सवालों को दरकिनार करने पर विपक्ष ने स्पीकर एएन शमसीर के के प्रति नाराजगी व्यक्त की। स्पीकर ने विधानसभा सचिवालय द्वारा किए गए बदलावों को सही ठहराया। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई में कुछ भी असामान्य नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रति कोई भेदभाव नहीं दिखाया गया है। स्पीकर के बयान से असंतुष्ट यूडीएफ के सदस्य तख्तियां और बैनर लेकर सदन के वेल में आ गए और सरकार एवं स्पीकर के खिलाफ नारेबाजियां करने लगे। प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री पिनरई विजयन जब जवाब दे रहे थे तब यूडीएफ का विरोध तेज होने के बाद स्पीकर ने फिर से हस्तक्षेप किया।

रोचक खबरें

दुनिया का सबसे ऊंचा रावण का पुतला तैयार, 40 कारीगरों ने 30 लाख में बनाया

दहन के लिए पीएम मोदी को किया गया आमंत्रित

दशहरा के दिन रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के बड़े-बड़े पुतले मेले का खास आकर्षण होते हैं. यही वजह है कि दिल्ली की बड़ी रामलीलाएं अपने यहां जलाए जाने वाले रावण के पुतलों के साथ तमाम एक्सपेरिमेंट करती हैं. पिछले कुछ सालों से आयोजक रावण के पुतलों की ऊंचाई को लेकर भी तमाम एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं. मगर इस बार दिल्ली में दुनिया का अब तक का सबसे ऊंचा रावण बनाया गया है. यहां रावण का पुतला द्वारका इलाके के सेक्टर-10 में श्री राम लीला सोसाइटी द्वारा बनवाया गया है.

30 लाख की लागत से हुआ तैयार

यह रावण का पुतला 211 फीट ऊंचा है. श्री राम लीला सोसाइटी ने कहा कि इस ढांचे को तैयार करने और स्थापित करने में 4 महीने का समय लगा है. वहीं, इस रावण के पुतले को बनाने के लिए 40 कारीगरों नें दिन रात काम किया है. सिर्फ इतना ही नहीं इस रावण के पुतले को बनाने के लिए 30 लाख से ज्यादा का खर्चा भी हुआ है. उन्होंने बताया कि आजकल रोज करीबन 1,000 से 2,000 लोग रोज यहां पर रावण के पुतले की फोटो एवं वीडियो बनाने आते हैं, जो कि सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रही है. राम लीला सोसाइटी ने बताया कि यहां पर रामलीला रात 8:00 बजे शुरू हो जाती है, जो कि फिर रात के 12:00 बजे तक चलती है. उन्होंने यह भी कहा कि दशहरा के दिन रावण दहन करीबन 5:00 बजे के बाद होगा.

पीएम मोदी को भेज गया है आमंत्रण

12 अक्टूबर 2024 को दशहरे के दिन इस रावण को जलाया जाएगा और इसके लिए सोसाइटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया है, लेकिन सोसाइटी ने यह भी कहा की अभी तक इस बात की कोई भी पुष्टि नहीं हो पाई है कि प्रधानमंत्री यहां पहुंचेंगे कि नहीं. उनका कहना था कि पिछली बार भी प्रधानमंत्री यहां पर आए थे और उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी प्रधानमंत्री यहां पर आकर उन्हें अपना आशीर्वाद जरूर देंगे.

पापा इमरान हाशमी, मम्मी का नाम सनी लियोनी, बिहार के लाल का गजब कारनामा, फिर वायरल हुआ फॉर्म!

सोशल मीडिया पर हमें बहुत कुछ देखने को मिलता है. इसमें कुछ नई-नवेली चीज़ें होती हैं, जो हमारे लिए बिल्कुल अनोखी होती हैं तो कुछ ऐसी भी चीज़ें दिख जाती हैं, जो होती तो पुरानी है, लेकिन उन्हें लोग सोशल मीडिया पर डाल देते हैं. इस वक्त एक ऐसी ही पोस्ट हम आपको दिखाएंगे, जो लोगों का ध्यान खींच रही है.जो पोस्ट लोगों की नज़र में एक बार फिर आ गया है, वो साल 2020 में एक बिहार के छात्र का परीक्षा फॉर्म है. छात्र ने ग्रैजुएशन के लिए ऐसा परीक्षा का फॉर्म भरा था कि वो सुर्खियों में छा गया था.

एक बार फिर यही पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इसे पूरा पढ़ेंगे, तो आप अपनी हंसी रोक ही नहीं पाएंगे.इस पोस्ट में आपको बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी, मुजफ्फरपुर के एक परीक्षा फॉर्म का स्क्रीनशॉट दिखाई दे रहा है. इसका वर्ष 2017-2020 का है. परीक्षा फॉर्म में छात्र का नाम कुंदन लिखा गया है. उसके पिता का नाम- इमरान हाशमी लिखा है और माता का नाम- सनी लियोनी लिखा हुआ है. कास्ट की जगह बीसी लिखा है और रिलीजन हिंदू लिखा गया है, जबकि पिता का नाम मुस्लिम है. पते की जगह लड़के ने रेड लाइट एरिया का नाम लिखा है.

यहां 95 साल में नहीं पैदा हुआ एक भी बच्चा न कोई शाप है न राज़, वजह है बिल्कुल अलग!

धरती के हर कोने की अपनी खासियत है. कहीं कुछ अलग सा होता है तो कहीं कुछ. आपको कई ऐसे फैक्ट्स भी मिल जाएंगे, जिन्हें सुनकर बेहद हैरानी होगी. धरती पर कई ऐसी जगहें हैं, जो सामान्य जगहों से अलग हैं. कुछ लोग इन्हें शापित मान लेते हैं तो कहीं एक पुराना रहस्य छिपा होता है. हालांकि आज हम आपको जिस जगह के बारे में बताएंगे, वो इन सबसे अलग है. दुनिया एक देश ऐसाभी है , जिसमें पिछले 95 साल में किसी भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ. चलिए आपको बताते हैं कि ऐसा यहां क्यों हुआ? इतना ही नहीं इस देश में किसी को स्थाई नागरिकता नहीं मिलती, वहां रहने वाले सभी लोग यहां के अस्थाई नागरिक ही हैं. शायद आपने इस देश का नाम सुना होगा लेकिन ये तथ्य कम ही लोगों को पता होगा कि यहां बच्चों का जन्म नहीं होता.

दुनिया में अलग-अलग तरह की रहस्यमयी चीजें मौजूद हैं. एक ऐसा देश है, जो अपने आप में काफी अजीब तथ्य के लिए जाना जाता है. रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धार्मिक नेताओं का ये घर है और यहां पोप का शासन है. बावजूद इसके इस देश में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ. इस देश का निर्माण 11 फरवरी 1929 को हुआ था. हैरानी की बात है कि 95 साल बाद भी यहां कभी एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है. इसके पीछे जो वजह है, वो और भी ज्यादा हैरान कर देने वाली है. इस देश का नाम वेटिकन सिटी है. इसे दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है. ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं. वेटिकन सिटी में कोई अस्पताल नहीं है. न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की निकटता के कारण लिया गया है. यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता क्योंकि यहां कोई डिलीवरी रूम नहीं है. यहां प्राकृतिक प्रसव नहीं होता या होने दिया जाता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
छल करोगे तो छल मिलेगा
आज नहीं तो कल मिलेगा
अगर जियोगे जिंदगी सच्चाई से
तो सुकून हर पल मिलेगा।

हैदराबाद सीएसएमपी को अमृत 2.0 में शामिल किया जाए : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री खट्टर से मेट्रो रेल फेज 2 में सहयोग की अपील की

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से हैदराबाद के व्यापक सीवरेज मास्टर प्लान (सी.एस.एम.पी.) को अमृत 2.0 में शामिल करने अथवा इसे विशेष परियोजना के रूप में विचार करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री खट्टर से मुलाकात की तथा बताया कि हैदराबाद का ऐतिहासिक शहर अभी भी पुरानी सीवरेज प्रणाली के साथ काम कर रहा है, जो वर्तमान जरूरतों के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने मंत्री का ध्यान आस-पास की नगर पालिकाओं में उचित सीवरेज प्रणाली की कमी की ओर दिलाया। हैदराबाद और उसके आस-पास की नगर पालिकाओं के लिए शहर के वैश्विक जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए 100% अपशिष्ट जल उपचार प्राप्त करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि सी.एस.एम.पी. के लिए एक डी.पी.आर. (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की गई है, जिसमें हैदराबाद और आस-पास की 2% नगर पालिकाओं को शामिल किया गया है। यह योजना 7,444 किलोमीटर लंबी है और इसकी अनुमानित लागत <17,212.69 करोड़ है। मुख्यमंत्री ने डीपीआर मंत्री खट्टर को सौंपते हुए अमृत 2.0 के माध्यम से या इसे एक विशेष परियोजना के रूप में मान्यता देकर वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि मूसी नदी हैदराबाद से होकर 55 किलोमीटर तक बहती है, जिसमें 110 किलोमीटर सीवेज नदी में बहता है। इसे रोकने के लिए <4,000 करोड़ की लागत से ट्रंक सीवर, बड़े आकार के बॉक्स ड्रेन और नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए डीपीआर तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने यह डीपीआर केंद्रीय मंत्री को सौंपते हुए काम शुरू करने के लिए मंजूरी और शीघ्र अनुमति मांगी है। हैदराबाद मेट्रो रेल फेज 2 के विस्तार के बारे में सीएम रेवंत रेड्डी ने मंत्री खट्टर को बताया कि नागोले से शमशाबाद राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (36.8 किमी), रायदुर्गम से कोकापेट नियोपोलिस (11.6 किमी), एमजी बस स्टेशन से चंद्रायनगुट्टा (7.5 किमी), मियापुर से पठानचेरुवु (13.4 किमी) और एलबी नगर से हयातनगर (7.1 किमी) सहित कई कॉरिडोर के लिए डीपीआर पूरी हो चुकी है, जिनकी कुल लंबाई 76.4 किलोमीटर है। विस्तार की अनुमानित लागत <24,269 करोड़ है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-ADVT-MA-004

(1) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-244531-1-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 18311/18312 विशाखापट्टनम-बनारस-विशाखापट्टनम द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 20803/20804 विशाखापट्टनम-गांधीधाम-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस हेतु 02 रेक के लिए ट्रेन इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-141653-2-24-2 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन नं. 18573/18574 विशाखापट्टनम-भगत की कोठी-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(3) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-174740-1-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 22801/22802 विशाखापट्टनम-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विशाखापट्टनम साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस एवं 22809/22810 विशाखापट्टनम-पारादीप-विशाखापट्टनम साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस हेतु 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(4) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-129368-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन नं. 12861/12862 विशाखापट्टनम-महबूबनगर-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(5) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-131760-3-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 22869/22870 विशाखापट्टनम-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 18503/18504 विशाखापट्टनम-साईनगर शिर्डी-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(6) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-131881-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 18567/18568 विशाखापट्टनम-कोल्लम जं.-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 20815/20816 विशाखापट्टनम-टाटा-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(7) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-177665-1-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 18513/18514 विशाखापट्टनम-किरंडुल-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस एवं 18529/18530 विशाखापट्टनम-दुर्ग-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में 02 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(8) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-128700-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 17488/17487 विशाखापट्टनम-तिरुपति-विशाखापट्टनम तिरुमाला एक्सप्रेस एवं 18517/18518 विशाखापट्टनम-कोरबा-विशाखापट्टनम कोरबा एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(9) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-169780-1-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 22819/22820 भुवनेश्वर-विशाखापट्टनम-भुवनेश्वर इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं 18511/18512 कोरापुट-विशाखापट्टनम-कोरापुट द्वि-साप्ताहिक इंटरसिटी एक्सप्रेस में 04 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

(10) लॉट नं./वर्ग: ADVT-INT-131905-3-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 20807/20808 विशाखापट्टनम-अमृतसर जं.-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं 20811/20812 विशाखापट्टनम-हजूर साहिब नान्देड-विशाखापट्टनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 14.10.2024 को 1200 बजे (सभी क्रम सं. हेतु)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 14.10.2024 को 1230 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1240 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1250 बजे (क्रम सं. 3 हेतु), 1300 बजे (क्रम सं. 4 हेतु), 1310 बजे (क्रम सं. 5 हेतु), 1320 बजे (क्रम सं. 6 हेतु), 1330 बजे (क्रम सं. 7 हेतु), 1340 बजे (क्रम सं. 8 हेतु), 1350 बजे (क्रम सं. 9 हेतु) एवं 1400 बजे (क्रम सं. 10 हेतु)।

न्युनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-593/P/24-25

हाइड्रा और मुसी पर लोगों को गुमराह कर रहा है विपक्ष : भट्टी

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को दावा किया कि विपक्ष मुसी और हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के बारे में लोगों को गुमराह कर रहा है। विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस एक जन-हितैषी सरकार है और जन कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पार्क और झीलें हैदराबाद की खूबसूरती में चार चांद लगाती हैं। उन्होंने कहा कि पार्कों पर तेजी से कब्जे हो रहे हैं और झीलें, जो ताजे पानी के स्रोत हैं, गायब हो रही हैं।

आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर झीलों की सुरक्षा करने में विफल रहने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इन झीलों को साफ करने और उनकी सुरक्षा करने का वादा किया था। हालांकि, वे ऐसा नहीं कर सके। उपमुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार झीलों को संरक्षित करने के लिए कदम उठा रही है और हैदराबाद की भावी पीढ़ियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अलग किए गए तालाब सार्वजनिक संपत्ति हैं और उन्हें संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है।

एआईएमआईएम के माजिद-कांग्रेस के फिरोज के बीच भिड़ंत

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय नेता फिरोज खान और नामपल्ली विधायक माजिद हुसैन के समर्थकों के बीच सोमवार को झड़प हो गई, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में अराजकता और व्यवधान उत्पन्न हो गया। सोमवार दोपहर नामपल्ली विधानसभा क्षेत्र के हुमायूंनगर में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं और एआईएमआईएम पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प में कुछ लोग घायल हो गए। यह झड़प उस समय हुई जब कांग्रेस नेता अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हुमायूंनगर में बैंक कॉलोनी का दौरा कर रहे थे, तभी नामपल्ली के विधायक मोहम्मद माजिद हुसैन अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच गए।

विधायक ने फिरोज खान की मौजूदगी पर आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता कथित तौर पर लोगों को धमका रहे हैं और अवैध रूप से बनाए जा रहे मकानों का विवरण एकत्र कर रहे हैं। दोनों गुटों के बीच मारपीट हुई और इस झड़प में कांग्रेस और एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। मौके पर मौजूद मुट्ठी भर पुलिसकर्मियों ने उन्हें तितर-बितर करने की कोशिश की, लेकिन वे ज्यादा कुछ नहीं कर पाए। पड़ोसी पुलिस स्टेशन से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को उस जगह भेजा गया, जहां उपद्रव की सूचना मिली थी। दोनों पक्ष थाने पहुच गए हैं और शिकायत कर रहे हैं।

जानी मास्टर की अंतरिम जमानत रद्द

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी पुलिस ने कोरियोग्राफर जानी मास्टर की अंतरिम जमानत रद्द करने के लिए अदालत में याचिका दायर की है। जानी मास्टर को शुरू में 2022 की फिल्म तिरुचित्रम्बलम में उनके काम के लिए सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफर के रूप में घोषित किया गया था। हालांकि, पाक्सो अधिनियम के तहत उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के कारण, राष्ट्रीय पुरस्कार समिति ने अस्थायी रूप से सम्मान वापस लेने का फैसला किया। इसके अलावा, 8 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए दिया गया उनका निमंत्रण भी रद्द कर दिया गया।

इससे पहले जानी मास्टर को समारोह में शामिल होने के लिए 6 से 9 अक्टूबर तक अस्थायी जमानत दी गई थी।

जमानत निलंबित होने के बाद नरसिंगी पुलिस ने अदालत से जमानत रद्द करने का आग्रह किया है, क्योंकि अब उनकी उपस्थिति की कोई जरूरत नहीं है। जानी पर उनके साथ काम करने वाली एक महिला कोरियोग्राफर का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है।

बीआरएस ने सभी प्रकार के धान पर बोनस और एमएसपी की मांग की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी ने आज मांग की कि राज्य सरकार राज्य की सभी प्रकार की धान की फसलों के लिए बोनस और एमएसपी का भुगतान करे। पूर्व विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी ने आज इस मुद्दे पर सीएम रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में, उन्होंने सीएम को याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनावों में सभी फसलों के लिए बोनस देने का वादा किया था और कहा कि पार्टी ने तत्कालीन धान की फसल के मूल्य 2183 प्रति क्विंटल में 500 एमएसपी जोड़ा था और इसे अपने घोषणापत्र में शामिल किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि एमएसपी चावल की मोटी किस्म के लिए थी, लेकिन राज्य सरकार ने बोनस का लाभ केवल अच्छी गुणवत्ता वाले चावल तक ही बढ़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अच्छी गुणवत्ता वाले चावल के लिए बोनस के भुगतान के नाम पर किसानों को धोखा दे रही है और कहा कि वह 14628000 मीट्रिक टन धान के बजाय केवल 47 लाख मीट्रिक टन धान खरीद रही है।

दुबई में स्कूली शिक्षा पूरी करने वाली छात्रा को मिली मान्यता

अब स्थानीय उम्मीदवार के रूप में कर सकती है एमबीबीएस

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को निर्देश दिया है कि वह दुबई में अपनी स्कूली शिक्षा और हैदराबाद में इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी करने वाली एक छात्रा को एमबीबीएस प्रवेश के लिए स्थानीय उम्मीदवार के रूप में मान्यता दे। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति श्रीनिवास राव की खंडपीठ ने कोंडापुर निवासी अनुमता फारूक की याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। फारूक ने एमबीबीएस और बीडीएस प्रवेश में स्थानीय उम्मीदवार माने जाने से बाहर रखे जाने को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि फारूक ने 1998 से 2008 तक दुबई में कक्षा 10 तक की शिक्षा पूरी की, लेकिन वह 2019 से तेलंगाना में रह रही है। उसने तेलंगाना में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की और नीट परीक्षा में शामिल हुई। जुलाई में राज्य सरकार द्वारा कानून में किए गए हालिया संशोधनों के तहत, किसी छात्र को स्थानीय उम्मीदवार माना जाएगा यदि उसने लगातार चार वर्षों तक तेलंगाना में अध्ययन किया हो या समान अवधि के लिए राज्य में निवास किया हो।

निवास की आवश्यकता को पूरा करने और आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बावजूद, याचिकाकर्ता को स्थानीय उम्मीदवार के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि वह एमबीबीएस और बीडीएस प्रवेश के लिए उसे स्थानीय उम्मीदवार के रूप में मान्यता दे, जिससे उसे स्थानीय श्रेणी के तहत प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति मिल सके।

अमेरिका में मनाया गया बथुकम्मा उत्सव

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु भाषी परिवार, विशेष रूप से तेलंगाना राज्य से आने वाले और संयुक्त राज्य अमेरिका के सिनसिनाटी में रहने वाले, भक्ति और उत्साह के साथ बथुकम्मा त्योहार के जीवंत समारोह में भाग लेने के लिए एकत्र हुए। ग्रेटर सिनसिनाटी तेलुगु एसोसिएशन (तरंगिनी) और ग्रेटर सिनसिनाटी तेलंगाना एसोसिएशन (जीसीटीए) द्वारा मेसन हाई स्कूल (एमएचएस), सिनसिनाटी में शनिवार को आयोजित बथुकम्मा समारोह में 350 तेलुगु भाषी व्यक्तियों ने भाग लिया, जो अपने प्रियजनों के साथ आए थे।

अपने पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी महिलाओं ने सुंदर फूलों के ढेर के साथ बथुकम्मा तैयार किया, जिन्हें अलग-अलग अनोखे मौसमी फूलों से सजाया गया था। रंगीन साड़ियों में लड़कियों और महिलाओं ने बथुकम्मा के चारों ओर घेरा बनाया और ओकेसी पुव्वेसी चंदामामा, चित्तु चित्तुला बोम्मा, बथुकम्मा बथुकम्मा उय्यलो आदि जैसे मधुर गीतों पर नृत्य किया।

ट्रेन परिचालन में सुरक्षित कार्य प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेन परिचालन में असुरक्षित कार्य प्रक्रियाओं से सख्ती से बचने की सलाह दी क्योंकि वे किसी भी समय असामान्य और असुरक्षित स्थिति पैदा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मानक और सुरक्षित प्रक्रियाओं का ही पालन करें, जिससे समय लगने के बावजूद हमेशा अच्छे परिणाम मिलते हैं। ट्रेन संचालन में सुरक्षा जल्दबाजी में काम पूरा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और बाकी चीजें उसके बाद हैं। अरुण कुमार जैन ने जोन में चल रहे सुरक्षा अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा अभियान का उद्देश्य सिस्टम में समस्याओं का समाधान करना और सिस्टम की मजबूती को बढ़ाना है, अगर सभी कर्मचारी सुरक्षा मैनुअल का ध्यानपूर्वक पालन करें तो गलती करने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन परिसंपत्तियों आदि से संबंधित सुरक्षा संबंधी वस्तुओं की उपलब्धता और कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित करते हुए फील्ड निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने फील्ड स्टाफ को प्रावधानों के अनुसार सुरक्षा संबंधी सभी रजिस्टर और रिकॉर्ड बनाए रखने और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्य प्रथाओं का पालन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अग्निशामक यंत्र और स्मोक डिटेक्टर आदि जैसे सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर चर्चा की। अरुण कुमार जैन ने क्रू के काम के घंटों पर चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को क्रू सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जोन में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं को तत्काल हल करने का निर्देश दिया।

पूर्व तट रेलवे

मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर में ऑनररी (HONORARY) विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स (HVS) की नियुक्ति हेतु सूचना

सूचना सं.: CMS/WAT/MED/HVS/2024/Waltair दिनांक : 28.09.2024

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर स्थित मण्डल रेलवे अस्पताल में निम्नलिखित विषयों में ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स की नियुक्ति।

क्रम सं.	विशेषता का नाम	कार्य समय	प्रति महीने पारिश्रमिक	पद संख्या
1	जनरल मेडिसिन	प्रतिदिन 4 घंटे	Rs, 48,000/-	01
2	ओन्कोलॉजी सुपर स्पेशियलिटी	प्रति सप्ताह में 4 दिन	Rs, 60,000/-	01

आवेदन कैसे करें : ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स के रूप में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार को निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रमाणपत्तों की सत्यापित प्रतियों के साथ सीधे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मण्डल रेलवे अस्पताल, पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर को 20.10.2024 तक या उससे पहले आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार का चयन, दस्तावेज (संबंधित प्रमाणपत्र) की स्क्रीनिंग के आधार पर किया जाएगा। चयन के समय ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स को शारीरिक रूप से नहीं बुलाया जाएगा।

द्रष्टव्य : आवेदन प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता, पात्रता, आयु सीमा और अन्य नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट : www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Walk-in-Interview & Notification का अवलोकन करें।

PR-599/P/24-25 मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / वाल्टियर

श्रवण ने मुसी नदी परियोजना पर सरकार के अन्याय की निंदा की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता डॉ.श्रवण दासोजू ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री और तेलंगाना के कैबिनेट मंत्रियों को लिखे खुले पत्र में सरकार की प्रस्तावित 1.5 लाख करोड़ की मुसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना की निंदा की है और इसे नदी के किनारे रहने वाले हजारों निवासियों के अधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है। डॉ. दासोजू ने बिना उचित मुआवजे या परामर्श के परिवारों को जबरन बेदखल करने में प्रशासन की मनमानी और असंवेदनशीलता की आलोचना की और इन कार्रवाइयों की तुलना यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर रणनीति से की। डॉ. श्रवण ने तेलंगाना सरकार पर आरोप लगाया कि वह भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अ धि का र (आरएफसीटीएलएआरआर) अधिनियम, 2013 के तहत बिना किसी मुआवजे के नदी के किनारे और बफर जोन में रहने वाले लाखों लोगों के घरों को ध्वस्त करके "बुलडोजर राज" की नीति अपना रही है।

उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक नेता के रूप में रेवंत रेड्डी के कार्यों में स्पष्ट विरोधाभास को उजागर किया, जिन्हें इंदिरा गांधी के "रोटी, कपड़ा, मकान" के दृष्टिकोण की विरासत को कायम रखना चाहिए। डॉ. दासोजू ने पर्यावरणविदों, शहरी योजनाकारों और प्रभावित समुदायों के साथ सार्थक परामर्श करने से सरकार के इनकार पर गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने बताया कि हितधारकों से इनपुट एकत्र करने के लिए कोई वार्ड-वार बैठकें या ग्राम सभाएं नहीं थीं, जिससे परियोजना की पारदर्शिता और विश्वसनीयता कम हो रही है। उन्होंने नदी के किनारे और बफर जोन में निवासियों के प्रति प्रशासन के भेदभावपूर्ण रवैये की भी आलोचना की, उन्हें अवैध अतिक्रमणकारी मानते हुए उनके उचित दावों को नकार दिया। उन्होंने जीओ संख्या 477 को एक ध्यान भटकाने वाली रणनीति बताया कि आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम, 2013 के कानूनी ढांचे को दरकिनार करती है, जिसे विस्थापित परिवारों की सुरक्षा के लिए स्थापित किया गया था। इस अधिनियम को बनाए रखने के बजाय, सरकार ने विध्वंस के बाद ही एक अलग आजीविका सहायता समिति बनाई, एक ऐसा कदम जिसे डॉ. दासोजू ने अवैध निष्कासन और हाशिए पर पड़े समुदायों के विस्थापन पर जनता के आक्रोश को दूर करने के लिए एक कवर-अप करार दिया।

जल्द ही टीडीपी में शामिल होंगे कृष्ण रेड्डी

बीआरएस के पूर्व विधायक ने की घोषणा

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व विधायक तिगला कृष्णा रेड्डी ने सोमवार को घोषणा की कि वह जल्द ही तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल होंगे। उन्होंने यह घोषणा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के साथ हैदराबाद में उनके आवास पर हुई बैठक के बाद की। रेड्डी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा लक्ष्य चंद्रबाबू नायुडू को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में फिर से लाना है। हैदराबाद के पूर्व महापौर के साथ बीआरएस विधायक मल्ला रेड्डी और मार्री राजशेखर रेड्डी भी थे।

रेड्डी ने तेलंगाना में एन.टी. रामा राव (एन.टी.आर.) की शासन शैली को स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैंने नायुडू से मुलाकात की और चर्चा की कि हम राज्य में एनटीआर की शासन शैली को कैसे वापस ला सकते हैं?

पूर्व विधायक ने हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद के विकास का श्रेय टीडीपी सुप्रीमो को दिया। उन्होंने टीडीपी के खोए हुए गौरव को वापस लाने का संकल्प दोहराया।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व.श्री खींवारामजी सोलंकी

: सुपुत्र : स्व.श्री भानारामजी सोलंकी (मरुधर मे आंगदोष (राज.))

स्वर्गवास : 8-10-2023

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : धीसीबाई (धर्मपत्नी), नेमाराम-दरियादेवी, तेजाराम-भंवरीदेवी, भुराराम-कमलादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), कन्यादेवी-स्व.पुखारामजी सैंणचा-गादाणा, पिस्तादेवी(मंजु)-भंवरलालजी वर्फा-राणावास (पुत्री-दामाद), जितेन्द्र-ममता, जयप्रकाश-सीमा, ओमप्रकाश-मनीषा, मुकेश-कुसुम (पौत्र-पौत्रवधु), मीना-चन्दनजी पंवार-गादाणा (पौत्री-दामाद), ललिता (पौत्री), कुशाल, दक्ष, गौरव, गणेश, देवांश, खुशवीर (पड़पौत्र), वर्षा (पड़पौत्री) एवं समस्त सोलंकी परिवार

P.Solankey

: फर्म :
* सोलंकी प्लाईवुड * शंकर प्लाईवुड एंड हार्डवेयर *
* सोलंकी इलेक्ट्रीकल हार्डवेयर * श्री एम.जे.मार्केटिंग *
हैदराबाद। मो. 9246193306, 9490455816, 9849096678

विवादित टिप्पणियों पर योगी सख्त

विरोध के नाम पर अराजकता स्वीकार नहीं दुस्साहस किया तो चुकानी होगी कीमत

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी जाति, मत-मजहब अथवा संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी-देवता, महापुरुषों अथवा साधु-संतों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी-देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़-फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद-प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें। कानून के खिलाफ काम करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और पीआरवी 112 की पेट्रोलिंग तेज की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग मिलकर काम करें।

बेलगाम कंटेनर ने पांच को रौंदा, दो की मौत

आरा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरा में बेलगमा कंटेनर ने सोमवार को पांच लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में महिला समेत दो की मौत हो गई। जबकि तीन लोग जख्मी हैं। घटना आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर बाजार स्थित मिठाई दुकान के पास हुई। लोग सड़क किनारे चाय दुकान पर बैठे थे और इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों में गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर वार्ड नंबर 13 निवासी काशी सोनार के 55 वर्षीया पुत्र रमेश सोनार और एक अज्ञात बुजुर्ग महिला शामिल है। रमेश मजदूरी करता था। वहीं, घायलों में सुदामा, गोपाल और चुन्नू को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद ड्राइवर कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर को जब्त कर लिया। इधर, मृतक रमेश सोनार के दुकान मालिक ने बताया कि वह उनकी दुकान पर ही मजदूर करता था। सभी लोग सड़क किनारे बैठकर चाय पी रहे थे।

नीतीश कुमार के फ्लोर टेस्ट में सरकार के साथ आए तेजस्वी के तीन विधायक अब भी 'माननीय'

पटना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आठ महीने बाद जब बिहार की आर्थिक अपराध इकाई की जांच रिपोर्ट में यह बात खुलकर सामने आ गई है कि हवाला डील के जरिए नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की खरीद-फरोख्त हो रही थी तो विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को उस दिन लगी एक बड़ी चोट का घाव फिर हरा हुआ नजर आता है। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव खुद मोर्चा संभालकर बैठे थे कि नीतीश कुमार फ्लोर टेस्ट में फेल कर जाएं। पैसों की लेनदेन महागठबंधन की ओर से कौन कर रहे थे, यह नाम सामने आना बाकी है। लेकिन, ईओयू की पड़ताल के बाद यह तो साफ हो गया है कि जिस खेला की बात तेजस्वी यादव कर रहे थे, वह उन्हीं पर भारी पड़ गया।

उस दिन को याद कर परेशान होंगे तेजस्वी यादव

बिहार में जब 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश का हवाला देते हुए एनडीए में वापसी की थी, उस समय से लेकर 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में बहुमत परीक्षण के बीच में महागठबंधन के नेता हर स्तर पर तैयारी कर रहे थे। राष्ट्रीय जनता दल की तैयारी जदयू के विधायकों को अपने साथ लाने की थी, जबकि कांग्रेस ने जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को खुला ऑफर दे रखा था। मांझी के बेटे को डिप्टी सीएम बनाने तक की बात थी। मांझी ने बाद में कहा भी था कि वह फ्लोर टेस्ट के अंपायर की भूमिका निभा रहे थे। ऐसा नहीं कि राजद सफल नहीं रहा, लेकिन वह संख्या में खेल नहीं कर सका। जदयू के एक ही विधायक मतदान के दौरान सदन में मौजूद नहीं रहे। जबकि, राजद के तीन विधायकों ने नीतीश कुमार सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले ही एनडीए के खेमे में बैठकर तेजस्वी यादव की सारी योजना बर्बाद कर दी।

अनंत सिंह की पत्नी, आनंद मोहन के बेटे और प्रह्लाद पलटे

12 फरवरी को बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार के बहुमत परीक्षण के दौरान क्रॉस वोटिंग की आशंका तेजस्वी यादव को भी थी। यही कारण है कि बाहुबली आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को तेजस्वी ने एक दिन पहले बुलाया और रातभर अपने साथ रखकर क्रिकेट खेलाया। चेतन आनंद को लेकर डर इसलिए था, क्योंकि नीतीश कुमार सरकार ने आनंद मोहन की रिहाई के लिए बोलकर और खुलकर प्रयास किए थे। आनंद मोहन को मिली राहत के बाद चेतन आनंद को कुछ चुकाना ही था। यही हुआ फ्लोर टेस्ट में। इधर जेल में बंद अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने राजद का साथ छोड़ सत्ता का साथ दिया। फ्लोर टेस्ट में ऐसा हो सकता है, यह सबसे पहले 'अमर उजाला' ने वीडियो प्रमाण के साथ 28 जनवरी को ही दिखा दिया था। राजद की सरकार गिरने पर अनंत सिंह के घर पर खूब आतिशबाजी हुई थी। सरकार बदलने के कुछ महीनों बाद अब अनंत सिंह न केवल बाहर हैं, बल्कि सीएम नीतीश कुमार से उनकी भेंट भी हो चुकी है। तीसरे थे प्रह्लाद यादव, जो राजद के पांच बार विधायक रहने के बाद अचानक सरकार के साथ हो लिए थे।

नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए हवाला डील, फ्लोर टेस्ट का प्लान ईओयू ने पकड़ा

पटना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार को विश्वास मत हासिल करने से रोकने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग की गई थी। सत्ताधारी दल के विधायकों को हवाला के जरिए एडवांस पैसे भेजे गए थे। अगर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार विश्वास मत हासिल करने में हार जाती तो विधायकों को मोटी रकम अदा की जाती। यह खुलासा आर्थिक अपराध इकाई की जांच में हुआ है।

पटना के कोतवाली थाने में दर्ज एक प्राथमिकी में पैसों के लेन-देन से जुड़ी जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई को हैरान करने वाले सबूत मिले हैं। ईओयू ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय को सौंप दी है। हॉर्स ट्रेडिंग से जुड़े इस केस की तफ्तीश अब प्रवर्तन निदेशालय करेगी।

28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच डील

अब तक की जांच में यह खुलासा भी हुआ है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को हवाला के जरिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड के साथ ही नेपाल से भी पैसे भेजे जा रहे थे। आर्थिक अपराध इकाई ने अवैध लेनदेन से जुड़े साक्ष्य भी ईडी को सौंप दिए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जनादेश मिला था, लेकिन बीच में वह महागठबंधन के साथ चले गए थे। दिसंबर में जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की विदाई के बाद बिहार कर राजनीतिक माहौल अचानक बदला और 28 जनवरी को उलटफेर फिर हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महागठबंधन सरकार के सीएम पद से इस्तीफा दिया और कुछ घंटे बाद भारतीय जनता पार्टी का समर्थन पत्र लेकर वापस राजग सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस सरकार का गठन हो गया और 12 फरवरी को विश्वास मत, यानी फ्लोर टेस्ट की तारीख दी गई। इस दौरान ही यह सारी डील हुई, ताकि सरकार फ्लोर टेस्ट में पिछड़ जाए।

उलटा पड़ गया था महागठबंधन का दांव

बिहार में 28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच महागठबंधन कुछ इस तरह का खेल कर रहा है, यह उस समय भी सामने आया था। तब यह आरोप-प्रत्यारोप जैसा था। यह घटनाक्रम फ्लोर टेस्ट के दिन तक चला, जिसमें राजद को अपने विधायक भी सहेजकर रखने पड़े थे। उस दौरान जदयू-भाजपा के कुछ विधायकों को फ्लोर टेस्ट तक बाहर ही रोकने का कई उपक्रम चला था। उस उपक्रम में कुछ विधायक खुद ही अपना चेहरा भी दिखा बैठे।

शिक्षक की मौत मामले में नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर किया हमला चार पुलिसकर्मी घायल

जहानाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र के कोरा गांव में रविवार देर शाम एक सड़क के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची। इस दौरान नाराज ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला पुलिसकर्मी सहित कुल चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला पुलिसकर्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। घटना को बताया जा रहा है कि घोसी थानाक्षेत्र के कोरा गांव में बाइक और साइकिल की टक्कर में एक शिक्षक की मौत हो गई थी। इस हादसे से नाराज होकर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस के देर से आने का आरोप लगाते हुए उन पर हमला कर दिया।

अमेठी हत्याकांड : 'क्षण भर में हम बिखर गए', जिंदगी तो बेकार हो गई

शिक्षक बेटे को याद कर बिलख पड़ते हैं पिता

रायबरेली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली के सुदामापुर गांव में चार दिन से मातम छाया हुआ है। एक साथ चार शवों को देखने की पीड़ा हर आंख में झलक रही है। सुनील के परिवार वाले ही नहीं गांव के लोग भी इस गम से उबर नहीं पा रहे हैं। अब वक्त ही इस जख्म पर मरहम लगा पाएगा। शिक्षक सुनील कुमार, पत्नी पूनम, बेटी समीक्षा व सष्टि के कफन में लिपटे शव देखने के बाद बच्चे-बुजुर्ग सभी सदमे में हैं। गांव के लोगों ने इस तरह की घटना कभी नहीं देखी थी। गांव में छाया सन्नाटा तभी टूटता है जब कोई अधिकारी या नेता यहां पहुंचता है। चार दिन से जिंदगी थम सी गई है। पीड़ित राम गोपाल के दर्द को देख हर कोई नियति के उलाहना देता है। रविवार सुबह भी गांव में मायूसी का आलम था।

छिन भर में हम बिखर गए...

बेटे सुनील की बात सामने आते ही पिता राम गोपाल बिलख पड़ते हैं। वह कहते हैं कि हम मजदूरी किए, भूखे रहे, हमार बेटा भी गरीबी सहकर आगे बढ़ा...। सोचा था कि बेटा आगे बढ़ जाए तो नाम रोशन होगा...। हमार सहारा बनी, पर भगवान ने ऐसा लूटा कि हम छिन भर में बिखर गए...। पुरानी बातें याद कर कहते हैं कि रात को बेटवा का फोन आवत रहै तो पूछत रहै कि पैसे की जरूरत तो नहीं है...। यदि कह देत कि जरूरत हो तो तुरंत फोन से ही पैसा भेज देत रहै...। राम गोपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री से मिले रहेन...। वह हमको हर तरह की मदद की बात कहे हैं...। इसी के साथ भावुक होकर कहते हैं कि जिंदगी तो बेकार हो गई, पर का करें, जियै का तो परी...। अब बड़े बेटवा पर जिम्मेदारी है...। रायबरेली के गोला गंगा घाट पर जब शिक्षक और उसके परिवार का अंतिम संस्कार हुआ तो सबकी आंखों में आंसू थे। हर जुबां पर यही सवाल कि ऐसा कैसे हो गया, ये तो बहुत गलत हुआ। गोला गंगा घाट पर एक ही चिता पर दंपती के शवों का अंतिम संस्कार हुआ। शिक्षक के बड़े भाई सोनू ने चिता को मुखाग्नि दी।

वाराणसी और अयोध्या की तर्ज पर संवारे जाएंगे आगरा के शिवालय-150 करोड़ होंगे खर्च

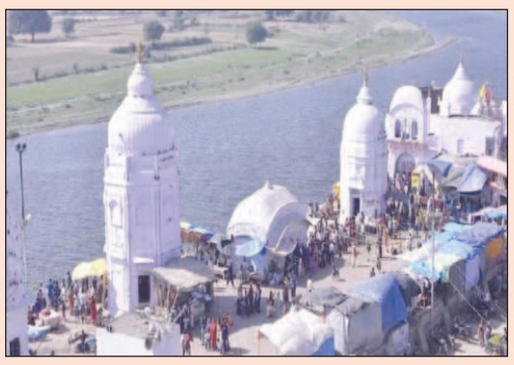

आगरा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन व सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने के लिए मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। छह मंदिरों का शिवालय सर्किट बनेगा, जो आस्था और प्रेरणा का केंद्र होगा। पर्यटन विभाग करीब 150 करोड़ रुपये से धर्मस्थलों पर बुनियादी विकास व जीर्णोद्धार कराएगा।

वाराणसी व अयोध्या की तर्ज पर प्राचीन शिवालयों को संवारा जाएगा। यमुना किनारे बने बटेश्वर की मंदिर श्रृंखला से लेकर मनःकामेश्वर, कैलाश महादेव, फूलेश्वर, वनखंडी मंदिर पर जनसुविधाएं विकसित होंगी। बटेश्वर में यमुना रिवर फ्रंट बनेगा। यमुना किनारे बने 42 मंदिर इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं। लेजर शो से शिव महिमा बयां की जाएगी। 17.57 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंदिरों को उनकी प्राचीन शैली में विकसित किया जाएगा। प्रोजेक्ट में बटेश्वर, पंचमुखेश्वर, नीलकंठ, रामेश्वर, नरबंधेश्वर, केदारनाथ, सोमनाथ, फुटा मंदिर, बैजनाथ, अमरनाथ, बड़े बांकेबिहारी, मल्लिकार्जुन आदि मंडलभर के मंदिर शामिल हैं। पर्यटन अधिकारी दीप्ति वत्स ने बताया कि शहर में चारों कोनों पर शिव मंदिर हैं। चरणबद्ध तरीके से इनका विकास होगा। श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने बताया कि ताजमहल के अलावा शहर में शिवालय भी पर्यटन का नया केंद्र बनेंगे।

बुड्ढों को जवान बनाने वाली 'इजरायली मशीन' का झांसा देकर ठग पति-पत्नी ले उड़े 35 करोड़ रुपए

पुलिस ने बैंक खाते खंगाले तो मिले कुल 600 रुपये

कानपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली मशीन से बुड्ढों को जवान बनाने का झांसा देकर करीब 35 करोड़ रुपए ठग फरार हुए दंपती के बैंक खातों से पुलिस को हैरानी भरी जानकारी मिली है. पुलिस ने अभी तक दो बैंकों में मौजूद आरोपियों के 6 खातों को चेक किया. लेकिन यह जानकर हैरान रह गई कि इन 6 खातों में कुल मिलाकर 600 रुपए ही मौजूद हैं. पुलिस अब पता लगाने में जुट गई है कि आखिर हजारों लोगों से करीब 35 करोड़ रुपए ठगने वाले इन आरोपियों ने पैसे को कहां रखा है?

कानपुर के रहने वाले राजीव दुबे और उनकी पत्नी रश्मि दुबे पर आरोप है कि उन्होंने 'रिवाइवल वर्ल्ड' संस्था बनाकर शहर के लोगों से दावा किया कि हम इजराइल से एक ऐसी मशीन लाए हैं जिसकी थेरेपी लेकर 65 साल का बुजुर्ग भी 25 साल का युवा बन जाएगा. उनके इस दावे के बाद शहर के हजारों लोगों ने अपना पैसा ठग दंपती को दे दिया. लेकिन पता चला यह मशीन ठीक से चली ही नहीं और दोनों पति-पत्नी हजारों लोगों का तकरीबन 35 करोड़ रुपए लेकर फरार हो गए. स्वरूप नगर के रहने वाली रेनू सिंह चंदेल ने 17 दिन पहले थाने में राजीव दुबे और उनकी पत्नी रश्मि दुबे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई. एफआईआर के मुताबिक, इजराइल की मशीन से ऑक्सीजन थेरेपी देकर पांच बार में लोगों को 65 साल से 25 साल का युवा बनाने का दावा किया था. लेकिन दुबे दंपती का दावा झूठा निकला और वो कई लोगों के करोड़ों रुपये लेकर फरार हो गए. पुलिस ने इस मामले में जब जांच शुरू की तो दुबे दंपती के बैंक खाते भी तलाशे गए. किदवई नगर के थाना इंचार्ज बहादुर सिंह के साथ पुलिस कमिश्नर ने 6 सदस्यीय एसआईटी गठित की. जांच के दौरान दुबे दंपती के स्टेट बैंक और इंडसइंड बैंक में 6 खाते मिले. लेकिन यह जानकारी हैरानी हुई कि उनके इन 6 खातों में कुल मिलाकर सिर्फ 600 ही जमा है. एक खाते में तो 70 ही जमा है, जो बैंक के मिनिमम जमा अकाउंट से भी काम है. ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा रहा है आरोपियों ने कहीं और पैसा भी अपना लगा कर रखा है.

किदवई नगर के थाना इंचार्ज बहादुर सिंह का कहना है कि आरोपियों के खातों में कई सालों के भीतर टोटल 76 लाख रुपए का लेनदेन हुआ है. आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने करोड़ों रुपए लोगों से ठगे हैं, तो यह पैसा इन्होंने आखिर किन खातों में ट्रांसफर किया है? यह हमारी टीम जांच रही है. साथ ही दुबे दंपती की भी तलाश की जा रही है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले-लालू और केजरीवाल केवल जमानत मिलने पर ही खुश हो जाते हैं

दरभंगा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने लालू परिवार और दिल्ली के सीएम पर हमला बोला है। लालू यादव एवं उनके परिवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा दिये गए जमानत पर कहा कि लालू यादव, अरविंद केजरीवाल एवं तेजस्वी यादव सिर्फ जमानत मिलने पर ही खुश हो जाते हैं। जमानत मिलने का मतलब मामले से रफा-दफा होना नहीं होता है। दरअसल, मंत्री दिलीप जायसवाल सोमवार को दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

गलत करने वाले किसी भी रूप में बचने वाले नहीं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉक्टर संजय जायसवाल दरभंगा पहुंचे। जहां उनका स्वागत भाजा के कार्यकर्ता

ने पूरे उत्साह के साथ फूल माला पहना कर किया और मिथिला के परंपरा के अनुसार पाग और चादर देकर उनका सम्मान किया है। बाद में मंत्री डॉक्टर संजय जायसवाल ने लैंड फ़ॉर जॉब मामले में लालू यादव सहित उनके परिवार के लोगों को मिले जमानत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए तंज कसा। मीडिया से कहा कि लालू यादव तेजस्वी यादव और केजरीवाल जैसे लोग अदालत से जमानत मिलने पर ही खुश हो जाते हैं। अभी ये लोग आरोपी हैं, लेकिन इतना काफी है कि अब गलत करने वाले किसी भी रूप में बचने वाले नहीं है। मीडिया से बात करते कहा जब किसी आरोपी को जमानत दी जाती हैं उन्हें अपना पक्ष अदालत में रखने का मौका मिलता है जमानत मिली है। अभी वे लोग आरोपी है लेकिन लालू यादव, तेजस्वी यादव और केजरीवाल जैसे लोग जमानत मिलने से ही खुश हो जाते है लेकिन मैं आपको इतना कहता हूं कि कोई भी गलत करने वाला अब बचने वाला नहीं है। जांच एजेंसी पर तेजस्वी यादव सवाल उठाते हैं तो क्या अदालत भी एजेंसी में आती है क्या? बताए अदालत जांच एजेंसी में नहीं आती है? इन लोगों को न्यायालय में आस्था रख वहां अपना पक्ष रखना चाहिए।

एनकाउंटर में तीन लाख का इनामी खूंखार अपराधी ढेर

पूर्णिया, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्णिया पुलिस ने रविवार की देर रात को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस मुठभेड़ में तीन लाख का इनामी अपराधी बाबर मारा गया है। रविवार देर रात्रि अमौर थाना से करीब दो किलोमीटर दूर एसटीएफ और पूर्णिया पुलिस की टीम के साथ मुठभेड़ हुई।

इसमें अपराधी बाबर को मार गिराया गया। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया है। घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने बताया कि मृतक बाबर पर डकैती और आर्म्स एक्ट के कई मामले विभिन्न स्थानों में दर्ज हैं।

एक-एक लाख के इनामी नक्सली जोनल-सब जोनल कमांडर समेत चार गिरफ्तार, हथियार बरामद

औरंगाबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद में पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के जोनल और सब जोनल कमांडर समेत चार कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर सरकार ने एक-एक लाख का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस ने इनसे तीन देसी कट्टा, आठ जिंदा कारतूस और दो मोबाइल भी बरामद किए हैं। इन नक्सलियों की गिरफ्तारी हसपुरा थानाक्षेत्र के बघोई टोले सत्यदेव नगर से की गई। औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल ने

सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस को एसटीएफ से गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं और हसपुरा थाना के बघोई टोले सत्यदेव नगर में सत्येंद्र सिंह के घर पर ठहरे हुए हैं। इस सूचना पर पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छापामारी की। पुलिस को देखते ही नक्सली भागने लगे, लेकिन उन्हें खदेड़कर पकड़ लिया गया। नक्सलियों की निशानदेही पर सत्येंद्र सिंह के घर से तीन हथियार और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

चुनाव से पहले दिल्ली की सड़कें ठीक होंगी : केजरीवाल

मरम्मत के लिए सीएम को लेटर लिखा; बगल में बैठीं आतिशी बोलीं-हमने टेंडर जारी किए

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की सड़कें जल्द ही ठीक होंगी। मैंने सड़कों की मरम्मत के लिए सीएम आतिशी को लेटर लिखा है। मुझे खुशी है कि हमारे विधायकों और नेताओं ने शहर की सभी सड़कों का निरीक्षण किया। केजरीवाल की इस प्रेस कांफ्रेंस में आतिशी भी बगल में बैठी दिखीं। आतिशी ने कहा- हमें केजरीवाल का लेटर मिला। इसके तुरंत बाद पीडब्ल्यूडी ने सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। अभी 89 में से 74 सड़कों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। बाकी 15 सड़कों के लिए टेंडर जारी करने का प्रोसेस जारी है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने 23 सितंबर को पदभार संभाला था। आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ दी थी और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठीं। आतिशी ने कहा था- 'जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने खड़ाऊं रखकर अयोध्या का सिंहासन संभाला, मैं उसी तरह दिल्ली सीएम की कुर्सी संभालूंगी। 4 महीने बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बैठाएंगे। तब तक ये कुर्सी इसी कमरे में रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी।'

दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनीं। 23 सितंबर को उन्होंने 5 मंत्रियों के साथ शपथ ली। आतिशी ने 21 सितंबर को दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजनिवास में उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए।

वे दिल्ली की सबसे युवा (43 साल) सीएम हैं। इससे पहले केजरीवाल 45 साल की उम्र में सीएम बने थे। आतिशी बतौर महिला सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद दिल्ली की तीसरी महिला सीएम हैं। आतिशी के अलावा सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट में मुकेश अहलावत एकमात्र नया चेहरा हैं।

पीएम मोदी ने सार्वजनिक जीवन में पूरे किए 23 साल

> अमित शाह समेत तमाम बीजेपी नेताओं ने की तारीफ

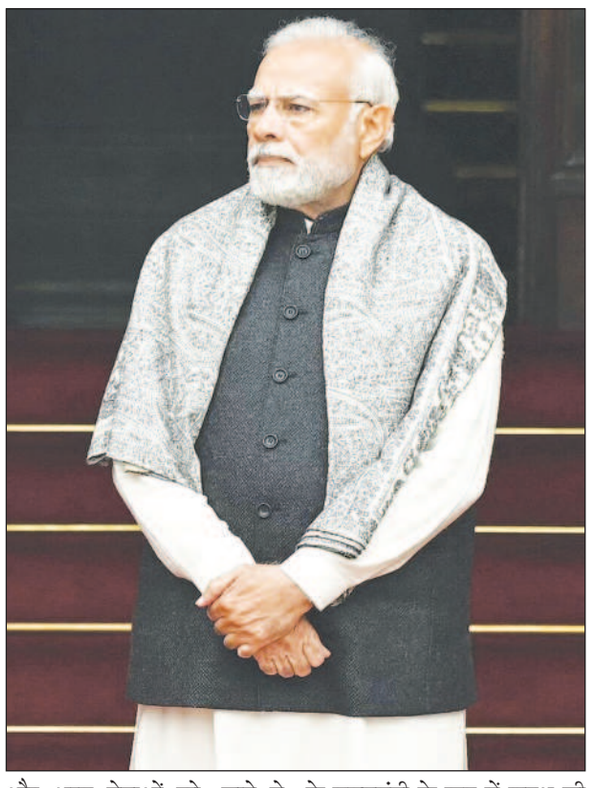

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, और इसी के साथ उनके सार्वजनिक जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ। इस मौके पर भाजपा के तमाम नेताओं की तरफ से उन्हें बधाई और उनके जनसेवा की सराहना की जा रही है। वहीं आज से भाजपा शासित राज्यों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने दी पीएम मोदी को बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में 23 वर्ष पूरे हुए हैं। एक व्यक्ति अपना पूरा जीवन राष्ट्रहित और जनसेवा को कैसे समर्पित कर सकता है, यह 23 वर्ष की साधना उस अद्वितीय समर्पण की प्रतीक है। यह 23 वर्षीय यात्रा, सामाजिक जीवन जीने वालों के लिए जीवंत प्रेरणा है। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि मैं उनकी इस यात्रा का साक्षी रहा हूं।

सेवा और समर्पण के 23 वर्ष पूरे-अमित शाह

प्रधानमंत्री मोदी ने यह दिखाया कि कैसे गरीब कल्याण, विकास, देश की सुरक्षा व वैश्विक पहचान को मजबूती देने के कार्य समानांतर किए जा सकते हैं। उन्होंने समस्याओं को टुकड़ों में देखने की जगह, समग्र समाधान का विजन देश के सामने रखा। बिना रुके, बिना थके, बिना अपनी परवाह किये देश और देशवासियों के लिए समर्पित ऐसे राष्ट्रसाधक मोदी जी को सेवा और समर्पण के 23 वर्ष पूर्ण करने पर बधाई देता हूं।

फडणवीस ने कहा-पीएम से सीखने की जरूरत

वहीं प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 23 साल पूरे करने के बारे में पूछे गए सवाल पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूल्य आधारित राजनीति का उदाहरण पेश किया है और अन्य नेताओं को, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों, उनसे सीखना चाहिए कि उन्होंने किस तरह स्वच्छ छवि के साथ काम किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 2014 में प्रधानमंत्री बनने से पहले 13 वर्षों तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने इस साल जून में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में कोयला खदान में भीषण विस्फोट

7 मजदूरों की मौत कई घायल

कोलकता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार को एक भीषण हादसा हुआ। बीरभूम की एक कोयला खदान में अचानक बड़ा धमाका हो गया, जिसमें 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूर खदान में काम कर रहे थे। धमाके की वजह से आसपास के इलाके में भी हलचल मच गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और फंसे हुए मजदूरों को बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस हादसे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे ने शुरू किया 'ऑडियो ब्रिज' अभियान

जुड़ेंगे 26000 मोदी मित्र

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को 'ऑडियो ब्रिज' अभियान का एलान किया, जिसका मकसद 26 हजार मोदी मित्रों (प्रभावशाली व्यक्तियों) को एक साथ जोड़ना है। यह अभियान भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे ने शुरू किया है। इसमें मोदी मित्र और सूफी संत सहयोग कर रहे हैं। इसका मकसद पार्टी के अभियान को समझना और स्थानीय समुदायों को जोड़ना है, जिससे भाजपा के सदस्यों की संख्या को बढ़ाया जा सके। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रभावशाली लोगों को पार्टी के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी जाएगी। ताकि वे अपने-अपने समुदायों में भाजपा की सदस्यता बढ़ाने में मदद कर सकें। इस अभियान में मोदी मित्र और सूफी संवाद के सूफी संत सहयोग कर रहे हैं।

इन मोदी मित्रों के बीच एक पत्र वितरित किया गया है, जिसमें सदस्यों से 'ऑडियो ब्रिज' अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है। पत्र में लिखा गया है, 'प्रिय मोदी मित्र, आपको भाजपा सदस्यता अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। सदस्य बनने के लिए बस एक मिस्ड कॉल दें और आगे के निर्देशों को पालन करें। सदस्यता प्रक्रिया के बारे में अधिका जानकारी के लिए आज सात अक्तूबर को शाम चार बजे हमारे विशेष 'ऑडियो ब्रिज' कार्यक्रम में शामिल हों। आपको भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी.एल. संतोष, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम से विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन मिलेगा।'

कांग्रेस का पीएम मोदी पर हमला : जयराम रमेश ने पूछा धानमंत्री जनगणना में क्यों कर रहे हैं देरी?

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को जनगणना में देरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाया और कहा कि जाति गणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोजगार में पूर्ण और सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

श्रीलंका के जनगणना घोषणा का दिया हवाला

कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने पीएम मोदी और सरकार पर निशाना साधते कहा कि श्रीलंका ने अपने राजनीतिक परिवर्तन और आर्थिक उथल-पुथल के बीच, अभी घोषणा की है कि उसकी नई जनसंख्या और आवास जनगणना - जो पिछली बार 2012 में की गई थी - सोमवार से शुरू होगी।

'10 करोड़ से अधिक भारतीय लाभ से हो रहे वंचित'

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के बारे में क्या? दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी। अभी भी इसके होने का कोई संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से अधिक भारतीयों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 या पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लाभ से वंचित किया जा रहा है, क्योंकि अभी भी 2011 की जनगणना का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि जनगणना में जाति पर प्रश्नों को शामिल करने के बारे में क्या, जैसा कि कांग्रेस और अन्य सभी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं। रमेश ने कहा, 1951 से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की विस्तृत गणना हर दस साल में होती आ रही है। अब जरूरत है कि ओबीसी और अन्य जातियों की भी इसी तरह विस्तृत गणना की जाए।

प्रधानमंत्री जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं?'

इस दौरान कांग्रेस महासचिव ने जोर देकर कहा कि जाति जनगणना के जरिए ही शिक्षा और रोजगार में पूर्ण और सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। रमेश ने कहा, गैर-जैविक प्रधानमंत्री जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं, वह भी जाति गणना ही होगी?

गुजरात में सड़क हादसे में 6 की मौत, 35 जख्मी

अंबाजी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा घायल हो गए। 5-6 लोगों की हालत गंभीर है। बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे।

हादसा अंबाजी के त्रिशूलिया घाट पर उस वक्त हुआ, जब बस अनियंत्रित होकर घाटी की रेलिंग से टकरा कर पलट गई। घायलों को पालनपुर और अंबाजी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक यात्री ने बताया कि घाट पर बस चढ़ाते समय ड्राइवर मोबाइल से रील बना रहा था। हम लोगों ने उसे मना भी किया था, इसके बावजूद इसके वह रील बनाने में मशगूल रहा। इसी दौरान बस घाट पर हनुमान मंदिर के पास रेलिंग से टकराकर पलट गई। ड्राइवर मौके से भाग गया था।

पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों की भूख हड़ताल का तीसरा दिन

> ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस में न्याय मांग रहे > बोले-सीबीआई की जांच बहुत ढीली है

कोलकाता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल का आज तीसरा दिन है। यह भूख हड़ताल धर्मतला इलाके में डोरिना क्रॉसिंग पर जारी है। ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस में न्याय की गुहार लगा रहे 6 जूनियर डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है।

हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टरों में से एक डॉ. अकीब ने कहा कि सेशन कोर्ट में आरजी कर मामले में सीबीआई की भूमिका बहुत ढीली है। हम चाहते हैं कि इस मामले में जल्द से जल्द न्याय मिले। कोई भी यह नहीं कह सकता कि हमारी मांगें गलत हैं। जूनियर डॉक्टर्स हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने, स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही तय करने समेत अपनी 9 मांगों पर अड़े हैं। डॉक्टरों ने बताया कि वे भूख हड़ताल की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मंच पर सीसीटीवी लगाएंगे, ताकि हर कोई देख सके कि वहां क्या हो रहा है?

सरकार ने 5 में 3 मांगें मानी थीं, डॉक्टर्स काम पर लौट गए थे

बंगाल के जूनियर डॉक्टरों ने रेप-मर्डर घटना के खिलाफ 10 अगस्त से 21 सितंबर तक 42 दिन तक हड़ताल की थी। डॉक्टरों ने सरकार के सामने 5 मांगें रखी थीं। इनमें से सरकार ने 3 मांगें मान ली थीं। सीएम ममता ने दो अन्य मांगों और शर्तों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी थी। वे अस्पतालों में काम पर लौट गए थे। 27 सितंबर को सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया, जिससे नाराज होकर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को फिर से हड़ताल शुरू कर दी थी।

4 अक्टूबर को जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली, लेकिन धरना जारी रखा। उन्होंने कहा कि हम काम पर लौट रहे हैं क्योंकि सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज परेशान हो रहे हैं। हालांकि उन्होंने राज्य सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि हमने सरकार को 24 घंटे का समय दिया था, लेकिन 24 घंटे बाद हमें सिर्फ धमकियां ही मिलीं। हमें उत्सव में लौटने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन हम उस मानसिकता में नहीं हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, पहले चरण में 6 जूनियर डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

एग्जिट पोल ने दिखा दिया हरियाणा से भाजपा की विदाई तय है : सिसोदिया

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों के लिए हुए विधानसभा चुनाव के बाद जारी एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों में भाजपा राज्य में सत्ता गंवाती दिख रही है। आधा दर्जन से ज्यादा एग्जिट पोल में भाजपा को हैट्रिक से चूकते दिखाया गया है। वहीं, कांग्रेस को बहुमत का आंकड़ा दिया है। एग्जिट पोल के आंकड़ों से कांग्रेस और 'इंडिया' ब्लॉक में शामिल राजनीतिक दल खुश हैं। हालांकि, भाजपा को भरोसा है कि परिणाम उनके पक्ष में ही आएंगे, क्योंकि 'पिक्चर अभी बाकी है'।

दरअसल, 5 अक्टूबर को हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न होने के बाद 8 अक्टूबर को मतगणना होगी। एग्जिट पोल के पूर्वानुमान सामने आने के बाद विपक्ष भाजपा पर हावी है।

विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना को बड़ा झटका

दीपेश म्हात्रे उद्धव ठाकरे की पार्टी में हुए शामिल

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को एक बड़ा झटका लग गया। दरअसल, शिवसेना नेता कल्याण डोंबिवली नगर निगम की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष दीपेश पुंडलिक म्हात्रे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। पूर्व कॉर्पोरेटर म्हात्रे ने सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता वाली पार्टी छोड़ दी और रविवार को अपने समर्थकों के साथ पूर्व सीएम की अध्यक्षता वाली पार्टी में शामिल हो गए। बता दें कि म्हात्रे के अलावा छह अन्य कॉर्पोरेटर भी शिवसेना (यूबीटी) में शामिल हो गए हैं।

ठाकरे की पार्टी में शामिल हुए दीपेश म्हात्रे

कल्याण और डोंबिवली ठाणे जिले का हिस्सा है, जहां सीएम शिंदे की मजबूत पकड़ है। उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने आवास मातोश्री में एक कार्यक्रम के दौरान शिवसेना (यूबीटी) में शामिल हुए नेताओं का स्वागत किया। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा, आज का दिन शिवसेना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम डोंबिवली के निवासियों के लिए एक मजबूत आवाज बनाने के लिए एक साथ आएंगे। उन्होंने आगे कहा, महाराष्ट्र को युवा नेताओं की जरूरत हैजो राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों क लिए समाधान ला सकें। राज्य को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो न केवल दूरदर्शी हो, बल्कि शिक्षा, बेरोजगारी और विकास से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए तैयार रहें। द्धव ठाकरे ने कहा, अब समय आ गया है कि महाराष्ट्र के भाग्य को बनाने में युवा आगे बढ़े और अपना उचित स्थान लें। कार्यक्रम के दौरान दीपेश म्हात्रे ने कहा, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में काम करना उनके और उनके समर्थकों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, हम शिवसेना की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। हमें अधिक सक्रियता से काम करना होगा। मैं आपको भरोसा देता हूं कि मैं डोंबिवली का सम्मान फिर से हासिल करूंगा। राज्य में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

केरल में सीपीआईएम विधायक जलील के तस्करी बयान पर विवाद

मुस्लिम यूथ लीग ने शिकायत दर्ज कराई

मलप्पुरम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। वामपंथी विधायक केटी जलील ने केरल में एक और बयान देकर नया विवाद शुरू कर दिया है। उनके खिलाफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की युवा शाखा मुस्लिम यूथ लीग ने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, जलील ने कहा था कि मलप्पुरम जिले में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से सोने की तस्करी में शामिल ज्यादातर लोग मुस्लिम समुदाय से हैं। मुस्लिम यूथ लीग के एक नेता ने आरोप लगाया कि धार्मिक हिंसा भड़काने के इरादे से बयान दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी तिरुरंगडी निर्वाचन क्षेत्र समिति ने जिला पुलिस प्रमुख के पास शिकायत दर्ज कराई है और मांग की है कि जलील के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि किसी भी समुदाय को तस्करी से नहीं जोड़ा जा सकता है। हालांकि, अप्रत्यक्ष रूप से जलील का समर्थन करते हुए कहा कि समुदाय के नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे कुछ लोगों के बीच इस धारणा को सही करें कि तस्करी अपराध नहीं है।

क्या है मामला?

जलील ने रविवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि मलप्पुरम जिले में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से सोने की तस्करी में शामिल ज्यादातर लोग मुस्लिम समुदाय से हैं। इस पर आईयूएमएल और असहमति रखने वाले विधायक पीवी अनवर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। एक फेसबुक पोस्ट में सत्तारूढ़ विधायक ने कहा कि सोने की तस्करी और हवाला जैसे अपराधों में शामिल मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि इनमें से कोई भी गतिविधि अधार्मिक नहीं है। उन्होंने ऐसे अपराधों में शामिल सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए समुदाय के नेताओं के हस्तक्षेप का भी आह्वान किया।

सरमा सरकार की चार लाख किसानों को सौगात

बांटे मृदा स्वास्थ्य कार्ड; 10 लाख को फायदा पहुंचाने की तैयारी

गुवाहटी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को राज्यभर के चार लाख किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) का वितरण शुरू किया। एक आधिकारिक कार्यक्रम में सीएम सरमा ने बताया कि सरकार 10 लाख एसएचसी वितरित करने की योजना बना रही है। उनमें से चार लाख कार्ड पहले से ही वितरित होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में मिट्टी की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए प्रयोगशालाओं की संख्या पहले के छह से बढ़ाकर 26 कर दी गई है। सीएम सरमा ने कहा, हमारे कृषक बंधु आत्मनिर्भर असम के सूत्रधार हैं। मैं आज हमारे किसानों के लिए कई पहल समर्पित कर रहा हूं। एसएचसी के वितरण के अलावा कृषि मशीनें किसानों को सौंपी गईं। कृषि मंत्री अतुल बोरा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने कृषि ज्ञान केंद्रों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, हम 816 ग्रामीण कृषि उपकरण बैंक बनाने की प्रक्रिया में हैं। पहले हमारे पास ऐसे 80 बैंक थे। उन्होंने बताया कि सरकार भी 93 कृषि ज्ञान केंद्र और 93 कृषि विकास कार्यालय शुरू कर रही है। असम के मुख्यमंत्री ने सोमवार को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में 385 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार पहले ही अपना चुनावी वादा पूरा कर चुकी है। आधिकारिक कार्यक्रम में सीएम सरमा ने बताया कि इन नई नियुक्तियों के साथ उनके पदभार संभालने के बाद अब तक 125,030 लोगों को सरकारी नौकरी दी गई हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार पहले ही चुनावी वादा पूरा कर चुकी है। असम के इतिहास में किसी भी सरकार ने इतने पारदर्शी तरीके से इतनी नौकरियां नहीं निकाली। बता दें कि 2021 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा ने राज्य में एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 8 अक्टूबर- 2024

आज फैसले का दिन

जम्मू- कश्मीर और हरियाणा चुनाव का परिणाम तो आज आएगा लेकिन सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के मन में लड्डू फूटने लगे हैं। खासकर कांग्रेस नेताओं ने तो सरकार बनाने के सपने भी देखना शुरू कर दिया है। इसके लिए, संभावित सीएम के दावेदार भूपेंद्र सिंह हुड्डा रविवार से ही दिल्ली में डेरा जमा लिया है। उनके साथ जुटी भीड भी खुश नजर आ रही है कि कुछ भी हो, सीएम तो हुड्डा ही बनेंगे। यही हाल जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस - नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन का भी है। एक्जिट पोल में कुछ सीटों का टोटा पडने के अनुमान मात्र से ही पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती अपने को किंग मेकर के रूप में प्रस्तुत करने लगी हैं। मौका देख कर उन्होने गठबंधन सरकार को समर्थन देने का एलान कर राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी है। मजबूरी में ही सही नेशनल कांफ्रेंस सुप्रीमो फारूख अब्दुल्ला ने भी कह दिया कि महबूबा जी का समर्थन देना गठबंधन के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। बहरहाल वास्तविक चुनाव नतीजे आज आने वाले हैं। किस दल या गठबंधन को कितनी सीटें मिलनी हैं और किसकी सरकार बननी है, यह आज दोपहर तक चुनाव परिणाम आने के बाद क्लीयर हो जाएगा। वैसे भी पिछले लोकसभा चुनाव के बाद एग्जिट पोल का जो हस्र हुआ था उसे पूरी दुनिया ने देखा था। इसलिए हर एग्जिट पोल को अंतिम सत्य मानने को लेकर नेता भी संशय की स्थिति में हैं। दूसरी तरफ हरियाणा में सरकार बनाने की तैयारी अलग- अलग दल नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि एग्जिट पोल में यहाँ कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। कुल 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए। एग्जिट पोल में कांग्रेस को 50 से 60 सीटें मिलती हुई दिखाई गई हैं। हालाँकि अंतिम नतीजे आज आठ अक्टूबर को आने वाला है। तभी पता चल सकेगा कि लड्डू किसके हाथ से बंटेगा। फिर भी जीत की उम्मीद में हरियाणा कांग्रेस के भीतर ज़रूर लड्डू फूट रहे हैं। इसलिए कई तरह की तैयारियाँ शुरू होने के साथ ही लड्डू बांटने की तैयारी की गई हैं। किसी को मुख्यमंत्री बनना है तो कोई संभावित मंत्री बनने की आस में ही दरबार में हाजिरी लगा रहा है। इस ख़ेमे के मुख्यमंत्री बने तो कौन-कौन मंत्री बनेगा? उस ख़ेमे के मुख्यमंत्री बने तो मंत्रिमंडल में किस- किस का नंबर लगेगा, इस तरह के गुणा-गणित लगाए जा रहे हैं। झक सफ़ेद कुर्ते भी सिलवाए जा रहे हैं, जैसा कि हर शपथ ग्रहण समारोह में पहले से ही होता रहा है। एग्जिट पोल के अनुसार तो कोई दस साल बाद हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आने की पूरी संभावना है। इसी के साथ कांग्रेस का दस साल का सूखा खत्म हो जाएगा क्योंकि दस साल से यहाँ भाजपा की सरकार चल रही है। आज कश्मीर और हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होते ही दो-चार दिन में महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव की तिथि भी घोषित होने की पूरी संभावना है। महाराष्ट्र में इस बार महा संग्राम होने की पूरी संभावना है। यहाँ विधानसभा चुनावों में पहली बार छह अलग- अलग दल अपना भाग्य आज़माने वाले हैं। कांग्रेस और भाजपा तो पहले की तरह मैदान में होंगी ही, राकांपा और शिवसेना के दो टुकड़े हो चुके हैं। दोनों टुकडे अलग-अलग गठबंधन के साथ हैं। इसलिए यहाँ चुनाव तो दिलचस्प होगा ही साथ ही नतीजे भी चौंकाने वाले आने की पूरी संभावना है।

आर्थिक दुर्बलता के चलते मालदीव के राष्ट्रपति फिर भारत की शरण में

अशोक भाटिया

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिन के भारत दौरे पर आए हैं। उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने वाली है, उसमें कई अहम फैसले लिए जाने हैं। अब मुइज्जू का यह दौरा इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि मालदीव में चुनाव के दौरान उन्होंने बड़े स्तर पर एंटी इंडिया कैंपेन चलाया था, उनकी तरफ से कई मुद्दों को लेकर भारत को घेरा गया। अब उतना सबकुछ होने के बाद उन्हें भारत से ही मदद की आस है, वे कह रहे हैं कि भारत हमारे आर्थिक संकटों से पूरी तरह अवगत है। बताया जाता है कि मालदीव का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 40 करोड़ डॉलर का ही रह गया है। इससे सिर्फ डेढ़ महीने का ही खर्च चलाया जा सकता है। मालदीव का पर्यटन क्षेत्र बेहद घाटे में है। जबकि टूरिज्म को मालदीव की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन मुइज्जू के भारत विरोधी बयान की वजह से मालदीव का टूरिज्म सेक्टर पर बहुत असर पड़ा। ऐसे में पहले से ही कर्ज की मार झेल रहे मालदीव पर दबाव और बढ़ा है। मुइज्जू ने भारत के लिए रवाना होने से पहले कहा था कि मालदीव आर्थिक संकट से जूझ रहा है और मुझे भरोसा है कि भारत इसमें हमारी मदद करेगा। भारत से हमें काफी उम्मीद है। हम आर्थिक संकट से निपटने के लिए भारत की मदद चाहते हैं और उम्मीद है कि भारत इसमें हमारी मदद करेगा। दरअसल मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मायनों पर भारत पर निर्भर है। मालदीव का रुख करने वाले सैलानियों में भारतीयों की संख्या अमूमन हर साल ज्यादा होती है। लेकिन पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों मुल्कों के रिश्तों में जो तल्खी बढ़ी, उसके बाद भारतीय सैलानियों ने मालदीव का बहिष्कार करना शुरू कर दिया, जिससे मालदीव की अर्थव्यवस्था डगमगा गई लेकिन अब मुइज्जू को समझ आ गया है कि भारत उसके लिए काफी अहमियत रखता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम जब लक्षद्वीप की धरती पर पड़े थे तो उसी समय से मालदीव हिल गया था क्योंकि कुछ समय पहले ही मालदीव में सरकार बदली थी और वहां की जनता ने मोहम्मद मुइज्जू को चुना था। ये वही मोहम्मद मुइज्जू हैं, जो जिन्हें चीन समर्थक का टैग मिला चुका है और कट्टर 'भारत विरोधी' माना जाता रहा है। इस छवि को बरकरार रखते हुए उन्होंने अपने मुल्क में 'इंडिया आउट' कैंपेन तक चलाया था। मोहम्मद मुइज्जू ने शुरू से ही 'भारत विरोधी' बयानबाजियां जारी रखीं थी। न्होंने 'भारत आउट' की तर्ज पर चुनावी अभियान चलाया था। यहां तक कि देश से भारतीय सैनिकों को हटाना मुइज्जू की पार्टी का मुख्य एजेंडा था। सत्ता में आने के बाद से उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जो भारत-मालदीव संबंधों के दृष्टिकोण से अपरंपरागत थे। यहां तक कि अपने मुल्क से भारतीय सैनिकों को भी वापस लौटा दिया था। भारतीय सैनिकों की वापसी इस साल मई में पूरी हो गई थी। उसके अलावा उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत ना जाकर एक लंबी परंपरा को तोड़ दिया और इसके बजाय तुर्की और उसके बाद चीन गए। खैर, अब प्रधानमंत्री मोदी ने बिना कुछ करे ही उन्हें घुटने पर ला दिया है। इससे मालदीव भी हिल गया। बात कूटनीति रिश्तों के बिगड़ने तक पहुंच चुकी थी। खैर, अभी मोहम्मद मुइज्जू भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की कवायद में लग चुके हैं और वो ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं, जिससे लगे कि वो भारत के खिलाफ अपनी नीति को लेकर अभी भी कायम हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मालदीव के विकास के लिए खुलकर मदद की अपील करते रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मुइज्जू ने भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारने और पुराने सहयोग को फिर से बहाल करने के लिए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिन के भारत दौरे पर आए हैं। ताकि तनाव से आई दूरियों को पाटा जा सके। इसके पहले भी इसी आशा से विदेश मंत्री मूसा जमीर भी भारत की यात्रा कर चुके हैं। अपने पहले भारत दौरे को लेकर मूसा जमीर ने कहा था कि यह मेरी एक अच्छी यात्रा रही। मेरा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मेरे समकक्ष एस जयशंकर और मेरे बीच सकारात्मक बातचीत हुई। मैं वास्तव में भारत सरकार और विदेश मंत्रालय को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा था कि 1965 में जब मालदीव आजाद हुआ था, तो भारत उन देशों में शामिल था, जिसने हमें मान्यता दी थी। इन सालों में हमने संबंध मजबूत किए हैं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक बहुत ही अच्छा और गहरा रिश्ता है। इससे दोनों देश को फायदा हो सकता है। हम भारत के साथ बहुत अच्छे रिश्ते बनाना चाहते हैं। हम हमारे रिश्ते को गहरा करना चाहते हैं, ताकि इससे मालदीव और भारत दोनों देशों के लोगों को फायदा मिले। आपको बता दे कि आखिर कैसे बढ़ा था मालदीव-भारत के बीच का यह विवाद? तो हम इसके बारे में आपको बता दे कि जब मालदीव से बिगड़ते रिश्तों के बीच प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष की शुरुआत में लक्षद्वीप दौरे पर गए थे। उन्होंने लोगों से अपील की थी कि मालदीव जाने के बजाय एक बार लक्षद्वीप जरूर जाएं और यहां की खूबसूरती देखें। लक्षद्वीप की तुलना मालदीव से करने पर वहां के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी का मजाक उड़ाया था। भारत के तमाम बॉलीवुड स्टार्स और सेलिब्रिटी से लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने इसका विरोध जताया था। इसके बाद मालदीव के मंत्रियों को इस्तीफा तक देना पड़ा था। मालदीव के विरोध के बाद अब भारतीयों ने मालदीव का बॉयकॉट कर दिया था। इसी दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू चीन के दौरे पर गए। वहां से वापस लौटकर उन्होंने अकड़ दिखाई। उन्होंने कहा कि कोई देश उन्हें धमका नहीं सकता। मुइज्जू ने मालदीव का समर्थन करने के लिए चीन के लोगों से उनके देश घूमने आने की अपील की। इसके बावजूद भी भारत ने उन दिनों भी मालदीव की कमजोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद की थी। उसने मालदीव को आर्थिक सहायता भेजी थी। अपने पड़ोसी मुल्कों की भारत लगातार मदद करता रहा है। ऐसे ही मालदीव की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत ने 400 करोड़ रुपये की मदद दी। इसके बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कर्ज चुकौती को आसान बनाने में भारत के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। मुइज्जू हाल ही में जब मालदीव में आधिकारिक स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने और चीन की तरफ झुकाव होने के बावजूद आखिर भारत ने क्यों मालदीव की मदद का फैसला लिया? जवाब साफ है- मालदीव, भारत के लिए सामरिक और रणनीतिक तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है। केंद्र-शासित प्रदेश लक्षद्वीप से इसकी दूरी महज 700 किमी है और यह हिंद महासागर में सामरिक रूप से काफी महत्वपूर्ण जगह पर स्थित है। हिंद महासागर से जो मालवाहक जहाज गुजरते हैं, वो मालदीव से होकर जाते हैं। एक तरीके से यह सेंटर प्वाइंट है। इसीलिए भारत हर हाल में हिंद महासागर में अपना दबदबा चाहता है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि भारत द्वारा मालदीव से पूरी तरह रिश्ते खत्म करने का मतलब है उसे चीन के हवाले कर देना। इसका मतलब यह होगा कि अंतर्राष्ट्रीय भू राजनीति के नजरिए से महत्वपूर्ण मालदीव से हम खुद-ब-खुद पीछे हट जाएंगे। भारत किसी भी हाल में यह नहीं चाहता है। इसीलिए मदद जारी रखने का फैसला किया गया। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि पश्चिम एशिया में भारत की बादशाहत के लिए मालदीव का साथ जरूरी है। मालदीव सार्क का हिस्सा है, जिसमें भारत एक अगुवा की तरह भूमिका निभाता है। इस नजरिया से भी उसे साथ रखना आवश्यक है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अब भारत से नई उम्मीद भी लगाए बैठे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई दिल्ली और माले मजबूत संबंध बनाएंगे। एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

सड़क पर चलने के तरीकों से अनजान तो फिर कैसे रुकेंगे हादसे

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दरअसल हम जब सड़क पर चलने के कानून कायदों से ही अनजान है या आधी अधूरी जानकारी है तो फिर सड़क हादसों में कमी लाने की बात अपने आप में बेमानी हो जाती है। एक और तो सड़क पर यातायात का दवाब बढ़ता जा रहा है तो दूसरी और नियमों की धज्जियां उड़ना आम है। यही कारण है कि साल दर साल सड़क हादसों में जिंदगी गंवाने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। एक सर्वे के अनुसार दिल्ली के ही अधिकांश लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की जानकारी नहीं होती। यहां तक कि एक तरफ से दूसरी और सड़क क्रोस करने वाले अधिकांश लोग जहां ओवरब्रिज या अण्डरपास बना हुआ है उस तक से वाकिफ नहीं हैं। जेबरा क्रास के उपयोग की बात तो इसलिए कोई मतलब नहीं रखती की उस पर तो दो पहिया, चौ पहिया वाहन रेड लाइट पर अपने वाहन को रोकने में कोई परहेज ही नहीं बरतते। यही कारण है कि क्या पैदल चलने वाले और क्या वाहन चालक सड़क हादसों के आसानी से षिकार हो रहे हैं। बात थोड़ी समझ में कम आने वाली है पर इसे सिरे से खारिज भी नहीं किया जा सकता है कि देश की राजधानी दिल्ली में निवास करने वाले 90 प्रतिशत लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की पूरी तरह से जानकारी नही है। साल दर साल सड़क हादसों और सड़क हादसों के कारण हताहत व मौत के मुहं में समाने वालों के आंकड़े कम होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कम्यूनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग (कैड) द्वारा अगस्त, 2023 से 31 दिसबंर 2023 तक दिल्ली में कराये गये सर्वे की रिपोर्ट तो यही कह रही है। थोड़ी देर के लिए सर्वे रिपोर्ट को भी अत्यधिक बढ़ा-चढ़ा कर बताई हुई मान लें तब भी सड़क दुर्घटना के आंकड़ों से तो मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। एक बात और साफ हो जाती है कि जब देश की राजधानी दिल्ली के यह हाल है तो फिर गांव कस्बावासियों में सड़क सुरक्षा कायदों का पूरा ज्ञान होने की अपेक्षा करना पूरी तरह से बेमानी होगी। कैड के संस्थापक प्रिंस सिंघल की मानें तो सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की जानकारी नहीं होना है। सरकार द्वारा भले ही लाख दावें किये जाते हों कि वाहनों के चलाने के लिए जारी होने वाले ड्राईविंग लाइसेंस जारी करने से पहले परीक्षा लेकर जांच परख कर ही लाइसेंस जारी होते हैं पर हकीकत कुछ और ही सामने आती है। कैड के दिल्ली के सर्वे में ही यह सामने आया है। सही मायने में लोगों को अधिकांश जानकारी वयां करती है। यही कारण है कि नियमों की पालना के प्रति जो गंभीरता होनी चाहिए वह दिखाई ही नहीं देती। दिल्ली में ही 93 फीसदी लोगों को पता ही नहीं है कि ब्लेक स्पॉट कहां कहां है? सड़क पर चलने वाले 67 फीसदी लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि अधिकांश लोगों को दलालों के माध्यम से घर बैठे ड्राइविंग लाइसेंस मिल जाते हैं। ऐसे में सड़क हादसों में कमी की बात करना दिन में सपने देखने की तरह ही है। आज के हालात में घर से निकलने के बाद सकुशल वापिस पहुंचना किसी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। एक और सड़कों की हालात, दूसरी और यातायात का बढ़ता दवाब, तीसरा युवाओं में अत्यधिक आक्रामकता के चलते रोड रेज की घटनाएं और रही सही कसर यातायात नियमों की पूरी जानकारी नहीं होने से सड़क हादसों में कमी होने का नाम ही नहीं लिया जा रहा है। मजे की बात यहां तक कि रेड लाइट पर वाहन जेब्रा क्रॉस पर ही खड़े मिलेंगे तो दूसरी और अधिकांश आम नागरिक भी सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉस और फुट ओवर ब्रिज का उपयोग ही नहीं करते।

ईरान इजराइल जंग से भारत की अर्थव्यवस्था पर असर

मनोज कुमार अग्रवाल

ईरान-इजरायल के बीच छिड़े युद्ध से दुनिया भर में तनाव बढ़ रहा है। दिल्ली में इजरायली दूतावास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस ने पूरे इलाकों की घेराबंदी की है। रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अब इजरायल-ईरान के बीच लड़ाई भले ही हजारों किलोमीटर दूर लड़ी जा रही हो, लेकिन इसका सीधा असर भारत और यहां के लोगों पर भी दिखेगा। इजरायल जहां तकनीक के क्षेत्र में आगे है तो ईरान तेल का बड़ा उत्पादक देश है। भारत के इन दोनों ही देशों से व्यापारिक संबंध हैं। इजरायल पर ईरान के बड़े हमले के बाद पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत के हितों पर इसके असर को लेकर चिंता भी बढ़ रही है। जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चा तेल 5 प्रतिशत तक महंगा होने से भारत के ऑयल इम्पोर्ट बिल पर बोझ और बढ़ने की आशंका है, वहीं भारत के लिए, विदेश नीति के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने देश के नागरिकों को ईरान की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने ईरान में रहने वाले भारतीयों से सतर्क रहने और तेहरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हम पश्चिम एशिया में सुरक्षा के हालात बिगड़ने से बहुत चिंतित हैं और सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा का आह्वान दोहराते हैं। हम आग्रह करते हैं कि सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए। भारत और इजरायल के बीच द्विपक्षीय व्यापार होता है। भारत इजरायल को हीरे, डीजल, विमानन टरबाइन ईंधन, रडार उपकरण, चावल और गेहूं का निर्यात करता है। भारत इजरायल से अंतरिक्ष उपकरण, पोटेशियम क्लोराइड, मैकेनिकल एप्लायंस, प्रिंटेड सर्किट आदि आयात करता है। ईरान और भारत के रिश्ते भी पुराने हैं। भारत के 1958 से ईरान के साथ राजनयिक संबंध हैं। ईरान में करीब चार हजार भारतीय रहते हैं। इनमें ज्यादातर छात्र या कारोबारी हैं। वहां करीब 1700 भारतीय छात्र हैं। ज्यादातर भारतीय तेहरान में हैं। इसके अलावा बिरजिंद, जबोल, मशहद में भी कुछ भारतीय रहते हैं। इजरायल में भी भारत के लोग रह रहे हैं। वहां करीब 85 हजार भारतीय मूल के यहूदी निवास करते हैं। करीब 18 से 20 हजार भारतीय नौकरी करते हैं। वे कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में काम करते हैं। अलग-अलग जगहों पर करीब 1000 छात्र रहते हैं। इजरायल और ईरान आपस में भिड़ेंगे तो इसका असर भारत और यहां की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। ईरान-इजरायल जंग से समुद्री मार्ग से व्यापार पर असर पड़ सकता है। भारत और यूरोप के बीच बनने वाले इकॉनॉमिक कॉरिडोर (IMEC) का एजेंडा भी अटक सकता है। भारत की शिपिंग कॉस्ट बढ़ सकती है। भारत करीब 85% कच्चा तेल आयात करता है, जंग से ईरान से तेल आयात पर असर पड़ सकता है। लंबी जंग चलती है तो सोना-चांदी महंगा होगा और शेयर बाजार में भी गिरावट दिख सकती है। भारत ने 1992 में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। तब से दोनों देशों के बीच व्यापार काफी बढ़ा है। भारत और इजरायल के बीच 1992 में करीब 20 करोड़ डॉलर का व्यापार हुआ था। पिछले चार सालों में इसमें तेज बढ़ोतरी हुई है। सन 2018-19 में 5.56 अरब डॉलर, 2022-23 में 10.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 7.87 अरब डॉलर और 2022-23 में 10.77 अरब डॉलर (डिफेंस को छोड़कर) का व्यापार हुआ। पिछले चार साल में दोनों देशों के बीच व्यापार करीब दोगुना हो गया है। भारत के ईरान से भी अच्छे व्यापारिक रिश्ते रहे हैं, लेकिन बीते पांच साल में भारत और ईरान के बीच व्यापार घटा है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का कुछ हिस्सा ईरान से भी खरीदता है। हालांकि, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच उससे भारत की तेल खरीद कम हुई है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में जहां भारत ने ईरान से 4 अरब डॉलर से अधिक का कच्चा तेल खरीदा था वहीं 2019-20 में यह गिरकर महज 1.4 अरब डॉलर रह गया था। वित्त वर्ष 2022-23 में ईरान भारत का 59वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार थाभारत ईरान को कृषि वस्तुओं के उत्पाद, मीट, स्किम्ड मिल्क, छाछ, घी, प्याज, लहसुन और डिब्बाबंद सब्जियां निर्यात करता है। भारत ईरान से तेल, मिथाइल अल्कोहल, पेट्रोलियम पदार्थ, खजूर और बादाम आयात करता है। इजरायल पर ईरान के हमले का असर पश्चिम एशिया क्षेत्र की जियो पॉलिटिक्स तक ही सीमित नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल फिर तेज हो गई है। एक अक्टूबर को इजरायल पर ईरान के हमले से पहले अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल फ्यूचर्स की कीमत 70.78 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। हमले के बाद सिर्फ 24 के घंटे के अंदर यह कीमत बढ़कर 75 डॉलर के आसपास पहुंच गई। इजरायल पर ईरान के बड़े हमले के बाद पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत के हितों पर इसके असर को लेकर चिंता भी बढ़ रही है। जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चा तेल 5 प्रतिशत तक महंगा होने से भारत के ऑयल इम्पोर्ट बिल पर बोझ और बढ़ने की आशंका है, वहीं भारत के लिए विदेश नीति के मोर्चे पर भी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इजरायल पर ईरान के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल तेज हो गई है और कच्चा तेल फिर महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अगर कच्चा तेल 5 डॉलर प्रति बैरल महंगा होता है तो भारत का ऑयल इम्पोर्ट बिल 8 से 9 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। भारत 80 से 85% तक अपनी जरूरत का कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार से आयात करता है। अगर इजरायल ईरान पर जवाबी हमला करता है तो अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमत और बढ़ने की आशंका है।

जाहिर है, अगर ऐसा हुआ तो भारत का आइल इम्पोर्ट बिल और ज्यादा बढ़ जाएगा। कच्चे तेल के महंगा होने का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में नेचुरल गैस की कीमत पर भी पड़ने की आशंका है। भारत अभी करीब 50 प्रतिशत अपनी जरूरत की नेचुरल गैस विदेश से आयात करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुकाबले ईरान- इजरायल युद्ध का भारत की विदेश नीति और अर्थव्यवस्था पर पर ज्यादा असर पड़ेगा। अभी तक इजरायल का एक प्रॉक्सी वार हिजबुल्लाह, हमास और दूसरे संगठनों के साथ चल रहा था। अब ईरान के इसमें कूदने की वजह से दो देशों के बीच जंग जैसे हालात बन गए हैं।

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और किसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं। भारतीय वायुसेना की जांबाजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे।

नहाने के बहाने

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अरे भाई! आज हम एक ऐसे मसले पर बात करने जा रहे हैं जो हर घर में चर्चा का सबब बनता जा रहा है—रोजाना नहाने का जुनून। ये क्या बकवास है? हर रोज नहाना, चाहे गर्मियों हो या सर्दियों में, हमारे परिवार के लिए एक तरह का रिवाज बन गया है। अब सोचो, गर्मियों में तो ठीक है—लेकिन सर्दियों में? खुदा ने सर्दियों को इस लिए बनाया था ताकि थोड़ी गर्मी का मजा ले सकें। लेकिन नहीं, हम तो ठंड से कांप रहे होते हैं और रोज़ाना नहाने की ज़िद करते हैं। ऐसा लगता है जैसे खुदा से ठंड के मौसम पर कोई शिकायत है। और नहाने और खाना खाने का क्या रिश्ता है? जैसे, मेरे एक दोस्त हैं जो, इतवार को उठते ही नहाते हैं, फिर खाना नहीं खाते। अरे भाई, क्या हम अपनी चमड़ी से खाना खाते हैं? तो फिर इस बेकार की बात पर क्यों ज़िद करते हैं? रोज़ाना नहाने के लिए अनेकों तरीके से वजह दी जाती है। कुछ लोग कहते हैं, "भाई, ये तो ताज़गी लाता है।" लेकिन मुझे पता है कितने आलसी लोग हैं जो रोज़ाना नहाते हैं। काम पर ध्यान देना? ये तो दूसरी वजह से ही हो सकता है। टैलेंट और नहाने का कोई संबंध नहीं है; जितना ज़्यादा आप नहाते हैं, उतना ही आपका टैलेंट बढ़ता जाता है! अब यह कितना सही है नहाने वाले ही जानें। मेरे एक दोस्त का कहना है कि रोज़ाना नहाना एक ज़रूरी आदत है। उसका कहना है कि ज़माना फ्यूडरल था, इसलिए फ्यूडरल लॉर्ड अपना ज़्यादा वक्त नहाने में बिताते थे। और आजकल का मध्यम वर्ग इस बीमारी कल्चर को बढ़ावा दे रहा है। मजदूरों के पास तो नहाने का वक्त ही नहीं है! और जो लोग रोज़ दो बार नहाने पर फख्र करते हैं, वो सोचते हैं कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल किया है। वो गुमान करते हैं, "भाई, हम तो ठंडे पानी में दो बार नहाते हैं।" सच में? आप अपनी सारी गर्मी ठंडे पानी में बहाकर बर्बाद कर रहे हैं। एक बार मैं एक मेहमान के साथ था जो ठंडे पानी से नहाना पसंद करता था। उसने कहा, "भाई, आज सुबह मैंने ठेठ पानी भर गया था। मैंने सोचा लेकिन फिर भी नहाने चला गया।" ये सुनकर मुझे में कंपकंपी मच गई! उसके साथ बैठना ऐसा था जैसे मैं बर्फ के टुकड़े पर बैठा हूँ। जब वो जाने लगा, मैंने उससे कहा, "भाई, आपका इरादा लाजवाब है। आप इस ताकत को किसी बड़े काम में लगा सकते थे, न कि ठंडे पानी से नहाने में बेकार करने में। आने वाली नस्लें आपको गालियाँ देंगी, कहेंगी कि देश की बनावट के वक्त, बहुत से युवा ठंडे पानी से नहाने में अपनी ताकत बर्बाद करते रहे।

इतिहास कभी आपको माफ नहीं करेगा!" उसने बस हँसकर मेरी ओर देखा जैसे मैं मजाक कर रहा हूँ। अरे भाई, रीति-रिवाज की जड़ें कितनी गहरी हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने सही कहा था कि ज्ञान का फव्वारा रीति-रिवाज के रेगिस्तान में खो जाता है।

हवा में है मां वैष्णो की पिण्डियां

सुरेश गांधी

माता वैष्णवी अधर्म और दुष्टों का नाश कर जगत कल्याण के लिए आज भी वैष्णव धाम में वास करती है। महाकाली और लक्ष्मी के बीच में छतरी हैं। बाएं पार्श्व में महाकाली के पास ज्योति जलती रहती हैं। तीनों माताओं के सामने पिंडियां हैं। दर्शन के दौरान मूर्तियों के सामने नीचे बहुत ध्यान से देखना पड़ता हैं इन पिंडियों को। वास्तव में इन पिंडियों के ही दर्शन किए जाने हैं। माना जाता हैं कि ये पिंडियां प्राकृतिक रूप से उभर आई हैं।

पौराणिक मान्यता है कि राक्षस महिषासुर के दुष्टता और आंतक से पीडित इन्द्र सहित सभी देवता ब्रह्मा और शिव के साथ वैकुण्ठ में विष्णु भगवान से मिले। देवताओं ने विष्णु भगवान से राक्षस महिषासुर के संकट से छुटकारा दिलाने की प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु ने दिव्य-दृष्टि से जानकर बताया कि महिषासुर की मृत्यु केवल एक नारी के द्वारा ही संभव है, देवताओं द्वारा नहीं। इसके बाद देवताओं द्वारा स्तुति करने पर ब्रह्मा, विष्णु और शिव के सामुहिक तेज से एक नारी स्वरुप शक्ति की उत्पत्ति हुई। इस शक्ति में ब्रह्मा के अंश से महासरस्वती, विष्णु के अंश से महालक्ष्मी और शिव के अंश से महाकाली पैदा हुई। गुफा में तीन पिण्डियां इन तीन देवी रुपों की प्रतीक है। इनका सामूहिक स्वरुप ही मां वैष्णवी है। बाहरी रुप से अलग-अलग दिखाई देने पर भी इन तीन रुपों में कोई भेद नहीं है। माना जाता है कि वैज्ञानिकों ने भी इन पिण्डियों के रहस्य को जानना चाहा। उनके द्वारा वैज्ञानिक निष्कर्षों में भी यह पाया कि गुफा में यह तीन पिण्डियां बिना आधार के स्थित है यानि दिव्य पिण्डियां बिना किसी सहारे के हवा में खड़ी है, जो अद्भुत है। आध्यात्मिक दृष्टि से अलौकिक शक्ति का रुप यह तीन पिण्डियां इच्छाशक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रियाशक्ति की प्रतीक है। इस तथ्य को व्यावहारिक जीवन से जोड़े तो पाते है कि जीवन में इच्छा, विद्या और कर्म के अभाव में किसी कार्य में सफलता नहीं मिलती है।शक्ति ग्रंथों में भी आदिशक्ति वैष्णवी ने शक्ति के इन अवतारों का मुख्य उद्देश्य देवताओं की रक्षा, मानव-कल्याण, दानवों का नाश, भक्तों को निर्भय करना और धर्म की रक्षा बताया है। माता वैष्णवी की चमत्कारिक पिण्डियों की भांति ही वैष्णव मां की पवित्र गुफा में बहने वाला जल भी रहस्य का विषय है। इस जल का स्त्रोत वैज्ञानिकों को भी नहीं मिला। यही कारण है कि माता के दरबार से धर्मावलंबी भक्तों का अटूट आस्था और विश्वास है। इस बहते जल को भी वह मां का आशीर्वाद और उसका सेवन समस्त पापों को नष्ट करने वाला मानते हैं। माना जाता हैं कि यहीं पर मां ने भैरवनाथ का वध किया था और उसका सिर 3 किमी की दूरी पर जाकर गिरा था। कहा जाता है कि अपने वध के बाद भैरवनाथ को अपनी भूल का पश्चाताप हुआ और उसने मां से क्षमादान की भीख मांगी. माता वैष्णो देवी जानती थीं कि उन पर हमला करने के पीछे भैरव की प्रमुख मंशा मोक्ष प्राप्त करने की थी. उन्होंने न केवल भैरव को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति प्रदान की, बल्कि उसे वरदान देते हुए कहा कि मेरे दर्शन तब तक पूरे नहीं माने जाएंगे, जब तक कोई भक्त, मेरे बाद तुम्हारे दर्शन नहीं करेगा. उसी मान्यता के अनुसार आज भी भक्त माता वैष्णो देवी के दर्शन.करने के बाद करीब पौने तीन किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई करके भैरवनाथ के दर्शन करने जाते हैं. शारदीय नवरात्रों के आगमन के साथ ही मां वैष्णो देवी के पवित्र दरबार को दुल्हन की तरह सजाया गया है, जिसकी भव्यता हर भक्त के दिल में आस्था की ज्योति प्रज्वलित कर रही है। देश-विदेश से आए फूलों की सजावट ने भवन को अद्वितीय सौंदर्य प्रदान किया है। हर कोना रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक लाइटों और धार्मिक प्रतीकों से सजा हुआ है, मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। ताज्जुब इस बात का है कि देश के कोने-कोने से तो श्रद्धालुओं का मां के दर्शन को आना होता ही है, यहां वही भक्त पहुंच पाता है, जिसे मां का बुलावा होता है और जो एकबार मां के द्वार पहुंच गया, वो फिर कहीं और नहीं जाता।

कहते है दरबार में नित्य होने वाली मां के चारों रुपों की आरती का दर्शन कर लेने मात्र से हजार अश्वमेघ यज्ञ के फलों की प्राप्ति होती है। चैत यानी वासंतिक व शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक विशाल मेला लगता है। इस मेले में लाख-दो लाख नहीं बल्कि 25-30 लाख से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचते है। कहते है मां वैष्णवी एक मात्र ऐसी जागृत शक्तिपीठ है जिसका अस्तित्व सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी रहेगा। शक्ति को समर्पित यह मनोरम व दिव्य स्थल जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित मां वैष्णवी या त्रिकूट पर्वत पर है। यह उत्तरी भारत में सबसे पूजनीय पवित्र स्थलों में से एक है। मंदिर, 5,200 फीट की ऊंचाई और कटरा से लगभग 12 किलोमीटर (7.45 मील) की दूरी पर है। यह भारत में तिरूमला वेंकटेश्वर मंदिर के बाद दूसरा सर्वाधिक देखा जाने वाला धार्मिक तीर्थ-स्थल है, जो वैष्णो देवी या माता रानी और वैष्णवी के रूप में भी जानी जाती हैं।

जहां तक माताराणी के पहाड़ों पर विराजमान होने का सवाल है तो मां वैष्णव देवी ही नहीं बल्कि गुवाहाटी में कामख्या, हरिद्वार में मनसा देवी सहित लगभग सभी माताओं के मंदिर पहाड़ों पर होते हैं। यहां तक की मां दुर्गा का एक नाम पहाड़ोंवाली भी है। दरअसल, हमारे वेद-पुराणों में पंच-तत्व के महत्व को बताया गया है। सृष्टि की रचना पंचतत्वों से हुई है तो इंसान के शरीर भी इन्हीं पंचतत्वों से बने हुए हैं। ये पंच तत्व हैं जल, वायु, अग्नि, भूमि और व्योम अर्थात आकाश। इन पांचों तत्वों के अधिपति एक-एक देवता भी हैं। जल के अधिपति गणेश हैं तो वायु के विष्णु. भूमि के शंकर हैं तो अग्नि के अग्निदेवता वहीं व्योम के देवता हैं सूर्य। शक्ति यानी दुर्गा को संपूर्ण धरती की अधिष्ठात्री माना गया है। साथ ही वे शक्ति का प्रतीक हैं। जानकारों की मानें तो पहाड़ों को धरती का मुकुट और सिंहासन माना जाता है। मां इस संपूर्ण सृष्टि की अधिष्ठात्री हैं, इसलिए वे सिंहासन पर विराजती हैं। यही वजह है कि लगभग सभी महत्वपूर्ण और प्राचीन देवी मंदिर पहाड़ों पर ही स्थित है।

चमत्कार के एक-दो नहीं ढेरों कहानियां अपने अंदर समेटे हसीन वादियों में त्रिकूट पर्वत पर गुफा में विराजमान है आदि शक्ति जगत जननी माता वैष्णो देवी। मां वैष्णव धाम के गुफा में विराजमान तीनों पीडिंया ब्रह्मा के अंश से उत्पंन महासरस्वती, विष्णु के अंश से उत्पंन महालक्ष्मी और शिव के अंश से उत्पंन महाकाली की प्रतीक है। इन तीनों देवियों का सामूहिक स्वरुप ही आदि शक्ति जगत जननी मां वैष्णवी हैं। तभी तो अन्य देवी मंदिरों की भांति देवी की साकार और श्रृंगारित प्रतिमा न होकर यहां मां वैष्णवी तीन पिण्डियों के सामूहिक स्वरुप में है। मां काली (दाएं), मां सरस्वती (बाएं) और मां लक्ष्मी (मध्य) के रूप में भक्तों को दर्शन देती है। खास यह है कि तीनों दिव्य पिण्डियां बिना किसी आधार हवा में खड़ी है, जो अपनेआप में अद्भुत है।

वैज्ञानिकों ने भी इन पिण्डियों के रहस्य में पाया कि गुफा में यह तीन पिण्डियां बिना आधार के स्थित है यानि दिव्य पिण्डियां बिना किसी सहारे के हवा में खड़ी है, जो अद्भुत आध्यात्मिक दृष्टि से भी अलौकिक शक्ति का यह तीन रुप इच्छाशक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रियाशक्ति की प्रतीक है। कहते है जो श्रद्धालु मां का पूजा विधि-विधान व तौर-तरीकों से कर लिया उसकी हर प्रकार की मुरादें पूरी होने के साथ ही उसके सारे कष्ट व पाप कट जाते है। मां का ये धाम अनोखा व अद्भूत इसलिए भी है कि

देवी दुर्गा का भ्रामरी या ब्रम्हाम्बिका के रूप में अवतार

भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन मंदिर

दिव्य श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन मंदिर, आंध्र प्रदेश के सुंदर श्रीशैलम में स्थित है, भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित पूजा का एक स्थायी स्थान है जो भारत भर से कई भक्तों को आकर्षित करता है।

शैव और शक्तिवाद दोनों संप्रदायों के हिंदू मंदिर को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं क्योंकि यह अठारह शक्ति पीठों में से एक है, जो हिंदू देवी की पूजा का केंद्र है। इस मंदिर में शिव को मल्लिकार्जुन के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है और उनकी पत्नी पार्वती के साथ पूजा की जाती है, जिसे यहां भ्रामराम्बा के नाम से जाना जाता है।

स्पष्ट रूप से, यह स्थान पूरे भारत में हिंदुओं के लिए बहुत महत्व रखता है!

भारत में अठारह शक्तिपीठों में से एक के रूप में, श्रीशैलम की यात्रा करने वाले किसी भी तीर्थयात्री के लिए भ्रामराम्बा देवी मंदिर की यात्रा एक नितांत आवश्यक है। राजसी नल्लामाला पहाड़ियों के ऊपर खड़े होकर और श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के मंदिर परिसर के भीतर विराजित, यह श्रद्धेय मंदिर खुली बाहों से आपकी उपस्थिति की प्रतीक्षा कर रहा है!

भ्रामराम्बा देवी मंदिर में, देवी भ्रामरांबिका (देवी पार्वती का एक रूप) को समर्पित, भक्त उनके सभी आठ-सशस्त्र वैभव में उनकी पूजा कर सकते हैं। रेशम की साड़ी से सजी, वह संत अगस्त्य की पत्नी लोपामुद्रा की एक मूर्ति के साथ ब्राह्मणी शक्ति के अवतार के रूप में खड़ी है – और आगे की पेशकश के लिए सामने की पत्थर की दीवार पर श्री यंत्र उकेरा गया है।

भ्रामराम्बा देवी मंदिर मिथकों और किंवदंतियों से भरा पड़ा है। सबसे प्रसिद्ध के अनुसार, अरुणासुर एक राक्षस था जिसकी भगवान ब्रह्मा में प्रबल आस्था थी। उनकी अटूट भक्ति से प्रसन्न होकर, भगवान ने उन्हें पृथ्वी पर किसी भी दो या चार पैरों वाले प्राणी के खिलाफ अविनाशी होने का आशीर्वाद दिया। नतीजतन, उन्होंने देवों और संतों को समान रूप से अत्यधिक कष्ट दिया। चूंकि वे इस आशीर्वाद के कारण उसे हराने में असमर्थ थे, उन्होंने अरुणासुर के अत्याचार से सहायता और सुरक्षा के लिए देवी दुर्गा से विनती की। उनकी दलील के जवाब में, देवी दुर्गा ने भ्रामरी या ब्रम्हाम्बिका के रूप में अवतार लिया और हजारों छह पैरों वाली मधुमक्खियों को उत्पन्न किया, जिन्होंने राक्षस का विनाश किया। आखिरकार, उन्होंने ब्रमराम्बिका के रूप में श्रीशैलम में रहना चुना।

उड़ान से

वर्तमान में, श्रीशैलम के लिए सीधी हवाई यात्रा उपलब्ध नहीं है। सौभाग्य से, हैदराबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सुविधाजनक परिवहन विकल्पों के लिए पास में स्थित है।

सड़क द्वारा

दिन या रात के किसी भी समय, हर दिन चलने वाली भरोसेमंद बस सेवाओं के साथ श्रीशैलम से आना-जाना आसान हो गया है। ये बसें नेल्लोर और विशाखापत्तनम जैसी जगहों से निकलती हैं। इसके अलावा, इस यात्रा के लिए साझा टैक्सी या कैब भी उपलब्ध हैं!

ट्रेन से

सीधे रेल कनेक्शन के माध्यम से श्रीशैलम तक पहुँचा नहीं जा सकता है। हालांकि, श्रीशैलम से लगभग 60 किमी दूर स्थित कुंबुम जिला रेलवे स्टेशन, आपको वहां पहुंचने में मदद करने के लिए नियमित यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रदान करता है।

नवरात्रि
छठा दिन

माता कात्यायनी

रंग : सोने जैसा चमकीला पीला

याज्ञवल्क्य स्मृति के अनुसार कात्यायन ऋषि के यहां जब देवी प्रकट हुईं तब उन्होंने पीले वस्त्र पहने थे। उनका रंग सोने के समान चमकीला था, इसलिए देवी कात्यायनी का रूप मां लक्ष्मी के समान सोने की तरह चमकीला पीला है

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदि-शक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था, इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। स्कंद पुराण के अनुसार मां कात्यायनी परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थीं ।

॥स्तुति मंत्र॥

चंद्रहासोज्ज्वलकरा, शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यात्, देवी दानवघातनी।।

(चंद्रहास की भांति देदीप्यमान, शार्दूल अर्थात् शेर पर सवार और दानवों का विनाश करने वाली मां कात्यायनी हम सबके लिये शुभदायी हों)

भोग : माता कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से उपवास करने वाले की आकर्षण शक्ति में वृद्धि होती है

स्वरूप

माता कात्यायनी का भी वाहन सिंह है। इस पर आरूढ़ होकर उन्होंने महिषासुर का वध किया। इनकी दो भुजाएं अभय मुद्रा और वर मुद्रा में हैं। अन्य दो भुजाओं में खड्ग और कमल है।

महत्त्व

मां कात्यायनी की पूजा से रोग, शोक, संताप, भय का नाश होता है।

खजूर के पेड़ से प्रकट हुई थी माता,नबाबों के समय ऐसे हुई थी इस मंदिर की स्थापना

देश भर में शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। मध्य प्रदेश की राजधानी **भोपाल** में नवरात्रि की धूम दिखाई दे रही है। जगह-जगह माता की झांकियां लगी है।

मां शीतला पिंडी के रूप में हैं विराजित

इस मंदिर के बारे में कहावत है कि प्रसिद्ध प्राचीन माता मंदिर में खजूर के पेड़ से शीतला माता की मूर्ति प्रकट हुई थी। इसके बाद लोग मड़िया बनाकर पूजा-अर्चना करने लगे। विराजित माता की मूर्ति स्वयंभू है। आपको बता दें, मंदिर में मां शीतला पिंडी के रूप में विराजी हैं और शीतला माता के दर्शन करने आस-पास से सैकड़ों श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि माता के त्रिशूल पर चुन्नी बांधने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। मंदिर प्रांगण में महाकाली, हनुमान जी, श्री राम दरबार सहित अन्य देवी देवता विराजित है। यह मंदिर बेहद ख़ूबसूरत है क्योंकि इसके आस पास झीलों की ख़ूबसूरती भी देखने को मिलती है।

नवरात्रि पर लगती है भक्तों की भीड़

नवरात्रि में हर साल यहां रंगबिरंगी साज सज्जा की जाती है। नवरात्रि के मौक़े पर माता के दर्शन करने के लिए लोग आते हैं। कहा जाता है कि माता जब प्रकट हुई थी उस समय आस पास सिर्फ़ जंगल हुआ करता था। उस समय राजधानी भोपाल के नीलबड़, रातीबड़, कोलार और कोटरा के लोग माता की पूजा अर्चना करने के लिए आते थे।

वैसे तो यहां 12 महीने भक्तों का तांता लगा रहता है लेकिन नवरात्रि के ख़ास मौक़े पर माता रानी के दरबार में लोग चुनरी अर्पित करने के लिए आते हैं। शहर के आस-पास के इलाकों से भी भक्त मां के दरबार में आते हैं। मंदिर से जुड़ी यह भी मान्यता है कि माता रानी यहां आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूर्ण करती है।

आलिया भट्ट-अनन्या पांडे जैसे नहीं मिला करण जौहर का साथ विक्रांत मैस्सी संग डेब्यू करेंगी फ्लॉप एक्टर की बेटी शनाया कपूर !

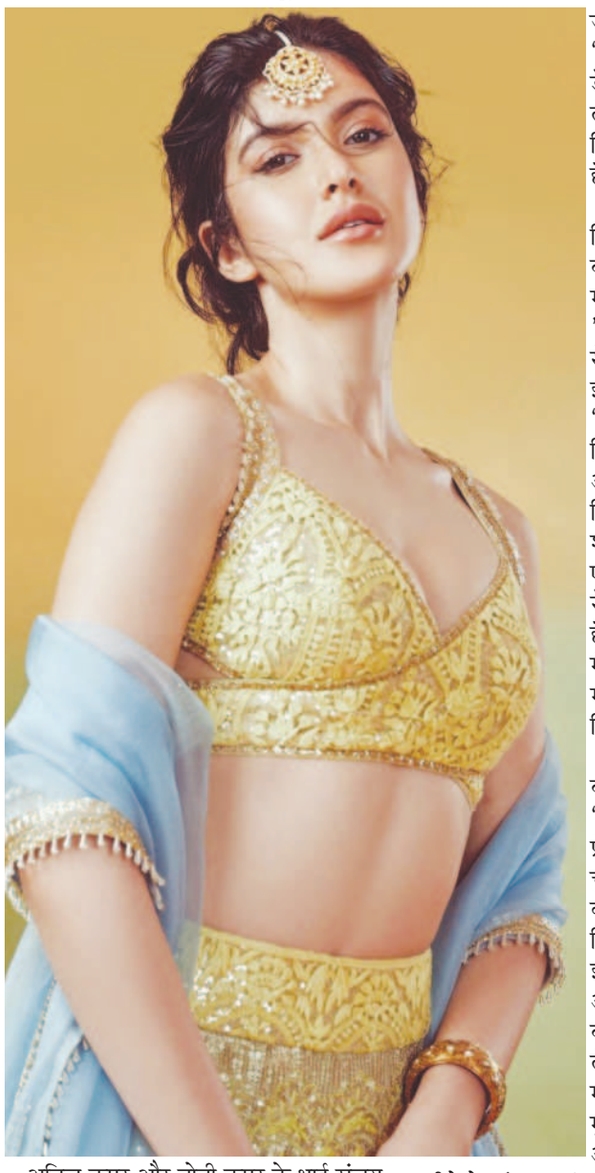

अनिल कपूर और बोनी कपूर के भाई संजय कपूर का बॉलीवुड करियर एक-दो हिट फिल्म में ही सिमट कर रह गया. वो अपने भाइयों की तरह बॉलीवुड में कुछ खास पहचान नहीं बना सके. अब संजय और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं. पहले आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनाया कपूर अधिकतर स्टारकिड्स की तरह करण जौहर की फिल्म 'बेधड़क' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन अब उनकी ये फिल्म डब्बा बंद हो गई है.

करण जौहर की फिल्म डब्बा बंद होने के बाद शनाया कपूर अब म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से डेब्यू करने वाली हैं. इस फिल्म में उनके साथ '12वीं फेल' एक्टर विक्रांत मैस्सी नजर आएंगे. पीपिंग मून की रिपोर्ट के मुताबिक शनाया कपूर फिल्म में एक थिएटर आर्टिस्ट के रोल में नजर आने वाली हैं. वहीं, एक्टर विक्रांत मैस्सी एक अंधे म्यूजिशियन के रोल में दिखेंगे.

'ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल' और 'अपहरण' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके संतोष सिंह 'आंखों की गुस्ताखियां' का निर्देशन करने वाले हैं. इसकी कहानी निरंजन अयंगर और मानसी बागला जैसे प्रशंसित लेखकों ने लिखी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनाया कपूर और विक्रांत मैस्सी इस महीने के अंत तक 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं. हालांकि फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट अभी बाकी है.

मलयालम फिल्म से किया डेब्यू

'आंखों की गुस्ताखियां' शनाया कपूर की दूसरी फिल्म है. संजय कपूर की बेटी ने तेलुगु-मलयालम फिल्म 'वृषभ' से डेब्यू किया था. इस फिल्म में उनके साथ मोहनलाल भी हैं.

4 फ्लॉप फिल्में, जीता 1 कॉमेडी शो, अब 'बिग बॉस 18' में किस्मत आजमा रहीं साउथ एक्ट्रेस श्रुतिका अर्जुन

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में टीवी से लेकर फिल्मी जगत के सितारे अपनी किस्मत आजमाने घर में एंट्री ले चुके हैं। चाहत पांडे से लेकर शहजादा धामी, शिल्पा शिरोडकर तक 18 सेलेब्स ने घर में एंट्री ले ली है। इसी में से एक साउथ एक्ट्रेस श्रुतिका अर्जुन का नाम शामिल है, जिन्होंने ग्रैंड प्रीमियर में एंट्री लेते ही लाइमलाइट बटोर ली। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें लेकर कहने लगे कि वो शहनाज गिल को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं और ओवरएक्टिंग कर रही हैं। ऐसे में चलिए आपको उनके बारे में बताते हैं।

ग्रैंड प्रीमियर एंट्री लेने के बाद श्रुतिका अर्जुन ने सलमान खान से बताया कि वो उनकी बहुत बड़ी फैन हैं। वहीं, सलमान खान ने उनके बारे में बताया कि वो तमिल सिनेमा की एक्ट्रेस हैं और एक कॉमेडी शो की विनर भी हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वो तमिल सिनेमा में 4 फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन उनकी चारों फिल्में ही फ्लॉप रही थीं। श्रुतिका ने फ्लॉप फिल्मों को लेकर कहा, 'मुझे उस समय एहसास हुआ कि मैं इसके लायक नहीं थी और मुझे ये करना ही नहीं चाहिए था।' उन्होंने खुद को लेकर ये भी कहा, 'उस समय मैं बकवास थी और हॉरिबल थी। मुझे लगा था कि मैं उस लायक नहीं थी।' इतना कहने के बाद वो जोर-जोर से हंसने लगती हैं।

गौरतलब है कि श्रुतिका ने अपने करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र में कर दी थी। उनकी पहली फिल्म सूर्या के साथ साल 2002 में 'श्री' में काम किया था। इसके बाद उन्होंने तीन और फिल्मों में काम किया था, जो कि फ्लॉप रही थीं। वहीं, उनके विनिंग कॉमेडी शो की बात करें तो 2022 में उन्होंने 'कोमाली विद कूकू सीजन 3' में काम किया था और वो इसकी विनर रही थीं। हालांकि, उनका प्रोफेशनल करियर कुछ खास नहीं रहा था।

बिजनेसवुमन हैं श्रुतिका अर्जुन

इसके अलावा श्रुतिका अर्जुन एक्ट्रेस तो हैं ही साथ ही वो एक बिजनेसवुमन भी हैं। उन्होंने बिजनेसमैन अर्जुन से शादी की और उनका एक बेटा भी है। एक्ट्रेस आयुर्वेदिक स्किन ब्रांड हैप्पी हर्ब्स की फाउंडर भी हैं। वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अक्सर अपने लुक्स और वीडियोज को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं।

इसके साथ ही साउथ एक्ट्रेस के परिवार के बारे में बात करें तो उनका जन्म 17 सितंबर, 1987 को हुआ था। वो फिल्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनकी मां कल्पना और पिता शिवशंकर हैं। उनके दादा थेंगई श्रीनिवासन एक्टर थे। उन्होंने चेन्नई के आदर्श विद्याल हायर सेकेंड्री स्कूल से पढ़ाई की है। उनके चचेरे भाई योगी और भाई आदित्य भी पेशे से एक्टर हैं।

विजय की आखिरी फिल्म के लिए बॉबी देओल को मिली 5 करोड की रकम

बॉबी देओल की सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। फिल्म एनिमल में अपने छोटे से किरदार की वजह से उन्होंने लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ी है। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म के बाद वह दक्षिण भारत की दो फिल्मों में दिखने वाले हैं। हाल ही में निर्माताओं ने दलपति विजय की आखिरी फिल्म में बॉबी देओल को बतौर विलेन कास्ट किया है।

एनिमल से चमकी किस्मत

कुछ दिनों पहले ही मुहूर्त पूजा के बाद इस फिल्म को भव्य तरीके से लॉन्च किया गया। अब इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए बॉबी देओल को पांच करोड़ रुपये की मोटी फीस दी गई है। यह कहना गलत नहीं होगा कि संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म एनिमल ने बॉबी के करियर को नई दिशा दी है।

कंगुवा में भी आएंगे नजर

इस फिल्म के अलावा बॉबी के पास कंगुवा नाम की एक और बड़े बजट की फिल्म है। इस फिल्म में भी वह विलेन की भूमिका में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर सामने आया था, जिसमें बॉबी का खतरनाक अंदाज देखकर फैंस हैरान रह गए थे। फैंस को इन दोनों ही फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है।

एच विनोथ कर रहे दलपति 69 का निर्देशन

दलपति 69 की बात करें तो यह विजय के करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। उनकी इस फिल्म में पूजा हेगड़े भी नजर आने वाली हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान एच विनोथ के हाथों में है। साल 2023 में उनकी फिल्म थुनिवु रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अजित कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

देवरकोंडा की फिल्म के सेट पर हाथियों का हंगामा, रोकी गई फिल्म की शूटिंग

केरल में विजय देवराकोंडा की आगामी फिल्म वीडी 12 की शूटिंग को बीच में ही रोक दिया गया। शूटिंग रोकने का कारण कुछ और नहीं बल्कि दो हाथी थे। दरअसल, केरल के कोठामंगलम के पास फिल्म की शूटिंग चल रही थी। निर्माता भूतथानकेट्टू जंगल के पास दो हाथियों के साथ दृश्यों की शूटिंग कर रहे थे,

लेकिन ये हाथी एक दूसरे से ही सेट पर भिड़ गए, जिससे सेट पर अफरा तफरी मच गई और शूटिंग को रोकना पड़ा।

हाथियों की लड़ाई बनी शूटिंग रोकने की वजह

निर्देशक गौतम तिन्नानुरी अपनी फिल्म के लिए हाथियों के साथ शूट करना चाहते थे। फिल्म की यूनिट ने दो हाथी मंगवा लिए। कोठामंगलम में ये शूटिंग शुरू भी कर दी गई। हाथियों के साथ दृश्यों की शूटिंग के दौरान दोनों अचानक से नाराज हो गए और सेट पर लड़ने लगे। इस दौरान चिंतित कलाकारों और क्रू ने हाथियों को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ गए। एक हाथी घायल हो गया, जबकि दूसरा जंगल में भाग गया।

वन अधिकारियों को दी गई सूचना

फिल्म यूनिट ने तुरंत वन अधिकारियों को इस घटना के बारे में सूचित किया। अधिकारी मौके पर पहुंचे और आखिरकार हाथी को ढूंढ निकाला। फिल्म की शूटिंग अस्थायी रूप से रोक दी गई थी और निर्माता चाहते थे कि चीजें ठीक होने के बाद काम फिर से शुरू हो। वीडी 12 जासूसी थ्रिलर है, जिसकी लगभग 70 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म की रिलीज डेट 28 मार्च, 2025 रखी गई है।

पहला भाग हिट होने पर ही बनेगा दूसरा भाग

खबरों की मानें तो 'वीडी 12' को दो भागों में रिलीज करने की योजना जरूर बनाई गई है, लेकिन इसमें एक शर्त भी रखी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के निर्माता नागा वामसी का कहना है कि अगर 'वीडी 12' का पहला भाग अगर चल जाएगा और दर्शकों को पसंद आएगा। तभी इसके दूसरे भाग को रिलीज किया जाएगा।

'तारक मेहता' को मिली चौथी सोनू, पलक सिधवानी को इस एक्ट्रेस ने किया रिप्लेस, जानिए कौन हैं खुशी माली

टीवी का पॉपुलर सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' इन दिनों काफी चर्चा में है। शो को एक के बाद एक एक्टर्स छोड़ रहे हैं। हाल ही में सोनू का किरदार प्ले कर रहीं एक्ट्रेस पलक सिधवानी ने शो को अलविदा कह दिया। इसके बाद इस किरदार के लिए मेकर्स ने नए एक्टर की तलाश शुरू कर दी थी, जो कि अब पूरी हो चुकी है। इस रोल के लिए अब एक्ट्रेस खुशी माली को चुना गया है।

दरअसल, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू भिड़े के रोल के लिए खुशी माली को इसके मेकर्स ने चुना है। मेकर्स की ओर से इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल ऐलान किया गया है। इसमें बताया गया कि खुशी माली 7 अक्टूबर से शो को नई सोनू भिड़े के रोल में ज्वॉइन करेंगी। गोकुल धाम में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। ऐसे में फैंस इस रोल में खुशी को देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

इसके साथ ही खुशी माली ने शो का हिस्सा बनने पर भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि वो इस शो का हिस्सा बनने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू का रोल करना बड़ा ही मजेदार होगा। उनका मानना है कि इसमें कई खूबियां हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उनके लिए इस शो का हिस्सा बनना काफी स्पेशल है। वो अपने इस रोल के जरिए फैंस से कनेक्ट होने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

चौथी बार रिप्लेस हुईं शो की सोनू

आपको बता दें कि टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में चौथी बार सोनू को रिप्लेस किया गया है। इससे पहले इस रोल के लिए एक्ट्रेस झील मेहता (2008–2012), निधि भानुशाली (2012–2019) और पलक सिधवानी (2019–2024) को चुना गया था। हालांकि, किसी ना किसी वजह से तीनों एक्ट्रेस ने शो को छोड़ दिया।

कौन हैं खुशी माली?

बहरहाल, अगर खुशी माली की बात की जाए तो वो टीवी की एक्ट्रेस हैं। उन्होंने एक टीवी शो 'साझा सिंदूर' में काम किया था। एक्टिंग में आने से पहले वो मॉडलिंग करती थीं। उन्होंने इस दौरान कई विज्ञापन और ब्रैंड के साथ

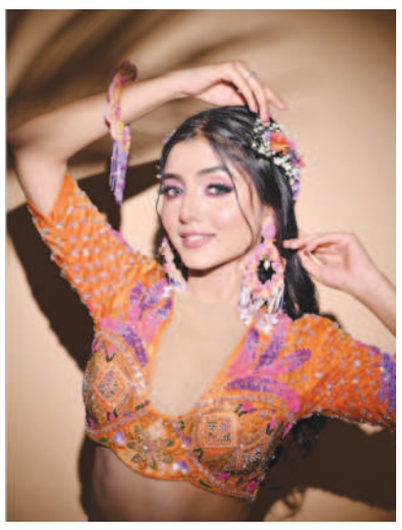

कोलाबोरेशन भी किया है। इसके अलावा टीवी एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 56 हजार फॉलोअर्स हैं। वो कई फैशन कैंपेन में भी नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स और वीडियोज को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं।

ठंडे बस्ते में गई सूर्या की हिंदी डेब्यू फिल्म 'कर्ण'? निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने दिया अपडेट

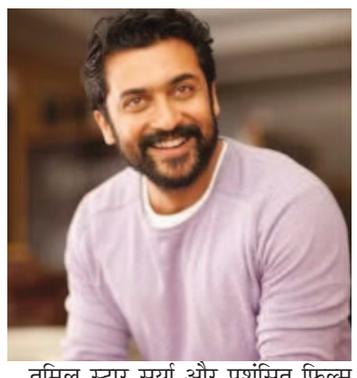

तमिल स्टार सूर्या और प्रशंसित फिल्म निर्माता राकेश ओमप्रकाश मेहरा की मूवी 'कर्ण' निस्संदेह सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर समय-समय पर रिपोर्ट सामने आती रहती हैं, लेकिन फिल्म का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इससे फिल्म के बंद होने की अफवाहें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने हाल ही में इसे लेकर बड़ी जानकारी दी है, जिससे प्रशंसक गदगद हो उठे हैं।

निर्देशक ने दिया बड़ा अपडेट

निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने हाल ही में पुष्टि की कि फिल्म पर 100 प्रतिशत काम चल रहा है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान, निर्देशक से पूछा गया कि क्या सूर्या के साथ फिल्म बन रही है या इसे बंद कर दिया गया है। इस पर, निर्देशक ने कहा 'योजनाएं 100 प्रतिशत चल रही हैं।'

हिंदी डेब्यू के लिए तैयार सूर्या

'कर्ण' सूर्या की हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पहली फिल्म होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 'कर्ण' के लिए सूर्या और जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिकाओं में लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में सूर्या महाकाव्य महाभारत के बहादुर योद्धा राजकुमार और पांडवों के बड़े सौतेले भाई 'कर्ण' की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, जान्हवी कपूर की भूमिका के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन अनुमान है कि वह कर्ण की पत्नी वृषाली का किरदार निभा सकती हैं।

एआर रहमान करेंगे संगीत का निर्माण

कहा जा रहा है कि अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार एआर रहमान से फिल्म में संगीत देने के लिए बातचीत चल रही है। 'कर्ण' का निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा करेंगे। यह फिल्म हिंदी और तमिल में एक साथ बनाई जाएगी और इसे मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु में डब किया जाएगा। सूत्र यह भी बताते हैं कि 'कर्ण' एक बड़े बजट की फिल्म होगी, और जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि फिल्म में कुछ अन्य बेहतरीन कलाकार भी शामिल होंगे।

दो भाग में रिलीज होगी 'कर्ण'

इससे पहले, फिल्म के पटकथा लेखक आनंद नीलकांतन ने साझा किया था कि 'कर्ण' दो भागों में रिलीज होगी, जिसकी पहली किस्त वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन में है। कलाकारों के बारे में पूछे जाने पर, आनंद नीलकांतन ने कहा कि आधिकारिक घोषणा होने तक वह किसी भी महत्वपूर्ण विवरण का खुलासा नहीं कर सकते।

20 साल बाद क्यों अचानक बंद हो गया था सीआईडी 'एसीपी प्रद्युम्न' ने सालों बाद खोला राज

छोटे पर्दे पर सिर्फ एकता कपूर के शो ने ही नहीं, बल्कि कई दूसरे सीरियल्स ने भी लोगों के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई है। इन्हीं में से एक है सोनी चैनल पर आने वाला टीवी शो 'सीआईडी'। साल 1998 से शुरू होकर 2018 तक चलने वाले इस शो ने 20 साल तक टीवी पर राज किया और फिर अचानक बंद हो गया। जब इसके बंद होने की खबर आई, तो लोग काफी निराश हो गए। हालांकि, किसी को भी पता नहीं चला कि आखिर क्यों शो को ऐसे अचानक ऑफ एयर किया गया।

शो की कहानी के साथ-साथ इसमें नजर आए स्टार्स ने भी लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी। फिर चाहें वो दया हो या अभिजीत। सालों बाद अब इस शो में एसीपी प्रद्युम्न का रोल करने वाले शिवाजी साटम ने इसके बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि क्यों मेकर्स ने इसे बंद कर दिया।

केबीसी की वजह से बंद हुआ सीआईडी?

'कुछ तो गड़बड़ है दया' ये डायलॉग और इस डायलॉग को बोलने वाले एसीपी प्रद्युम्न तो लगभग सभी को याद होंगे। अब उन्होंने फ्राइडे टॉकीज के साथ अपने इस शो को लेकर कई चीजें शेयर की हैं। एसीपी प्रद्युम्न यानी शिवाजी ने बताया कि हम चैनल से पूछते थे कि वो इसको क्यों बंद कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन के शो केबीसी के साथ टीआरपी में हम आमने-सामने थे।

इसके आगे उन्होंने कहा कि हां, शो की टीआरपी में थोड़ी गिरावट जरूर हुई, लेकिन किस शो की टीआरपी नहीं गिरती। यहां तक कि शो को बंद करने से पहले उन्होंने इसके शेड्यूल के साथ भी छेड़छाड़ की। पहले यह शो रात 10 बजे आता था, लेकिन फिर उन्होंने इसे रात 10:30 बजे या कभी-कभी 10:45 बजे भी प्रसारित करना शुरू कर दिया। इसने दर्शकों को शो से दूर कर दिया।

मेकर्स और चैनल के बीच थी अनबन?

इसके साथ ही शिवाजी साटम ने यह भी हिंट दिया कि शो बंद होने की वजह मेकर्स और चैनल के बीच की अनबन भी हो सकती है। एक्टर ने कहा कि उन्हें शायद मेकर्स के साथ कोई समस्या थी और वे टाइम बदलना चाहते थे, लेकिन हमारे लिए यह सिर्फ लॉयल्टी से जुड़ा नहीं था। यह दोस्ती भी थी। हम एक साथ बढ़े और हम टीम थे।

'सिंघम अगेन' के ट्रेलर लॉन्च में दीपिका के अंदाज पर मर मिटे रणवीर, दे डाली दनादन किस

फिल्म 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर आज सोमवार 7 अक्तूबर को मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च हो गया है। यहां रणवीर सिंह भी पहुंचे हैं, वे भी इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनके अलावा दीपिका पादुकोण भी इस फिल्म नजर आएंगी और पोस्टर पर उनकी तस्वीर प्रमुखता से छपी है। रणवीर जैसे ही इवेंट में पहुंचे दीपिका को योद्धा के रूप में देख खुशी से झूम उठे। उन्होंने अभिनेत्री के पोस्टर पर प्यार की बरसात कर डाली।

रणवीर ने ली धांसू एंट्री

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने बड़े ही धांसू अंदाज में एंट्री ली। उनके मंच पर आते ही सीटियां और तालियां बजने लगीं। सिंबा-सिंबा की पुकार सुनाई देने लगी। रणवीर सिंह ने भी फैंस को निराश नहीं किया और सभी से खूब अच्छे से मिले। स्टेज पर लगे फिल्म के पोस्टर पर लगी दीपिका पादुकोण की तस्वीर देखकर रणवीर एकटक निहारने लगे और फिर पत्नी की तस्वीर को चूम लिया।

नहीं आईं दीपिका पादुकोण

पहले चर्चा थी कि दीपिका पादुकोण भी ट्रेलर लॉन्च इवेंट का हिस्सा बनेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि बेबी गर्ल के जन्म के बाद दीपिका पहली बार किसी सार्वजनिक इवेंट में हिस्सा लेंगी। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। ट्रेलर लॉन्च में रणवीर अकेले आए, लेकिन उन्होंने खूब रौनक बिखेरी। पिता बनने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलकी। दूसरी तरफ 'सिंघम अगेन' को लेकर भी वे खूब उत्साहित दिखे।

दिवाली पर रिलीज होगी फिल्म

रणवीर सिंह ब्लैक कलर के आउटफिट में बेहद डैशिंग लगे। उनका बीयर्ड लुक और हेयरस्टाइल भी गजब ढाता नजर आया। उस पर उनका अंदाज सबसे जुदा। मंच पर दर्शकों का दिल जीतने के बाद रणवीर सिंह फोटोग्राफर्स से मिले और बड़ी गर्मजोशी से मुलाकात की। बात करें फिल्म 'सिंघम अगेन' की तो यह फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होने जा रही है।

नेहा धूपिया करेंगी एमटीवी रोडीज सीजन 20 में वापसी

अभिनेत्री नेहा धूपिया एमटीवी रोडीज शो में मेंटर के तौर पर फिर वापसी करने जा रही हैं। नेहा को उनके बोल्ड अंदाज के लिए जाना जाता है। नेहा को इस शो में एक बार फिर से उसी सीधे सपाट फैसले लेते देखा जा सकेगा। नेहा धूपिया के साथ इस शो में रणविजय सिंह और प्रिंस नरूला को देखा जाएगा।

नेहा धूपिया होंगी एमटीवी रोडीज का हिस्सा

एमटीवी रोडीज के कुछ बहुत ही खास सीजन के बारे में बातें हो चुकी हैं। ये शो अब अपने अगले सीजन के साथ प्रशंसकों के लिए कुछ नया लेकर आया है। खबरों की मानें तो शो मेकर्स का कहना है कि हमने प्रशंसकों से प्यार और समर्थन की बाढ़ देखी है और हम उनकी आवाजों को अनदेखा नहीं कर सकते हैं।

शो में शामिल होने के लिए नेहा है उत्साहित

मेकर्स का मानना है, नेहा धूपिया रोडीज के सफर का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं और उनकी वापसी से सब कुछ बेहतरीन तरीके से बदलने वाला है। नेहा धूपिया अपने नेतृत्व की क्षमता के कारण रोडीज शो का हिस्सा रही हैं। वह भी इस शो में शामिल होने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं। उनकी ऊर्जा, लगन और शो को लेकर उनका अनुभव बहुत ही शानदार है।

एमटीवी रोडीज के लिए इस दिन होंगे ऑडीशन

एमटीवी की ओर से भी एक अपडेट जारी की गई है। जारी अपडेट में बताया गया कि 13 अक्तूबर को नोएडा, 15 अक्तूबर को चंडीगढ़, 18 अक्तूबर को हैदराबाद, 20 अक्तूबर को पुणे में डबल क्रॉस ऑडिशन किए जाएंगे। इस शो का पिछला सीजन 19: कर्म या कांड सोनू सूद ने होस्ट किया था। शो में प्रिंस नरूला, रिहा चक्रवर्ती, गौतम गुलाटी को भी देखा गया था।

पुरुषों के लिए फायदेमंद है मखाना, रोजाना एक मुट्ठी सेवन से दिखने लगेगा असर

बादाम से लेकर चिया सीड्स तक, ऐसे कई सुपरफूड्स हैं, जिनके फायदों के बारे में आप सुनते रहते होंगे। लेकिन, क्या आपने कभी मखाने यानी फॉक्स नट्स के फायदों के बारे में जानना चाहा है। मखाना एक कमाल का सुपर फूड है। वजन घटाने में ये कितना फायदेमंद है, इसके बारे में तो आपने पढ़ा ही होगा। लेकिन, पुरुषों की सेहत पर भी इसके कई फायदे देखने को मिलते हैं। अगर मखाने का रोजाना सेवन किया जाए तो शरीर में मौजूद कॉलेस्ट्रॉल ,सोडियम और प्रोटीन की कमी दूर होती है। इसके अलावा यह हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है। आइए जानते हैं कि ये पुरुषों के लिए कैसे फायदेमंद है।

वजन कम करें

अगर आप लंबे समय से अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं तो मखाना अपके लिए बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर अधिक होता है। भूख लगने पर मखाना खाने से यह पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और पाचन में भी मदद करता है। मखाना एक आदर्श स्नैक है जो आपकी कुछ खाने की क्रेविंग दूर करता है और आपको पोषण के साथ साथ वजन कम करने में मदद करता है।

मांसपेशियों की मजबूती

मखाने में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट ,प्रोटीन और पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना मखाने के मुट्ठी भर सेवन से मसल्स स्ट्रांग होती हैं। आप वर्कआउट से पहले या बाद में, किसी भी समय मखाना खा सकते हैं।

स्पर्म काउंट बढ़ता है

अनेक शोधों मे पाया गया है कि मखाने में जिंक भरपूर मात्रा मे पाया जाता है। जिंक की कमी से पुरुषों की यौन सेहत पर बुरा असर पड़ता है। जिंक की कमी से स्पर्म काउन्ट में कमी देखी गई है। एक्सपर्ट्स की मानें तो प्रतिदिन मखाना खाने से टेस्टोस्टेरोन लेवल सही रहता है।

हृदय के लिए फायदेमंद

मखाने में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है और दिल का ख्याल रखने के लिए मैग्नीशियम बेहद जरूरी होता है। अगर आप उन पुरुषों में से हैं, जो हार्ट संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं और अपने दिल का ख्याल रखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में रोजाना एक मुट्ठी भर मखाना जरूर शामिल कर लें।

डायबिटीज से दिलाए छुटकारा

मखाना डायबिटीज के मरीजों के लिए भी बेहद फायदेमंद है। खुद कई डॉक्टर और न्यूट्रिशनिस्ट भी डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट में मखाना शामिल करने की सलाह देते हैं। दरअसल, मखाने में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो डायबिटीज को काबू करने में सहायता करते हैं।

पाचन विकारों से अक्सर रहते हैं परेशान? कहीं आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या तो नहीं

पेट दर्द एक सामान्य समस्या है, ये किसी को भी हो सकती है। आमतौर पर गैस, कब्ज या अपच के कारण पेट में दर्द हो सकता है, जोकि सामान्य दवाओं और घरेलू उपचार से ठीक भी हो जाता है। पर अगर आपको लंबे समय से पेट में दर्द या पाचन में गड़बड़ी की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से ये ठीक नहीं हो रहा है तो सावधान हो जाइए, कहीं ये मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का संकेत तो नहीं है?

जी हां, आपने सही सुना। पाचन तंत्र में गड़बड़ी कुछ स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों का लक्षण हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) और स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के बीच लिंक देखा गया है। यानी कि अगर आपको लंबे समय तक जीईआरडी के लक्षण बने रहते हैं और उपचार से आराम नहीं मिल रहा है तो एक बार किसी मनोचिकित्सक से जरूर मिल लेना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों को शिक्षित और जागरूक करने के साथ सामाजिक कलंक की भावना दूर के लिए हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि पेट की समस्याओं का मेंटल हेल्थ से क्या संबंध हो सकता है?

गट-ब्रेन हेल्थ कनेक्शन

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार गट-ब्रेन हेल्थ एक दूसरे से बड़े करीब से जुड़े होते हैं। आपको अगर अक्सर पेट में दर्द वाला अनुभव होता है, उल्टी महसूस होती है? अगर इन समस्याओं में सामान्य दवाओं से आराम नहीं मिल पा रहा है तो हो सकता है ये स्ट्रेस या एंग्जाइटी के कारण हो रहा हो।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, तनाव या चिंता की स्थिति हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। हमारी आंतें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सेंट्रल नर्वस सिस्टम के द्वारा नियंत्रित होती हैं, ऐसे में यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है तो इसमें पाचन से संबंधित लक्षण भी दिख सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

हार्वर्ड के विशेषज्ञ बताते हैं, अधिक तनाव लेने वाले लोगों में अक्सर पाचन की समस्या बनी रह सकती है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. टोरोसियन कहते हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तनाव की स्थिति में इंफ्लामेटरी बाउल डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा नहीं होता है, हालांकि ये पाचन के लक्षणों को जरूर गंभीर बना सकती है। स्ट्रेस और ट्रॉमा के शिकार लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बारे में सावधानी बरतनी चाहिए।

स्ट्रेस में क्यों होती है पाचन की दिक्कत?

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर बनी रहने वाली चिंता-तनाव की स्थिति के कारण शरीर में कई प्रकार के हार्मोनल बदलाव होने लग जाते हैं जो गैसट्रिक रस के स्राव को बढ़ाती है, जिससे पेट में दर्द, सूजन, एसिडिटी और जलन होती है।

साल 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि जीईआरडी से पीड़ित लोगों में चिंता और अवसाद के लक्षण काफी अधिक थे, खासकर उन लोगों में जिन्होंने सीने में दर्द की भी शिकायत हो रही थी। जीईआरडी और चिंता विकार दोनों ही सीने में दर्द का कारण बन सकते हैं, ये लक्षण अक्सर हार्ट अटैक जैसे महसूस होते हैं।

स्ट्रेस को करें कंट्रोल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसा नहीं है कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं होते ही ये समझ लें कि आपको कोई मानसिक दिक्कत हो गई है, हालांकि अगर सामान्य इलाज से आराम न मिले निश्चित ही सावधान हो जाना चाहिए।

सभी लोगों को स्ट्रेस को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए क्योंकि इससे सिर्फ पाचन ही नहीं, हृदय गति बढ़ने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी दिक्कत हो सकती है। लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की समस्या को कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य विकारों का भी कारण माना जाता है।

आर्थराइटिस ने बिगाड़ दी है हालत? इन आसान उपायों से पा सकते हैं आराम

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी ने हमारी सेहत को कई प्रकार से प्रभावित किया है। विशेषतौर पर बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के कारण कई प्रकार के दुष्प्रभाव देखे जा रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर हड्डियों की सेहत पर होता है। हड्डियों में होने वाली दिक्कतें चलने-उठने में दिक्कतें पैदा कर सकती हैं जिससे जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है।

जोड़ों में दर्द की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। गठिया, हड्डियों में दर्द, सूजन और कुछ प्रकार की अन्य स्थितियों के कारण आपको ये दिक्कतें होती हैं। डॉक्टर कहते हैं, जोड़ों में दर्द के लिए ऑस्टियोपोरोसिस-ऑस्टियोआर्थराइटिस नामक बीमारी को प्रमुख कारण माना जाता है, समय के साथ इसका खतरा युवाओं में भी बढ़ता जा रहा है।

जोड़ों में दर्द की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया लाइफस्टाइल-आहार में गड़बड़ी भी जोड़ों में दर्द को बढ़ाने वाली हो सकती है। अगर आपको भी अक्सर ये दिक्कत रहती है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ से मिलकर दर्द के कारणों का सही निदान जरूर करा लें। ऑस्टियोआर्थराइटिस तब होता है जब आपके जोड़ में आर्टिकुलर कार्टिलेज टूट जाते हैं। इन स्थितियों में जोड़ों की हड्डियां आपस में रगड़ती हैं और इस घर्षण के कारण तेज दर्द का अनुभव हो सकता है।

बढ़ने न पाए वजन

अतिरिक्त वजन, घुटने और कूल्हे जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है, जिससे दर्द और सूजन बढ़ने लगती है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को कंट्रोल बनाए रखने में मदद मिल सकती है। जोड़ों पर पड़ने वाले तनाव और असुविधा को कम करने के लिए शरीर का वजन कम रखना जरूरी है। लाइफस्टाइल और आहार में सुधार करके जोड़ों की समस्याओं में काफी हद तक सुधार करने में मदद मिल सकती है।

रोज करें व्यायाम

जोड़ों में दर्द के शुरुआती चरणों में नियमित व्यायाम और स्ट्रेचिंग की मदद से गठिया के सूजन को कम करने और जोड़ों के दर्द से राहत पाने में मदद मिल सकती है। स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होता है और रक्त का संचार ठीक बना रहता है। मांसपेशियों में रक्त का संचार ठीक रहने से दर्द से आराम पाया जा सकता है।

जोड़ों के दर्द को कैसे कम करें?

प्रभावित जोड़ों पर हीट-कोल्ड थेरेपी करने से भी दर्द और सूजन से अस्थायी राहत मिल सकती है। हीट थेरेपी जैसे गर्म पानी से स्नान या हीटिंग पैड से रक्त परिसंचरण में सुधार होता है और मांसपेशियों की कठोरता कम होती है। जबकि कोल्ड थेरेपी जैसे आइस पैक से सूजन और जोड़ों में होने वाले दर्द को कम किया जा सकता है। कोल्ड थेरेपी की मदद से दर्द वाले रिसेप्टर्स सुन्न हो जाते हैं। दर्द से आराम पाने के लिए ये उपाय भी काफी प्रभावी हो सकते हैं।

अक्सर पीते हैं कॉफी या फ्रूट जूस तो हो जाइए सावधान, कहीं ये बढ़ा न दें स्ट्रोक का खतरा?

ऑफिस में बैठे-बैठे अगर आप भी दिनभर में तीन-चार कप कॉफी पी जाते हैं तो अब जरा सावधान हो जाइए। आपकी ये आदत कहीं जानलेवा न साबित हो जाए? असल में एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने कुछ पेय पदार्थों से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को सावधान किया है। शोधकर्ताओं ने कहा, जो लोग कार्बोनेटेड पेय पदार्थ जैसे कोल्ड ड्रिंक्स या सोडा, पैक्ड फलों का जूस या कॉफी का अधिक सेवन करते हैं उनमें स्ट्रोक होने का जोखिम अधिक हो सकता है। स्ट्रोक को दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है।

जर्नल ऑफ स्ट्रोक में प्रकाशित शोध के अनुसार दिन में चार कप से ज्यादा कॉफी पीने से स्ट्रोक का जोखिम 37% बढ़ जाता है। कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के लगातार सेवन से स्ट्रोक का जोखिम 22% और पैक्ड फलों के जूस से 37% बढ़ जाता है।

कुछ पेय पदार्थ बढ़ा रहे हैं स्ट्रोक का खतरा

असल में खाने-पीने की आदतों का सेहत पर किस तरह से असर होता है, इसे समझने के लिए शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया।

आयरलैंड के गैलवे विश्वविद्यालय में क्लिनिकल महामारी विज्ञान के प्रोफेसर एंड्रयू स्मिथ कहते हैं, एक डॉक्टर और स्ट्रोक के जोखिम पर शोध करने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं सभी लोगों को फिजी ड्रिंक्स, पैक्ड जूस का सेवन कम से कम करने की सलाह देता हूं। हमारे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन एक कार्बोनेटेड पेय पदार्थ पीने से आपमें स्ट्रोक का जोखिम 22% तक बढ़ सकता है। पैक्ड जूस पीने से स्ट्रोक का खतरा महिलाओं में सबसे अधिक देखा गया है।

क्यों नुकसानदायक हैं पैक्ड जूस?

असल में बाजार में मिलने वाले फलों के पैक्ड

जूस में अधिक मात्रा में एडेड शुगर और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, इसी वजह से इन्हें खतरनाक पाया गया है। ये तत्व पैक्ड जूस में मौजूद फलों के लाभ को भी कम कर देते हैं। प्रोफेसर एंड्रयू स्मिथ कहते हैं, जूस पीना चाहते हैं तो हमेशा ताजे फलों का जूस लें, पैक्ड नहीं।

इसी तरह ज्यादा कॉफी भी हानिकारक है। तीन-चार कप रोजाना कॉफी पीना आपके जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

ज्यादा कॉफी भी ठीक नहीं

पेय पदार्थों को लेकर हुए एक अन्य अध्ययन में स्ट्रोक के खतरे को कम करने के तरीके भी बताए गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कॉफी-पैक्ड जूस की जगह चाय पीना अच्छा विकल्प हो सकता है। चाय के सेवन से स्ट्रोक के खतरे को 27% से 29% तक कम किया जा सकता है, हालांकि चाय में दूध मिला देने से ये लाभ कम हो जाते हैं।

दिन में तीन से चार कप ब्लैक टी या ग्रीन टी पीना अच्छा माना जा सकता है। ब्लैक टी पीने वालों में स्ट्रोक के जोखिम में 29% की कमी देखी गई है। इसी तरह दिन में तीन से चार कप ग्रीन-टी पीने से स्ट्रोक का जोखिम 27% कम हो सकता है।

क्या डेंगू में फायदेमंद है पपीते के पत्ते का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए कर सकते हैं सेवन?

मच्छर जनित रोगों के मामले देशभर में बढ़ रहे हैं। हालिया जानकारियों के मुताबिक कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और राजधानी दिल्ली-एनसीआर, सभी जगह डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मच्छरों के काटने से होने वाली ये बीमारियां कुछ स्थितियों में जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषकर डेंगू और चिकनगुनिया में अगर समय पर इलाज न मिल पाए तो इससे अंगों को भी क्षति पहुंचने का जोखिम देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, सभी लोगों को इससे बचाव के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों में डेंगू की स्थिति गंभीर लक्षणों का कारण बन सकती है जिसको लेकर सावधानी बरतते रहना बहुत जरूरी है।

अगर किसी को डेंगू हो जाए तो समय रहते इसकी जांच जरूर कराएं। डेंगू-मलेरिया के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं इसलिए जांच के माध्यम से सही निदान और समय पर उपचार प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा बीमारी में किसी भी घरेलू उपाय को प्रयोग में लाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

डेंगू में पपीते के पत्तों का जूस

डेंगू के सीजन में पपीते के पत्तों के जूस की काफी चर्चा रहती है।

डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट काउंट लो होने की समस्या अधिक देखी जाती है। माना जाता रहा है कि पपीते के पत्तों का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। क्या वास्तव में पपीते के पत्ते का जूस डेंगू के

मरीजों के लिए फायदेमंद है? क्या इसके सेवन से प्लेटलेट काउंट बढ़ाया जा सकता है?

कई अध्ययन बताते हैं कि पपीते का फल और इसके पत्तों का जूस दोनों ही कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं, तो क्या इसे डेंगू के उपचार के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है?

प्लेटलेट काउंट कैसे बढ़ाएं?

डेंगू के लिए अभी तक कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए कुछ दवाएं दी जाती रही हैं। क्या पपीते के पत्ते का जूस इसमें लाभकारी है इसे समझने के लिए डॉक्टर्स की टीम ने डेंगू पीड़ितों को एक अध्ययन में शामिल किया गया। मानव अध्ययनों में पाया गया कि पपीते के पत्ते के अर्क से ब्लड प्लेटलेट का स्तर बढ़ सकता है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

पपीते के पत्तों में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने की भी क्षमता होती है। एक अध्ययन के अनुसार, पपीते के पत्तों का उपयोग उन क्षेत्रों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के इलाज के लिए किया जाता रहा है जहां डेंगू बुखार एंडेमिक है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया ऐसी स्थिति है जो ब्लड प्लेटलेट काउंट कम होने का कारण बनती है। इसके कारण रक्त का थक्का नहीं बन पाता है।

प्लेटलेट्स, रक्तस्राव को रोकने और घावों को ठीक करने के लिए थक्के बनाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि प्लेटलेट्स कम हो जाने पर डेंगू की स्थिति में रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है।

डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं?

अब सवाल ये है कि डेंगू हो जाए तो पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं? इस बारे में डॉक्टर कहते हैं, डेंगू की स्थिति को गंभीर माना जाता है इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। इसलिए अगर आपमें लक्षण दिख रहे हैं तो किसी डॉक्टर से मिलकर जांच और समय पर इलाज कराएं। डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस लक्षणों को कम करने में फायदेमंद हो सकता है लेकिन बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी अन्य सहायक उपचार से बचा जाना चाहिए।

सोरायसिस का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्नः मेरी उम्र 45 वर्ष है। मुझे पिछले 3 सालों से सोरायसिस रोग हो गया है। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपा कर बताएं!

- श्रीमती सविता वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : सोरायसिस एक हठीला, जिद्दी चर्म रोग है जो आसानी से ठीक नहीं होता। इसमें त्वचा पर सफेद परत निकलते रहती है। पीठ, कमर ,घुटने आदि पर इसका विशेष असर होता है। त्वचा पर आए चमकदार चक्कतों में हल्की खाज भी हो सकती है ।आयुर्वेद में इसका उपचार है। ऊंझा पंचतिक्त घृत गुग्गुलु, ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, कैशोर गुग्गुलु, सेरेन कोट्टे नेय कैप्सूल को भोजन के बाद दिन में तीन बार लेने से फायदा होता है। ऊंझा खदिरारिष्ट, उंझा सारिवाद्यासव, एवं महामंजिष्ठाद्यारिष्ट की 10-10 मिलीलीटर मात्रा को 50 मिलीलीटर पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेने से अच्छे परिणाम निकलते हैं।

त्वचा पर लगाने के लिए कांसे के बर्तन में 101 बार धोया हुआ घी या मक्खन लगाएं। कोट्टक्कल का सोराकाट जेल भी अत्यंत उपयोगी है। गुड़ ,तेल, खटाई, मिर्च व मांसाहार से बचें। साबुन का प्रयोग ना करें। नहाने के लिए बेसन का प्रयोग हितकारी है। त्वचा का निर्मलीकरण होने से त्वचा रोगमुक्त होती है। इस रोग में धैर्य पूर्वक लंबी चिकित्सा की आवश्यकता होती है। कम से कम 6 से 8 महीने सब्र से दवा लेनी चाहिये।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। डॉक्टर कहता है कि मेरी तापतिल्ली बढ़ गई है। हमेशा पेट सख्त रहता है। खून की कमी है। थकावट जल्दी आ जाती है। हल्का ज्वर भी बना रहता है । आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- प्रभास कुमार, हैदराबाद

उत्तर : तापतिल्ली यानी स्प्लीन आमाशय के पास स्थित लाल रंग की एक पोली ग्रंथि है जो भ्रूण अवस्था में लाल रक्त निर्माण, युवाओं में लसीकाणु - श्वेताणु निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है। यह रक्त भंडारण व लाल रक्ताणुओं की कब्रगाह है। यह उसमें से हिमोग्लोबिन को अलग करती है। तिल्ली को प्लीहा भी कहते हैं। यह विषमज्वर, काला ज्वर, जलोदर, रक्त कैंसर एवं रक्ताल्पता में बढ़ जाती है। इन रोगों को रक्त परीक्षण व विशेष जांच से सुनिश्चित किया जा सकता है ।

बढ़ी हुई तिल्ली और उससे उत्पन्न थकान - कमजोरी का आयुर्वेद में उपचार है। विषमज्वरान्तक लौह टिकियां या ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया व ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया के संग भोजन के बाद उबालकर ठंडे किए पानी से देवें। औरा लिविंझ टेबलेट भी इसमें अतीव हितकारी है। भोजन के बाद रोहितकासव , अमृतारिष्ट, पुनर्नवासव - तीनों की 10-10 मिलीलीटर दवा को 3 गुना पानी में मिलाकर देवें । यह किसी भी प्रकार की प्लीहावृद्धि, उदररोग, गुल्म, रक्ताल्पता, उग्र शोथ व कमजोरी - थकान को दूर करता है। औषध सेवन काल में अचार, तले पदार्थ, तीखे मिर्च मसाले व नमक का परहेज करें । बासी भोजन न करें। दिवाशयन से बचें। अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- उमा महेश्वर नायडू, कोडंगल

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

आरबीआई की मॉनेटरी-पॉलिसी-कमेटी की मीटिंग शुरू

यह तीन दिवसीय बैठक 9-अक्टूबर तक चलेगी, इसमें ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की मीटिंग सोमवार (7 अक्टूबर) से शुरू हो गई है। यह तीन दिवसीय मीटिंग 9 अक्टूबर तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। सरकार ने 1 अक्टूबर को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है।

एमपीसी में 6 सदस्य हैं, जिनमें से तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज हैं।

जबकि, तीन बाहरी सदस्यों की नियुक्ति चार साल के लिए केंद्र सरकार करती है। अभी एमपीसी के बाहरी सदस्यों में प्रोफेसर आशिमा

गोयल, प्रोफेसर जयंत वर्मा और नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिडे हैं। इनका कार्यकाल इसी हफ्ते खत्म हो रहा है। राम सिंह दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर हैं, डॉ. नागेश कुमार इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव हैं। सौगत भट्टाचार्य अर्थशास्त्री हैं।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की पिछली मीटिंग अगस्त में हुई थी

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की पिछली मीटिंग अगस्त में हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अब इस मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है। मीटिंग के फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर 9 अक्टूबर को ही देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25% बढ़ाकर 6.5% की थीं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5% की कटौती की

इससे पहले 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5% की कटौती की थी। चार साल बाद की गई इस कटौती के बाद ब्याज दरें 4.75% से 5.25% के बीच हो गईं। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, ऐसे में इसके सेंट्रल बैंक के हर बड़े फैसले का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है।

2020 से रिजर्व बैंक ने 5 बार में 1.10% ब्याज दरें बढ़ाई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कोरोना के दौरान (27 मार्च 2020 से 9 अक्टूबर 2020) दो बार ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की।

इसके बाद अगली 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50% की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15% पर था।

त्योहारी सीजन में 10,000 करोड़ की खरीदारी करेंगे गौतम अडानी! सीमेंट कारोबार पर है नजर

नई दिल्ली,7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी सीमेंट सेक्टर में बड़ी खरीदारी की तैयारी में हैं। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप ने जर्मनी की कंपनी हीडलबर्ग मैटेरियल्स के भारत में सीमेंट कारोबार को खरीदने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। इस खरीदारी की अगुवाई ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स करेगी। माना जा रहा है कि यह डील 1.2 अरब डॉलर (10,000 करोड़ रुपये) में हो सकती है। यदि यह डील सफल होती है तो इससे इंडस्ट्री में चल रही कंसोलिडेशन की रेस तेज होगी।

देश की की टॉप सीमेंटकंपनी अल्ट्राटेक भी अपनी पोजीशन को बनाए रखने के लिए कंपनियों का अधिग्रहण कर रही है। अडानी ग्रुप अभी देश की दूसरी बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी है। उसने साल 2022 में होलसिम के भारतीय बिजनस को खरीदकर सीमेंट इंडस्ट्री में एंट्री की थी। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप होलसिम की तरह हीडलबर्ग के साथ भी डील को तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। 30 जून, 2024 को अंबुजा सीमेंट्स के पास 18,299 करोड़ रुपये की नकदी समकक्ष थे। हालांकि एक सूत्र ने कहा कि अगर दूसरे दावेदार भी आगे आते हैं तो अडानी ग्रुप इससे बाहर निकल सकता है। जर्मन कंपनी भारत में लिस्टेड हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया और अनलिस्टेड जुआरी सीमेंट के जरिए ऑपरेट करती है।हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया का मार्केट कैप 4,957 करोड़ रुपये है और इसमें 69.39% हिस्सेदारी मूल कंपनी की है। हीडलबर्ग दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादकों में से एक है और 50 देशों में मौजूद है। सूत्रों ने कहा कि हीडलबर्ग हेडक्वार्टर के एक सीनियर अधिकारी अडानी ग्रुप के साथ बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। हालांकि उत्पादन क्षमता को लेकर मतभेद हो सकते हैं। हीडलबर्ग का दावा है कि उसकी क्षमता लगभग 14 मिलियन टन है लेकिन यह कम हो सकती है। यह वैल्यूएशन को प्रभावित कर सकती है।हीडलबर्ग ने साल 2006 में मैसूर सीमेंट, कोचीन सीमेंट और इंडोरामा सीमेंट के जॉइंट वेंचर के अधिग्रहण के साथ भारत में प्रवेश किया था।

खरीदने से पहले जांच लें सोना सस्ता मिलेगा या महंगा, ताजा रेट जानकर घर से निकलें

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना खरीदने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा या नहीं, ये जानकर अगर घर से निकलेंगे तो आपको ही आसानी होगी। इसके जरिए आप आज गोल्ड-सिल्वर खरीदारी का फैसला ले सकते हैं। अमेरिका में जॉब डेटा के बाद इंटरनेशनल मार्केट में इस बात की संभावना हो गई है कि डॉलर में मजबूती देखी जाएगी और इसके चलते कीमती मेटल्स के रेट पर दबाव आ सकता है, जो कि आज कुछ संकेत दिखा भी रहा है।

घरेलू बाजार में जानें सोने-चांदी के दाम

आज के बाजार में अगर आप सोने के दाम देखेंगे तो इसमें गिरावट देखी गई है और ये 76005 पर खुला था जबकि कल 76143 के रेट पर बंद हुआ था। इस समय 76093 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर मिल रहा है। ये रेट एमसीएक्स का है। आज के ट्रेड में सोना 76124 रुपये के उच्च स्तर तक गया था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी इस समय 200 रुपये की गिरावट के साथ 93149 रुपये के रेट पर मिल रहे हैं।

घरेलू बाजार में सोने के रेट जानें

देश के कई शहरों में आज सोने के रेट में गिरावट देखी जा रही है और इसके चलते आपको सोने की खरीदारी के लिए अच्छा समय मिल सकता है। देखिए आपके शहर में सोना कौन से भाव पर बिक रहा है।

दिल्ली में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 220 रुपये गिरकर 77450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

मुंबई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 220 रुपये गिरकर 77450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

कोलकाता में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 220 रुपये गिरकर 77450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

चेन्नई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 220 रुपये गिरकर 77450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

इन चारों मेट्रो शहरों के दाम आज एक समान दिखाई दे रहे हैं।

इंटरनेशनल मार्केट में सोने के दाम क्या हैं?

सोने के दाम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में देखें तो 2664. 10 डॉलर प्रति औंस पर हैं और इनमें आज 0.13 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 32. 278 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है और इसमें 0. 36 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है।

रोज 45 लाख फर्जी कॉल कैंसिल कर रही सरकार

अब खुद-ब-खुद कट जाएंगे ऐसे कॉल, आने है वाला खास प्लान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में इन दिनों डिजिटल क्राइम के कई मामले सामने आ रहे है। कई नामी लोग भी मोबाइल फोन के जरिए होने वाले इस फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में सरकार ने देश और विदेश में बैठे इन अपराधियों को पकड़ने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सूत्रों ने बताया कि दूरसंचार मंत्रालय इन साजिशों को नाकाम करने के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करने जा रहा है, ताकि ऐसे फर्जी कॉल आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची सके।भारत में 120 करोड़ से अधिक लोग मोबाइल फोन तो 95 करोड़ लोग इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं। वहीं, साइबर ठगी या अपराध के लिए इन दिनों रोजाना एक करोड़ से अधिक कॉल विदेश से किए जा रहे हैं। ये साइबर अपराधी अपनी असली पहचान छिपाने के लिए कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं। टेलीकॉम मंत्रालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों की मदद से रोज करीब 45 लाख कॉल को कैंसिल किया जाता है। आम

उपभोक्ताओं की बढ़ती परेशानी को देखते हुए टेलीकॉम विभाग एक प्रणाली विकसित करने जा रहा है। इसकी मदद से विदेश और देश से साइबर अपराध के लिए होने वाले कॉल को पूरी तरह से रोका जा सकेगा। हाल में संचार मंत्रालय ने साइबर अपराध को रोकने के लिए डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) लांच किया गया है, ताकि साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए टेलीकॉम संसाधनों के इस्तेमाल पर रोक लग सके।सरकार ऐसे साइबर अपराध करने वालों को रोकने के लिए एक प्लेटफॉर्म पर सभी टेलीकॉम कंपनियों के साथ, गृह मंत्रालय, 460 बैंक और वित्तीय संस्थाएं, सभी राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस एवं विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों को एक साथ लाएगी, ताकि साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग पर रियल टाइम कार्रवाई की जा सके।

टाटा, बिड़ला और अंबानी रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में उतरने को तैयार

24 बिलियन डालर का है इसका मार्केट

नई दिल्ली,7 अक्टूबर (एजेंसियां)। आपने कभी न कभी किसी रेस्टोरेंट में परिवार के साथ खाना खाया होगा। यह भी सुना होगा कि रेस्टोरेंट यानी खाने के कारोबार में बड़ा फायदा है। शायद इसी वजह से देश के बड़े अरबपति टाटा, बिड़ला और अंबानी भी इस करोबार में एंट्री करने की तैयारी कर रहे हैं। देश में तेजी से बढ़ रहे रेस्टोरेंट सेक्टर का ये उद्योग घराने भी हिस्सा बनना चाह रहे हैं। हालांकि इनका बिजनस मॉडल कैसा होगा, अभी इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

कोविड के बाद बढ़ी रफ्तार

कोविड के समय रेस्टोरेंट इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ा था। लेकिन अब इसमें तेजी से ग्रोथ दिखाई दे रही है। आने वाले समय में इसमें ग्रोथ और तेजी से होने का अनुमान है। ऐसे में कई कॉर्पोरेट इस कारोबार में एंट्री करने की तैयारी में लगे हैं। कह सकते हैं कि रेस्टोरेंट इंडस्ट्री को कॉर्पोरेट बनाने की होड़ शुरू हो गई है। यही कारण है कि आदित्य बिड़ला, रिलायंस और टाटा ग्रुप जैसी प्रमुख कॉर्पोरेट्स इस ऑर्गेनाइज्ड डाइनिंग सेक्टर में प्रवेश कर रहे हैं।

क्या है प्लान?

तीनों ग्रुप (आदित्य बिड़ला, रिलायंस और टाटा) ने रेस्टोरेंट के कारोबार में

उतरने की पूरी तैयारी कर ली है। आदित्य बिड़ला न्यू एज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स ने केए हॉस्पिटैलिटी में 100% हिस्सेदारी हासिल की है। इसके पास घरेलू ब्रांड सीएनसीएन और तीन ग्लोबल रेस्टोरें ब्रांड - याउआत्वा, हक्कासन और नारा के फ्रेंचाइजी राइट्स हैं। एबीएनएएच प्रीमियम सेगमेंट में है। इसने पिछले महीने शेफ राहुल अकेरकर और मुख्तार कुरैशी द्वारा संचालित ओडे और वारसा ब्रांड को भी अपने पोर्टफोलियो में जोड़ा है। वहीं रिलायंस और टाटा ग्रुप ने रेस्टोरेंट में बढ़ती लोगों की संख्या और पसंद को देखते हुए इस सेक्टर में कदम रखा है।

किस ग्रुप का किसे ब्रांड के साथ लिंक?

टाटा ग्रुपः टाटा कंज्यूमर के साथ स्टारबक्स का जॉइंट वेंचर है। स्टारबक्स के देश में लगभग 440 कैफे हैं। इस साल की शुरुआत में स्टारबक्स ने घोषणा की कि वह 2028 तक 1000 कैफे संचालित करेगा। ऐसे में यह भारत में हर तीसरे दिन एक नया स्टोर खोलेगा। रिलायंस ग्रुपः ब्रिटिश कॉफी और सैंडविच चेन प्रेट ए मैन्जर का रिलायंस के साथ फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट है। इसने अप्रैल में अपना 13वां स्टोर खोला था। समझौते के तहत यह अगले 5 वर्षों में 100 स्टोर तक लॉन्च करने की योजना बना रहा है। वहीं रिलायंस रिटेल मिलान स्थित अरमानी/कैफे को भारत में लाया है। भारत का पहला अरमानी/कैफे पिछले महीने मुंबई में खुला था। बिड़ला ग्रुपः यह ग्रुप भारत में फूड और बेवेज ब्रांडों को बढ़ाना चाहता है। ग्रुप ने कहा कि उनकी रणनीति में उनके मौजूदा पोर्टफोलियो को नए बाजारों में विस्तारित करना शामिल है। साथ ही यह ग्रुप नए ब्रांड भी शुरू करना चाहता है।जब इतने बड़े ब्रांड रेस्टोरेंट सेक्टर में उतरने की तैयारी कर रहे हैं तो सवाल उठता है कि आखिर भारत में रेस्टोरेंट का कारोबार कितना बड़ा है। भारत की फूड सर्विस इंडस्ट्री वित्त वर्ष 24 में 65 बिलियन डॉलर की थी। यह एक ऑर्गेनाइज्ड इंडस्ट्री है जो 8% की सीएजीआर से बढ़ रही है। इंडस्ट्री का संगठित हिस्सा (इसमें फाइन, कैजुअल डाइनिंग, कैफे से लेकर क्विक सर्विस रेस्टोरेंट शामिल हैं) वित्त वर्ष 19 में कुल मार्केट का 35% था।

शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे

एफआईआई की बिकवाली से स्टॉक मार्केट तेज गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए ब्लैक मंडे साबित हुआ है।विदेशी निवशकों के तेज बिकवाली के चलते लगातार छठे कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार तेज बिकवाली के साथ बंद हुआ है।बैंकिंग, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स पर सबसे ज्यादा मार पड़ी है।आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स औंधे मुंह जा गिरे।

आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई 638 अंकों की गिरावट के साथ 81050 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 198 अंकों की गिरावट के साथ 24,817 अंकों पर क्लोज हुआ है.

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स की सबसे ज्यादा पिटाई हुई है।निफ्टी बैंक 837 अंकों या 1.63 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।जबकि निफ्टी का एनर्जी इंडेक्स 2.52 फीसदी या 1050 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है।इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के

शेयर गिरकर बंद हुए।निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स भी 1170 अंकों या 2 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 495 अंक या 2.75 फीसदी गिरकर क्लोज हुआ है।केवल आईटी सेक्टर के शेयरों में थोड़ी हरियाली नजर आई है।

निवेशकों को 9 लाख करोड़ का नुकसान

शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है।

बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 452.20 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 460.89 लाख करोड़ रुपये रहा था।आज के कारोबार में निवेशकों की संपत्ति में 8.69 लाख करोड़ रुपये की सेंध लगी है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 7 शेयर तेजी के साथ जबकि 23 गिरकर बंद हुए।निफ्टी के 50 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 40 गिरकर क्लोज हुए।चढ़ने वाले स्टॉक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.46 फीसदी, आईटीसी 1.40 फीसदी, भारती एयरटेल 1.31 फीसदी, इंफोसिस 0.80 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.74 फीसदी, टीसीएस 0.26 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.14 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।जबकि अडानी पोर्ट्स 4.08 फीसदी, एनटीपीसी 3.50 फीसदी, एसबीआई 2.96 फीसदी, पावर ग्रिड 2.92 फीसदी, इंडसइंड बैंक 2.43 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

मुंबई का पहला भूमिगत मेट्रो मार्ग बीकेसी से आरे तक आम जनता के लिए खोला गया, किराया 10 से 50 के बीच

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के पहले अंडरग्राउंड मेट्रो रूट पर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से आरे तक फैले खंड को सोमवार को आम लोगों के लिए चालू कर दिया गया। यह एक्वा लाइन का पहला चरण है। मुंबई मेट्रो लाइन 3 के बीकेसी से आरे तक के खंड पर पहले दिन बड़ी संख्या में लोग यात्रा का अनुभव लेने आए। इस खंड पर आम जनता के लिए मेट्रो सेवा सुबह 11 बजे शुरू की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मुंबई मेट्रो लाइन 3 के बीकेसी से आरे खंड के 12.69 किलोमीटर लंबे प्रथम चरण का उद्घाटन किया। उन्होंने बीकेसी से सांताक्रूज तक और फिर वापस सांताक्रूज से बीकेसी तक यात्रा की। इस दौरान उन्होंने छात्रों, महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहिन योजना की लाभार्थियों और भूमिगत लाइन के निर्माण में शामिल मजदूरों के साथ बातचीत की। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने पहले ही अधिसूचित कर दिया है कि 'एक्वा लाइन' पर मेट्रो का नियमित परिचालन मंगलवार से शुरू होगा। अधिसूचना के अनुसार, ये सेवाएं सोमवार से शनिवार के बीच सुबह साढ़े छह बजे से रात 10.30 बजे तक तथा रविवार को सुबह साढ़े आठ बजे से रात 10.30 बजे तक संचालित की जाएंगी।

आम आदमी को मिलेगी थोड़ी राहत

अब सरकार बेचेगी सस्ते टमाटर, दिल्ली-एनसीआर में 65 रुपए में मिलेंगे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।त्योहारी सीजन सब्जियों के दाम बढ़ते जा रहे है। प्याज के बाद टमाटर के दाम भी आसमान छू रहे है। ऐसे में अब सरकार ने टमाटर को सस्ते दामों पर बेचने का फैसला लिया है। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और सफल के आउटलेट्स के जरिए दिल्ली और आसपास के शहरों में 65 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचे जाने की तैयारी कर रही है। उपभोक्ता मामलों विभाग से जुड़े लोगों का कहना है कि सब्जी मंडी में थोक और खुदरा कीमतों में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। कई व्यापारी बढ़ती मांग को देखते हुए ज्यादा रेट में टमाटर बेच रहे हैं। सरकार ने आम आदमी को राहत देने के लिए ये कदम उठाने जा रही है। इसलिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ थोक बाजारों से टमाटर खरीदकर उचित दरों पर बेच रहा है,

ताकि बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर लगाम लगाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। आम लोगों को राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और सफल के आउलेट्स से सस्ते टमाटर बेचे जाएंगे।

80 रुपए तक पहुंचे टमाटर के रेट

देश के कई शहरों में टमाटर 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। भिंडी, पालक, हरी मिर्च, लौकी के दाम भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	04-44 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	तुला...	06-48 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	08-58 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-12 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-18 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-08 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	16-46 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-23 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-07 बजे
			मिथुन	22-08 बजे
			कर्क--	00-20 बजे
			सिंह---	02-32 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 17-55
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 11-18 तक उपरान्त षष्ठी
मास - आश्विन शुक्ल , मंगलवार 08 October
नक्षत्र - ज्येष्ठा 04 -08 तक उपरान्त मूल
योग - आयुष्मान 06-50 तक उप सौभाग्य
करण- बालव 11-18 तक उप कौलव
विशेष:- नवरात्रि
व्रत -त्योहार - वायुसेना दिवस

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:01 से 16:29 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:11 - 07:37 अशुभ	काल.	17:55 - 19:29 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:06 अशुभ	लाभ	19:29 - 21:01 शुभ
चंचल	09:06 - 10:35 शुभ	उत्पात	21:01 - 22:32 अशुभ
लाभ	10:35 - 12:03 शुभ	शुभ	22:32 - 00:03 शुभ
अमृत	12:03 - 13:32 शुभ	अमृत	00:03 - 01:35 शुभ
काल	13:32 - 15:01 अशुभ	चंचल	01:35 - 03:06 शुभ
शुभ	15:01 - 16:29 शुभ	रोग	03:06 - 04:38 अशुभ
रोग	16:29 - 17:55 अशुभ	काल	04:38 - 06:11 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे ।आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है ।आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप आभूषण या कुछ बहुमूल्य रत्नो या मॉडलिंग या उस तरह के समान पेशे से जुड़े हुए है । आपको अपने व्यापारिक गतिविधियों या किसी समारोह के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है । आपके सफल होने के आसार हैं, इसलिए चिंता छोड़ो और आगे बढ़ो । आपको अपनी उम्मीदों से कहीं अधिक पैसे की प्राप्ति होगी।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

अपने बेकार हो गए प्रयासों से निराश न हो , आपको फिर से खड़े होकर प्रयास और कार्य करने की जरुरत है ! बेशक आपके द्वारा दी गयी जानकारियों से अहम मुद्दों का हल न निकला हो , लेकिन आपको इससे कुछ जटिल विवरणों की एक बेहतर जानकारी मिलेगी । आप आज के दिन का आनंद ले क्यों की अतीत के निवेश से आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हमास के अटैक के सालभर बाद भी इजराइली बस्तियां खाली

लोग बोले– डर से सो नहीं पाते, गाजा में मलबे में दबीं 10 हजार लाशें

तेल अवीव, 7 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मेरी बीवी और बच्चे 49 दिन हमास की कैद में गुजारकर आए हैं। 16 दिन तक एक गंदे बंकर में रहे। वहां रोशनी तक नहीं थी। उनका दम घुटता था। 10 महीने से ज्यादा वक्त हो गया, लेकिन बीवी आज भी उस मेंटल ट्रॉमा से बाहर नहीं निकल पाई है। रात में डरकर उठ जाती है। बच्चे सायरन की आवाज सुनकर सहम जाते हैं।'

इजराइल के योनी एशर और उनके परिवार की जिंदगी 7 अक्टूबर, 2023 के बाद पहले जैसी नहीं रही। इसी दिन शाम करीब 4 बजे हमास के सैकड़ों आतंकी गाजा पट्टी के रास्ते साउथ इजराइल में घुस गए। अंधाधुंध फायरिंग की। 1139 लोगों को मार दिया और 251 लोगों को अगवा करके ले गए। इन्हीं में योनी एशर का परिवार भी था। योनी की पत्नी वीकेंड पर बच्चों के साथ अपनी मां से मिलने गाजा से सटे निर ओज गांव आई थीं। योनी उस वक्त तेल अवीव में थे। उन्हें बीवी-बच्चों के अगवा होने का पता एक वायरल वीडियो से चला।

इस हमले से भड़के इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए। 8 अक्टूबर 2023 के बाद से अब तक गाजा में 41 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी और हमास आतंकी मारे गए हैं। ये जंग एक साल बाद भी चल रही है। गाजा का हाल ऐसा हो गया है कि फिलिस्तीन के पीएम मोहम्मद शतायेह ने इसे 'ब्लड वैली' नाम दे दिया। दावा किया कि अब यहां लाशों को दफनाने की जगह नहीं बची है। इजराइल के नॉर्थ और साउथ बॉर्डर आज भी शांत नहीं हैं। इजराइल और हमास के बीच शुरू हुई जंग अब बढ़ते-बढ़ते लेबनान और ईरान तक पहुंच गई है। एक साल बाद इजराइल और गाजा में क्या हालात हैं? दोनों तरफ के आम लोगों की जिंदगी कितनी बदली? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए हमने वहां रह रहे कुछ लोगों, एक्सपर्ट्स और इजराइली सेना के अफसरों से बात की।

सबसे पहले बात इजराइल की

हमास के आतंकी हमेशा घेरे रहते थे, 49 दिन उनकी कैद में रहा परिवार

तेल अवीव में रहने वाले योनी की पत्नी डोरोन, 5 साल की बेटी रज और 2 साल की बेटी आविव 49 दिन हमास की कैद में रहीं। 24 नवंबर, 2023 को आतंकियों के कब्जे से छूटकर अपने घर पहुंचीं। योनी बताते हैं, 'मेरी पत्नी और बच्चों को दो जगह रखा गया। 16 दिन बंकर में, फिर उन्हें एक हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया। इसे हमास ने एक्सप्लोसिव से घेर रखा था। मेरी पत्नी और बच्चे अब भी नॉर्मल लाइफ नहीं जी पाते। मैं उन्हें नॉर्मल करने के लिए हॉलिडे पर ले जाता हूं, लेकिन उस हादसे की यादें अब भी उन्हें परेशान करती हैं।'

इजराइल ने बॉर्डर से 1.2 लाख लोगों को सेफ जगह शिफ्ट किया

इजराइल की सीनियर जर्नलिस्ट शीर कोरेन बताती हैं, 'हमास के हमले और उससे जंग शुरू होने के बाद इजराइल के साउथ और नॉर्थ एरिया से 1.2 लाख से ज्यादा लोगों को सेफ जगह पर शिफ्ट किया गया है। साउथ में तो ज्यादातर घर अब खाली हैं। लोगों के सामान अब भी यार्ड में बिखरे पड़े हैं। हालांकि, हमास के खिलाफ लड़ाई को पूरे देश का सपोर्ट है।'

'7 अक्टूबर को हुए नरसंहार के एक साल बाद इजराइल के लोग एक तरह से नई जिंदगी जी रहे हैं। रोज जंग का खतरा रहता है। हमास की कैद में रह रहे बंधकों की जिंदगी को लेकर डर रहता है। उनके परिवार के लोगों के लिए हर दिन डरावना है।'

'हमास के हमले ने पूरे मिडिल ईस्ट को अस्थिर कर दिया है। नॉर्थ इजराइल में हिजबुल्लाह, लेबनानी उग्रवादी समूह और ईरान के सपोर्ट वाले आतंकी रॉकेट और मिसाइल से हमले कर रहे हैं। बॉर्डर के दोनों ओर रहने वाले खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बॉर्डर एरिया में बीच सड़क पर कॉन्क्रीट की 20 फीट ऊंची प्रोटेक्टिव वॉल बनाई गई है।' 'इजराइल का मकसद ईरान के सपोर्ट से चल रहे आतंकी संगठन हिजबुल्लाह, हमास, इराकी मिलिशिया और यमन में हूती संगठनों को खत्म करना है। ईरान पहले से न्यूक्लियर हथियार बनाने के करीब है। अगर ईरान और इजराइल के बीच जंग होती है, तो इसके नतीजे भयावह होंगे।' शीर आगे कहती हैं, 'इजराइल ने हिजबुल्लाह पर हमले कर उसके चीफ हसन नसरल्लाह समेत कई बड़े लीडर्स को मार गिराया। 20 सितंबर को हिजबुल्लाह की लड़ाकू यूनिट राडवान ब्रिगेड के कमांडर इब्राहिम अकल को मार डाला।'

सिर्फ 17% इजराइली लोगों को सरकार पर भरोसा

शीर कोरेन बताती हैं, 'पिछले एक साल के दौरान कई सर्वे हुए। इनमें दावा किया गया कि युद्ध खत्म करने के लिए सरकार की कोशिशों से लोग निराश हैं। इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के एक सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 17% इजराइलियों ने सरकार पर भरोसा जताया। हमास, हिजबुल्लाह के बाद ईरान के हमलों ने भारतीयों में तनाव बढ़ा दिया है। उन्हें लगता है कि अगर ईरान ने युद्ध शुरू किया, तो हालात खराब हो सकते हैं। बहुत से भारतीय अब लौटने के बारे में सोच रहे हैं।

नरेन बताते हैं, 'लोगों की सुरक्षा के लिए इजराइल डिफेंस फोर्स ने नया सिस्टम डेवलप किया है। मिसाइल से अटैक होने पर हमारे फोन पर एक से दो मिनट पहले ही अलर्ट आ जाता है। फिर सायरन बजने लगते हैं। हमारे पास खुद को सेफ करने और बंकर तक पहुंचने के लिए 30 सेकेंड होते हैं। ये बहुत कारगर सिस्टम है। हम लोगों को समझा रहे हैं कि वे डर की वजह से इजराइल न छोड़ें।'

'हिजबुल्लाह ने अब तक अपने सबसे हाईटेक वेपन सिस्टम यानी स्पेसिफिक गाइडेड मिसाइलों का इस्तेमाल शुरू नहीं किया है। 25 सितंबर को उसने तेल अवीव के पास इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर्स की तरफ कादिर-1 मिसाइल दागी थी। मिसाइल को इजराइली एयर सेफ्टी सिस्टम ने रोक दिया।'

गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, गाजा में 7 अक्टूबर से अब तक 41 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। ये गाजा की आबादी का करीब 2% है। इजराइली सेना के मुताबिक, इनमें 17 से 18 हजार हमास के लड़ाके थे। यूनाइटेड नेशन की एक संस्था ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि अब भी 10 हजार फिलिस्तीनियों की डेड बॉडीज मलबों के नीचे दबी हैं। इन्हें निकालने में तीन साल लग सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गाजा पट्टी के आधे घरों को नुकसान पहुंचा है या वे पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। इसमें 80% कॉमर्शियल सेंटर्स और 85% स्कूल हैं। गाजा के 90% लोगों को घर छोड़ना पड़ा। जून में जारी यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में खाना जुटाना चुनौती बन गया है। यहां के 50,000 बच्चे गंभीर कुपोषण का शिकार हैं। गाजा का हेल्थ सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। इजराइल की बमबारी में गाजा के ज्यादातर अस्पताल तबाह हो चुके हैं। इजराइल दावा करता रहा है कि गाजा के हॉस्पिटल आतंकियों के लिए सेफ प्लेस हैं। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की अप्रैल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि युद्ध से पहले यहां डायरिया के मामले 25 गुना बढ़े हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप की रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अक्टूबर से अब तक इजराइलियों ने फिलिस्तीनियों पर 1 हजार से ज्यादा हमले किए। 2024 में इजराइल सरकार ने फिलिस्तीन की 9 वर्ग मील से ज्यादा जमीन कब्जा कर ली। 1990 के दशक में हुए ओस्लो समझौते के बाद से कब्जा की गई ये सबसे ज्यादा जमीन है।

एक सर्वे रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिलिस्तीनियों के बीच हमास के लिए अब भी 36% सपोर्ट है। उसके प्रतिद्वंद्वी ग्रुप 'फतह' को 21% लोग सपोर्ट करते हैं। वॉर से पहले फतह के पास इससे ज्यादा समर्थन था।

इजराइल डिफेंस फोर्स के स्पोक्सपर्सन रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि हमने गाजा-मिस्र बॉर्डर के आसपास बफर जोन पर कंट्रोल कर लिया है। इसे फिलाडेल्फिया कॉरिडोर कहा जाता है। इसका मतलब है कि अब हम गाजा के पूरे लैंड बॉर्डर को कंट्रोल कर रहे है।'

डेनियल बताते हैं, 'सेना ने राफा और गाजा में ऑपरेशन जारी रखा है। इसमें आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले भी शामिल हैं। इजराइली एयरफोर्स भी एक्शन में है। हम अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। हमास सिर्फ संगठन नहीं, विचार है। हमें उस विचार को खत्म करना है।'

आईडीएफ के स्पोक्सपर्सन बताते हैं, '7 अक्टूबर, 2023 के बाद हमने अपनी 'आयरन वॉल' को और ज्यादा मजबूत किया है। ये एक स्मार्ट फेंसिंग तकनीक है। इसमें हाई फ्रीक्वेंसी के सेंसर सिस्टम, ऑटोमेटिक मशीन गन और वॉच टावर शामिल हैं।'

'गाजा पट्टी के हर इंच पर ड्रोन, सैटेलाइट और स्पाई बलून के जरिए निगरानी की जा रही है। फिलिस्तीनी आतंकी समूह फेंसिंग के ऊपर से रॉकेट दागने की कोशिश करते हैं। इससे मिसाइल डिफेंस सिस्टम निपटता है। इसे हम 'आयरन डोम' कहते हैं।'

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल गाजा को आतंकियों से मुक्त कराना चाहता है। सभी इजराइली बंधकों के रिहा होने तक संघर्ष जारी रहेगा। इस बीच, यमन के हूती विद्रोहियों ने हमास का समर्थन करते हुए इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। वे लाल सागर में इजराइली जहाजों पर हमला कर रहे हैं।

मिसाइल और ड्रोन अटैक की वजह से नवंबर, 2023 में इजराइल को ईलाट पोर्ट बंद करना पड़ा। सितंबर, 2024 में हूती विद्रोहियों ने सेंट्रल इजराइल पर मिसाइल हमला किया। इसके अलावा लेबनान की उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की बमबारी से 60 हजार से ज्यादा इजराइली विस्थापित हुए हैं।

इजराइल-हमास जंग के एक साल

इजराइल

मौत	घायल
1,139	8,730

मारे गए लोगों में विदेशी नागरिक भी शामिल

इजराइली नागरिक	विदेशी नागरिक	सिक्योरिटी फोर्स
1,139	71	373 मेंबर

गाजा

मौत	घायल
41, 788	96, 794
लापता	मारे गए हमास मेंबर
10 हजार से ज्यादा	17,000 से 18,000

बच्चे गंभीर कुपोषण के शिकार

50,000

7 अक्टूबर 2023 से 3 अक्टूबर 2024 तक के आंकड़े

पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच मुठभेड़

लातेहार के बोखाखाड़ जंगल में चली 100 राउंड गोलियां, दो जवान घायल

लातेहार, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार में सोमवार की सुबह पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से 100 राउंड से अधिक गोलियां चली हैं। इस मुठभेड़ में झारखंड पुलिस के दो जवान घायल हुए हैं। दोनों घायल जवानों को तत्काल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना सदर थाना क्षेत्र के तरवाडीह पंचायत के बोखाखाड़ जंगल की है। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा अपने दस्ते के साथ जंगल में घूम रहा है। इस सूचना पर पुलिस की ओर से सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान नक्सलियों ने पुलिस को देखते फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। मुठभेड़ में झारखंड जगुआर के दो जवान को गोली लगी है।

घायल जवानों में चाईबासा के रहने वाले राम सिंह सुरीन और पलामू के रहने वाले नरेंद्र पांडेय हैं। गोली लगने के बाद दोनों घायल जवानों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. सुनील भगत और डॉ भारद्वाज नारायण चौधरी ने प्राथमिक इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि दोनों जवान के दाहिने पैर में गोली लगी है। इसमें राम सिंह सुरीन के पैर के तलवे में गोली फंस गई है। जबकि नरेन्द्र पांडेय को घुटने के नीचे गोली लगी है। गोली निकाल दी गई है। लातेहार थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि बोखाखाड़ जंगल में 15 से 20 के संख्या में नक्सली दो घर में ठहरे हैं।

नशा खुरानी गिरोह के तीन गिरफ्तार

आरपीएफ ने की कार्रवाई, गिरोह में महिला भी शामिल

धनबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। नशा खुरानी गिरोह एक बार फिर से सक्रिय हो रहे हैं। ताजा मामला धनबाद स्टेशन का है जहां आरपीएफ की गठित स्पेशल टीम ने धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म से नशा खुरानी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर जीआरपी के हवाले कर दिया गया है। जीआरपी पुलिस अब आगे की कार्रवाई में जुट गई है। गिरफ्तार आरोपियों में दो पुरुष समेत एक महिला है। बताया जा रहा है तीनों एक ही फैमिली से है। तलाशी में इनके पास से यात्रियों से चुराए जेवरात,कपड़े नशे की गोली आदि चीजें बरामद हुई है। इनकी गिरफ्तारी से एक अन्य कांड का भी उद्भेदन हो गया। दरअसल, पिछले दिनों धनबाद कोडरमा के बीच इसी गिरोह ने एक यात्री को कोल ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश कर उनके पास से दो अंगूठी, एक मोबाइल फोन, 25 हजार नकद, एटीएम कार्ड पेन, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस लेकर रफू चक्कर हो गए थे। होश में आने पर यात्री ने डेहरी में जी आर पी में सामान की चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी तथा वह लगातार धनबाद आरपीएफ और जीआरपी के सम्पर्क में था। आज नशा खुरानी गिरोह के पकड़े जाने की जानकारी मिलने पर पहुंचा और आरोपियों के पास से बरामद अपने शर्ट की पहचान होने के बाद यह सामने आया कि इसी गिरोह ने इनके समानों की चोरी कर ली थी। हालांकि कपड़े के अलावा यात्री का चुराया अन्य कोई सामान बरामद नहीं हो सका है। सीनियर कमांडेंट अनुराग मीणा ने बताया कि लगातार आरपीएफ की टीम नशा खुरानी गिरोह पर नजर रख रही है।

बस्ती वालों ने 'गुंडे' को पीट-पीटकर मार डाला

शराब पिलाकर तलवार, कुल्हाड़ी, डंडे से किया हमला, परेशान होकर रची साजिश

भिलाई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक बदमाश को बस्ती के लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। महिलाओं सहित 25-30 लोगों ने मिलकर तलवार, कुल्हाड़ी और डंडों से उस पर हमला कर दिया। इसके बाद खुद पुलिस को सूचना दी। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मारे गए आरोपी बदमाश की पहचान हथखोज बस्ती निवासी सुरेंद्र विश्वकर्मा उर्फ आशिक (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही 26 लोगों को हिरासत में लिया है।

दरअसल, रविवार शाम 5 बजे के करीब सुरेंद्र विश्वकर्मा उर्फ आशिक बस्ती के पास ही स्थानीय निवासी प्रमोद गबेल नाम से मिला। उसने प्रमोद को रोका और शराब पीने के लिए पैसे मांगे। आरोप है कि प्रमोद ने पैसा ना होने की बात कही तो सुरेंद्र उसे बुरी तरह पीटा और भगा दिया।

थोड़ी देर बाद प्रमोद अपने साथी बहादुर और रामायण के साथ लौटा। उन्होंने सुरेंद्र से कहा कि वे शराब के लिए पैसा लाए हैं। इस तरह बस्ती के लोगों से मारपीट मत किया करो। सुरेंद्र ने पैसों से शराब मंगाई और तीनों से कहा कि वे लोग भी साथ बैठकर शराब पिएं। इसके बाद सभी ने शिव मंदिर के पास साथ बैठकर शराब पी। शराब पीने के बाद तीनों जैसे ही वहां से जाने लगे तो आरोप है कि सुरेंद्र ने तलवार निकाली और बहादुर पर हमला कर दिया। इस पर प्रमोद ने बहादुर को धक्का दिया और वह भाग निकला। इसके बाद तीनों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर पहले से ही घात लगाए बैठे कॉलोनी के करीब 25-30 लोग वहां पहुंच गए। बताया जा रहा है कि इसमें करीब 10-15 महिलाएं भी थीं। सभी के हाथ में लाठी, कुल्हाड़ी, दरांती जैसे हथियार थे। पहुंचते ही उन्होंने सुरेंद्र पर हमला कर दिया। कुल्हाड़ी आंख के ऊपर और तलवार सिर के पिछले हिस्से में लगी, जिससे सुरेंद्र उर्फ आशिक वहीं गिर पड़ा। पुलिस का कहना है कि सुरेंद्र उर्फ आशिक का इतना आतंक हो गया था कि बस्ती के लोग काफी परेशान थे। प्रमोद गबेल से मारपीट के बाद ही परिवार और बस्ती वालों ने हत्या की साजिश रची थी। आशिक चोर को मरा समझने के बाद बस्ती के लोगों ने खुद पुलिस को देर रात फोन किया।

छत्तीसगढ़िया डेयर डेविल की फायर जंप

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में सेना के जवान अपने करतब दिखा रहे हैं। एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर ने पहुंचकर सलामी दी। इसके बाद गोरखा रेजिमेंट ने डांस परफॉर्म किया। इससे पहले घुड़सवारों और डेयर डेविल टीम ने अपने करतब दिखाए। भारतीय सेना के नो योर आर्मी प्रदर्शनी का आज (सोमवार को) अंतिम दिन है।

साइंस कॉलेज मैदान में 5 अक्टूबर को शुरू हुई इस प्रदर्शनी के समापन समारोह में राज्यपाल रामेन डेका पहुंचे हैं। सैनिकों ने यहां बाइक स्टंट, खुखरी डांस, कमांडो सर्जिकल स्ट्राइक जैसे चीजें मैदान में दिखाई हैं। टैंक टी-90 को भी लोगों ने देखा। कमांडोज के इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार इजराइल और रशिया की गन्स भी दिखाई गई।

हवलदार अब्दुल हमीद ने 1965 की जंग में खेमकरण सेक्टर में अमेरिका के अजेय समझे जाने वाले एक-दो नहीं बल्कि 8 पैटर्न टैंक को आरसीएल गन से उड़ा दिया था। इसके बाद वीरगति को प्राप्त हुए थे। इसके लिए मरणोपरांत सेना के सर्वोच्च पदक परमवीर चक्र से उन्हें नवाजा गया। अब्दुल हमीद का भर्ती सेंटर जबलपुर सेंट्रल था। उस वक्त उस जंग से जुड़ी सभी निशानियां जिसमें आरसीएल गन, टोपी, दूरबीन, गोले का बैग, यूनिफॉर्म के साथ ही साथ उनके हाथों लिखी चिट्ठियां आज भी जबलपुर सेंट्रल के म्यूजियम की शोभा बढ़ाती हैं। शहीद अब्दुल हमीद गाजीपुर के धामुपुर गांव में 1 जुलाई 1933 को जन्मे थे।

धूमधाम से निकली गाय की अंतिम यात्रा

सजी गाड़ी में शव, बजता रहा बैंड-बाजा, लोगों ने दी श्रद्धांजलि, महिलाओं की आंखें हुई नम

कवर्धा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी कवर्धा में एक गाय की मौत के बाद धूमधाम से बैंड बाजे के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। मोहल्ले के लोगों ने गाय के दर्शन कर उसे श्रद्धांजलि दी। फिर रीति-रिवाज के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, सोमवार सुबह गौ-पालक राजू पांडे के घर पर लंबे समय से बीमार चल रही एक गाय की मौत हो गई। उन्होंने अपनी गाय की हरसंभव सेवा की थी। इसलिए गाय की अंतिम यात्रा सम्मानपूर्वक निकालने की सोची। एक नई पहल करते हुए राजू ने बाकायदा सजी हुई गाड़ी में गाय की अंतिम यात्रा निकाली। अंतिम यात्रा में न केवल गो पालक राजू पाण्डेय का परिवार शामिल हुआ, बल्कि मोहल्लेवासी भी अंतिम दर्शन और विदाई में पहुंचे। इस दौरान गाय के प्रति लोगों का प्रेम और सम्मान इस कदर देखने मिला कि, अनेक महिलाओं की आंखे नम थीं। राज्य में किसी भी परिवार के सदस्य की मृत्यु पर उसके शव पर सफेद या पीला कपड़ा डालने की परंपरा है।

झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर लागू होगा एनआरसी

रांची, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव को साधने के लिए बीजेपी जुट गई है। दो दिन पहले पार्टी ने अपने पंच प्रण जारी किए हैं, जिसमें पार्टी ने महिलाओं और युवाओं को साधने का प्रयास किया है। अब चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि झारखंड में बीजेपी की सरकार बनी तो एनआरसी लागू करेंगे। राज्य में नागरिकता का रजिस्टर बनेगा और विदेशी घुसपैठियों को चुन चुनकर बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में होने वाला चुनाव सिर्फ किसी को मुख्यमंत्री बनाने का नहीं है। ये 'रोटी', 'बेटी' और 'माटी' की रक्षा का चुनाव है, इनकी रक्षा करना हमारा संकल्प है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से झारखंड की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है।

ट्रेन डिरेल कराने की साजिश

ट्रैक जॉइंट के पास रखा बड़ा पत्थर, बड़े हादसे से बची शालीमार कुर्ला एक्सप्रेस

चाईबासा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों से ट्रेन हादसे कराने को लेकर साजिश के कई मामले आ चुके हैं। इस बार झारखंड के चाईबासा में ट्रेन डिरेल कराने की कोशिश की गई। जिले के सोनुआ रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के जॉइंट पॉइंट संख्या 101ए और 102बी पर किसी ने बड़ा पत्थर रख दिया। हालांकि, समय रहते रेलवे की पेट्रोलिंग टीम ने उसे ट्रैक से हटा लिया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। जानकारी के मुताबिक, जिस समय अधिकारियों को ट्रैक पर पत्थर होने की सूचना मिली, उस समय अप लाइन पर शालीमार कुर्ला एक्सप्रेस आने वाली थी। सूचना मिलने के बाद चक्रधरपुर रेल रूट के अप और डाउन पर ट्रेनों का परिचालन 20 मिनट के लिए रोक दिया गया। बीते एक सप्ताह में ये दूसरी बार है जब पटरी पर पत्थर रख कर उसे डिरेल कराने की घटना सामने आई है। इससे पहले बीते मंगलवार को भी इसी लोकेशन पर एक बड़ा पत्थर रखा गया था।

रायपुर निगम सामान्य सभा, अवैध दुकानों पर हंगामा

सरकार से बिना मंजूरी लिए निकाला टेंडर, भाजपा पार्षद मांग रहे हिसाब, सदन में जोरदार हंगामा

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक चल रही है। सामान्य सभा में निगम कार्यालय के बगल में बनी 3 दुकानों को लेकर भाजपा पार्षद दल ने सत्ता पक्ष को घेरा। निगम पर व्यवस्थापन के नाम पर अवैध रूप से दुकानें बनाने का आरोप है। निगम ने भू-अभिलेख शाखा की जमीन पर दुकानें बनाई हैं।

कांग्रेस पार्षदों ने भी एमआईसी को घेरा। शासन से मंजूरी लिए बिना दुकानों का टेंडर जारी कर दिया गया। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर दुकानों को व्यवस्थापन देने के लिए 3 दुकानें बना दी गईं। अवैध निर्माण के मामले में निगम अधिकारी और एमआईसी बुरी तरह घिर गए। इसके अलावा एजेंडा क्रमांक 23 को सर्वसम्मति से खारिज कर दिया गया। इसमें कांजी हाउस की दुकान के लीज नवीनीकरण का मामला था। मामले में निगम अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया गया है। पार्षदों ने आरोप लगाया कि षडयंत्रपूर्ण तरीके से एजेंडा सामान्य सभा में लाया गया। कांग्रेस और भाजपा पार्षदों ने अधिकारी को निलंबित करने की मांग की है। आयुक्त और सभापति ने अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। सामान्य सभा की बैठक में टिकरापारा के पास स्थित नरैया तालाब में सौंदर्यीकरण करने के लिए 10 करोड़ का प्रस्ताव पर चर्चा की जा रही है। इससे पहले यह प्रस्ताव मेयर इन काउंसिल की बैठक में पास हो गया है।

कवर्धा कांड, भूपेश ने जारी की 167 लोगों की सूची

पूर्व सीएम बोले– साहू समाज के 137 लोग, बिना विवेचना हुई एफआईआर, क्या फांसी दिलाना चाहती है सरकार?

रायपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कवर्धा कांड में 167 लोगों की सूची जारी की है। जिनके खिलाफ बिना विवेचना के एफआईआर दर्ज की गई है। बघेल ने कहा कि, यह एफआईआर की कॉपी उन्हें किसी माध्यम से मिली है, सरकार एफआईआर कॉपी सार्वजनिक करे। दरअसल, कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बघेल ने कहा कि, 137 लोग साहू समाज के हैं। जिनके खिलाफ गंभीर धाराएं लगी है। सरकार बताए इनके खिलाफ एफआईआर हुई या नहीं। वहीं, आजीवन कारावास और मृत्युदंड की धाराओं में अपराध दर्ज है। क्या सरकार 167 लोगों को फांसी दिलाना चाहती है?

बघेल ने कहा कि, भारतीय दण्ड संहिता के तहत धाराएं लगाई गई। 103 ए हत्या का, 102 (2), मॉब लिंचिंग से हत्या, 238 (ए) 191 बी दंगा कराना जैसे आधा दर्जन से अधिक धाराएं लगाई गई। 69 लोगों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार किए गए लोगों में 5 लोग मृतक कचरू साहू का पोस्टमार्टम कराने मध्यप्रदेश गए थे, उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। इससे लगता है, बिना विवेचना की इतनी सारी धाराएं लगाई गई। जो लोग नहीं थे, उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है। भूपेश बघेल ने कहा कि, अभी परसों ही मैंने लोहारीडीह के मामले में पांच सवाल पूछे थे। परिवार वालों ने पोस्टमार्टम की मांग की है।

चीन ने एक ही इमारत के अंदर बसा दिया शहर

दुनिया की सबसे बड़ी रिहायशी बिल्डिंग में रह रहे 20 हजार लोग

बीजिंग, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन के इंजीनियर अपनी प्रतिभा से समय-समय पर दुनिया को चौंकाते रहे हैं। एक बार फिर चीन की एक इमारत चर्चा में आई है। ये इमारत चीन के कियानजियांग सेंचुरी शहर में बनी है, जिसका नाम रीजेंट इंटरनेशनल बिल्डिंग है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी आवासीय इमारत माना जाता है। इस बिल्डिंग में 20 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। यानी चीन की इस अकेली इमारत में एक बड़े कस्बे जितनी आबादी रह रही है। चीन की इस खास इमारत का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है।

रीजेंट इंटरनेशनल 675 फुट ऊंची इमारत है जो एस आकार में बनी है। दरअसल इसे एक लग्जरी होटल के हिसाब से डिजाइन करते हुए बनाया गया था।बाद में इसे एक विशाल रिहायशी अपार्टमेंट वाली इमारत में बदल दिया गया। इस समय 39 मंजिला इस इमारत में हजारों की संख्या में अपार्टमेंट हैं, जिनमें 20,000 से ज्यादा लोग रह रहे हैं।

इस इमारत को इसलिए भी खास माना जाता है, क्योंकि इसमें रहने वालों को तकरीबन सभी सुविधाए यहीं पर मिल जाती हैं। इमारत के अंदर ही विशाल फूड कोर्ट, स्विमिंग पूल, किराना स्टोर, सलून, नेल सैलून और कैफे जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस बिल्डिंग के निवासियों को इमारत के अंदर अपनी जरूरत की हर चीज मिल सकती है, इसलिए यहां रहने वालों को 'सेल्फ कंटेंड कम्युनिटी' कहा जाता है।

इस इमारत के बारे में दिलचस्प बात यह है कि यहां अभी और भी लोगों की जगह है। इस इमारत की अधिकतम क्षमता करीब 30,000 लोगों की है। फिलहाल इसमें 20 हजार लोग रहे रहे हैं यानी अभी इस इमारत में 10,000 लोग और आ सकते हैं। इंडियन टेक एंड इंफ्रा नाम के एक्स हैंडल से इस इमारत का एक वीडियो शेयर किया गया है।

वेटर की नौकरी के लिए कतार में दिखे हजारों भारतीय छात्र

डराने वाले वायरल वीडियो से बढ़ी चिंता

ओटावा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में कथित तौर पर वेटर और सर्वर के पदों के लिए इंटरव्यू के लिए लाइन में लगे लगभग 3,000 छात्रों को दिखाया गया है।

कनाडा से वायरल हो रहे एक वीडियो ने चिंता बढ़ा दी है, जिसमें कथित तौर पर भारत से आए छात्रों की लंबी लाइन दिख रही है, जो ब्रैम्पटन, कनाडा में तंदूरी फ्लेम रेस्तरां के बाहर कतार में खड़े हैं। इस वीडियो ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों, खासकर कनाडा में पढ़ाई या काम करने के इच्छुक छात्रों के लिए अवसरों के बारे में अलग ही बहस छेड़ दी है। इस वीडियो को मेघ अपडेट्स की तरफ से सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया गया है, जिसमें कैप्शन दिया गया है, कनाडा से डरावना दृश्य, जब ब्रैम्पटन में एक नए रेस्तरां के विज्ञापन के बाद वेटर की नौकरी के लिए 3,000 छात्र (ज्यादातर भारतीय) कतार में खड़े हैं। ट्रूडो के कनाडा में भारी बेरोजगारी? गुलाबी सपनों के साथ भारत छोड़कर कनाडा जा रहे छात्रों को गंभीर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। हालांकि इस वायरल वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी है, लेकिन ऑनलाइन इसे लेकर खूब चर्चा की जा रही है। कुछ लोगों ने आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेश जाने के समय के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स अब राष्ट्रपति चुनाव में देंगी भागीदारी

आईएसएस से इस तरह कर सकेंगी मतदान

वॉशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुनीता विलियम्स एक और इतिहास बनाने के लिए तैयार हैं। वह अपने सहयोगी बुच विल्मोर के साथ कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसी हुई हैं। ऐसे में उन्होंने आगामी पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपना योगदान देने की इच्छा जाहिर की है। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से ही मतदान देकर एक इतिहास रचेंगी।

विलियम्स वर्तमान में आईएसएस के कमांडर के रूप में फिलहाल काम कर रही हैं। वह धरती की सतह से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहते हुए अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करेंगी। अंतरिक्ष सेंटर से वोटिंग कोई नई बात नहीं है। नासा के एस्ट्रोनॉट्स 1997 से अपने देश का नेता चुनने के लिए मतदान करते आ रहे हैं। तब टेक्सास विधानमंडल ने नासा के अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा से मतपत्र डालने की अनुमति देने वाला एक विधेयक पारित किया था।

अब नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता भी अंतरिक्ष-आधारित मतदाताओं के एक चुनिंदा समूह में शामिल होंगी। बता दें, सबसे पहले डेविड वुल्फ ने मीर स्पेस स्टेशन पर रहते हुए वोट दिया था। उसके बाद हाल ही में 2020 के चुनावों के दौरान केट रूबिन्स ने आईएसएस से मतदान किया था। अपना वोट डालने के लिए, विलियम्स एक ऐसी प्रक्रिया का पालन करेंगी जिसका उपयोग अन्य अमेरिकी नागरिकों द्वारा विदेशों से मतदान करने के लिए किया जाता है। ऑर्बिटिंग लैबोरेट्री से स्पेस सेंटर में बैठे अंतरिक्ष यात्री इलेक्ट्रॉनिक बैलट की मदद से वोटिंग करते हैं। सैटेलाइट फ्रीक्वेंसी की मदद से इलेक्ट्रॉनिक मतपत्रों को स्पेस स्टेशन भेजा जाएगा और फिर अंतरिक्ष यात्री अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे। वोट डालने के बाद इलेक्ट्रॉनिक मतपत्रों को वापस धरती पर भेजा जाता है।

कौन हैं आमने-सामने?

बता दें, इस साल अमेरिका में पाच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। रिपब्लिकन की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैदान में हैं। जबकि डेमोक्रेट्स की ओर से उप राष्ट्रपति कमला हैरिस चुनावी दौड़ में शामिल हैं।

दुर्गा पूजा को लेकर हिंदुओं में दहशत

बंद दरवाजों में पंडाल लगाने को मजबूर, कट्टरपंथी दे रहे धमकी

ढाका, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा को लेकर कट्टरपंथियों की धमकी के बाद हिंदू डरे हुए हैं। इसके चलते बांग्लादेश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय में दुर्गा पूजा को लेकर जोश फीका पड़ गया है। बांग्लादेश में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच ढाका में राम कृष्ण मिशन ने इस साल कुमारी पूजा नहीं मनाई है। इसके बाद मिशन ने मुख्य पूजा को खुले में न करने का फैसला किया है। यह पूजा अब सभागार के अंदर ही मनाई जाएगी। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस (टीएनआईई) ने अपनी रिपोर्ट में इस बारे में जानकारी दी है। ढाका में अल्पसंख्यकों के लिए काम करने वाले एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने नाम न बताने की शर्त पर टीएनआईई को बताया कि 'कट्टरपंथियों ने किसी भी तरह के साउंड का इस्तेमाल न करने की चेतावनी जारी की है। इससे पूरे देश में हिंदू डरे हुए हैं।' कार्यकर्ता ने बताया कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए राम कृष्ण मिशन में दुर्गा पूजा सभागार के अंदर आयोजित की जाएगी।

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने दुर्गा पूजा के दौरान माइक न लगाने के साथ ही किसी भी तरह के संगीत वाद्ययंत्र के इस्तेमाल को लेकर भी धमकी दी है। पूजा समितियों को पंडाल लगाने के लिए 5 लाख टका फिरौती के रूप में देने की मांग की जा रही है। इन कट्टरपंथियों को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की मौन सहमति मिली हुई है। कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश के गृह मंत्री ने भी इसी के सुर में सुर मिलाते हुए हिंदुओं से दुर्गा पूजा में नमाज के पहले साउंड और पूजा रोकने की बात कही थी।

5 अगस्त को शेख हसीना के ढाका छोड़ने के बाद से बांग्लादेश के कुल 72 में से 62 जिलों में हिंदुओं को निशाना बनाकर 2010 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

डेमोक्रेट नेता टिम वाल्ज ने इजरायल का किया समर्थन

युद्ध तेज होने पर आत्मरक्षा के अधिकार की कही बात

वाशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज ने एक इंटरव्यू में इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया हैं। बता दें कि आज इजरायल पर हमास के हमले की पहली बरसी है, आज के ही दिन इजरायल में भीषण नरसंहार हुआ था। डेमोक्रेटिक नेता टिम वाल्ज की राय इसलिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका बयान, एक साल पहले 7 अक्टूबर को, इजरायल में हुए नरसंहार की पहली बरसी से ठीक एक दिन पहले आई है। इस साल नवंबर की शुरुआत में होने वाले अमेरिकी आम चुनावों से पहले इंटरव्यू देते हुए, टिम वाल्ज ने इजरायली बंधकों को रिहा करने और गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने का आह्वान किया, लेकिन उन्होंने कहा कि ईरान इसके केंद्र में है, उन्होंने उनके प्रॉक्सी को पूरे क्षेत्र में व्यवधान लाने वाला भी बताया हैं। अल जजीरा के अनुसार, टिम वाल्ज ने इजरायल-हमास संघर्ष के प्रति अधिक समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाया है। इस साल की शुरुआत में मार्च में, उन्होंने मिनेसोटा पब्लिक रेडियो से कहा, इजरायल को खुद का बचाव करने का अधिकार है, और 7 अक्टूबर की क्रूरता अस्वीकार्य है, लेकिन फलस्तीन के नागरिकों को इसमें फंसाया जाना बंद होना चाहिए। वहीं उपराष्ट्रपति की बहस के दौरान भी, यह देखा गया था। वाल्ज ने कहा, इजरायल की खुद का बचाव करने की क्षमता बिल्कुल मौलिक है, और गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करना है। टिम वाल्ज की राय इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक अमेरिकी सेना में सेवा की है।

इजरायल में अमेरिका की भूमिका पर उनके विचार, जैसा कि वे कहते हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए वहां स्थिर नेतृत्व की एक पूर्ण, मौलिक आवश्यकता है। उन्होंने व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के साथ डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों को गर्म करने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है, उन्होंने कहा कि इससे गठबंधन को एक साथ रखने में अस्थिरता आती है। अपने साक्षात्कार में, उन्होंने कहा, हमने हमेशा कहा है कि हम क्षेत्र में अपने सहयोगियों, अमेरिकी सैनिकों की रक्षा करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं, और ईरान के लिए इसके परिणाम होंगे। वहीं एक समाचार वेबसाइट की तरफ से किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 39 प्रतिशत अमेरिकी लोग भावी उपराष्ट्रपति के रूप में वाल्ज के बारे में अनुकूल छवि रखते हैं।

कराची में विस्फोट, 2 चीनी इंजीनियरों की मौत

बलूच विद्रोहियों ने हमले की जिम्मेदारी ली, चीन ने अपराधियों को सजा देने की मांग की

कराची, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट के पास हुए एक विस्फोट में कम से कम 2 चीनी नागरिकों की मौत हो गई है। बीबीसी के मुताबिक इस घटना में एक चीनी नागरिक घायल भी है। हमले में कुल कितने लोग मरे हैं इसकी अभी जानकारी नहीं मिली है।

पाकिस्तान में स्थित चीन के दूतावास ने इसे एक आंतकी हमला बताया है। चीनी दूतावास ने अपने बयान में कई स्थानीय लोगों के घायल होने का भी जिक्र किया है। दूतावास ने कहा कि ये हमला सिंध प्रांत में एक बिजली प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले को निशाना बनाकर किया गया। ऐंबैसी ने पाकिस्तान से इस हमले की जांच करने और अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। चीनी ऐंबैसी ने कहा, हम पाकिस्तान के साथ मिलकर इस हमले के जो नतीजे सामने आए हैं उनको संभालने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

पाकिस्तानी अलगाववादी आतंकवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। समूह का कहना है कि उन्होंने चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के काफिले को अपना निशाना बनाया था। कराची पुलिस के प्रवक्ता गुलाम महेसर ने कहा कि विस्फोट से एक टैंकर में आग लग गई, जिससे आस-पास मौजूद गई गाड़ियां जल गईं। धमाके वाला इलाका आमतौर पर वीआईपी प्रोटोकॉल वाहनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। विस्फोट एयरपोर्ट से बाहर जाने वाली सड़क पर हुआ। फिलहाल अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अगस्त में अलग-अलग आतंकी हमले में कम से कम 73 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली थी। इसके बाद पाकिस्तानी आर्मी ने बयान जारी कर बताया कि बलूचिस्तान में जवाबी कार्रवाई में 21 आतंकियों को भी ढेर कर दिया। इसी साल मार्च में पाकिस्तान में चीन की मदद से बनाए जा रहे ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी (जीपीए) पर आतंकी हमला हुआ था। ग्वादर के कॉम्प्लेक्स में कई धमाके और फायरिंग हुई। यहीं एक पासपोर्ट ऑफिस भी था, जो धमाके में तबाह हो गया। 8 आतंकी भी मारे गए थे।

हमास के हमले का एक साल: सिनवार ने आग लगाकर रची साजिश

नेतन्याहू ने सूझबूझ से कैसे पलट दिया पूरा खेल

तेल अवीव, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक साल पहले 7 अक्टूबर, 2023 को हथियारों से लैस हमास लड़ाकों ने इजरायल में घुसपैठ करते हुए अंधाधुंध फायरिंग की थी और करीब 1200 लोगों को बेरहमी से मार डाला था। हमास के इस हमले ने ना सिर्फ इजरायल बल्कि दुनिया को चौंका दिया था। इजरायल ने इस बड़ी सुरक्षा विफलता के तुरंत बाद गाजा में युद्ध का बिगुल फूंक दिया। एक साल में इस युद्ध ने सिर्फ इजरायल और गाजा ही नहीं पूरे पश्चिम एशिया में काफी कुछ बदल दिया है। ऐसे में ये सवाल खासतौर से पूछा जा सकता है कि याह्या सिनवार और हमास को हमले से क्या हासिल हुआ।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट कहती है कि हमास प्रमुख याह्या सिनवार ने इजरायल में हमले के लिए पूरी तैयारी की थी और साजिश के तहत ये अटैक कराया था। हमास ने गाजा में एक बड़ा सुरंग नेटवर्क तैयार किया था, जो 300 मील से ज्यादा लंबा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के लिए आम नागरिकों को सुरक्षा ढाल की तरह इस्तेमाल करने का प्लान बनाया गया। इस सब तैयारी के बाद हमास प्रमुख याह्या सिनवार ने इजरायली जमीन पर हमला करके आग भड़काई, जिससे वह फायदा लेना चाहता था लेकिन इसका अंजाम शायद वैसा नहीं हुआ, जैसा उसने सोचा था। इजरायल नेअपने हिसाब से एक स्क्रिप्ट लिखी और बढ़त बना ली।

रिपोर्ट कहती है कि इजरायल के खिलाफ सिनवार का युद्ध दो धारणाओं पर आधारित था। एक उसे उम्मीद थी कि ईरान अपने उद्देश्य के लिए 'प्रतिरोध की धुरी' का पूरा समर्थन करेगा। दूसरा ये कि इजरायल का जवाबी हमला भारी अंतरराष्ट्रीय आक्रोश पैदा करेगा, जिससे अमेरिका भी कदम उठाने को मजबूर हो जाएगा। ये सिनवार का अरब नेताओं को इजरायल के खिलाफ भड़काने और मुस्लिम दुनिया को साथ लाने के लिए लगाया दांव भी हो सकता है। हालांकि ये साफ है कि उसकी तिकड़म ठीक नहीं बैठी। सिनवार की सोच के उलट इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इस संकट को इजरायल के सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने का एक अभूतपूर्व अवसर माना। इजरायल ने बीते एक साल में महत्वपूर्ण सामरिक और रणनीतिक जीत हासिल की है। गाजा और लेबनान से आगे बढ़ते हुए नेतन्याहू ईरान में शासन परिवर्तन के बारे में सार्वजनिक रूप से टिप्पणी कर रहे हैं। कहा जा सकता है कि युद्ध के एक साल बाद आज इजरायल लाभ में दिख रहा है। इजरायल के इस एक साल के युद्ध में अरब दुनिया में कोई निरंतर और स्वतःस्फूर्त विरोध नहीं हुआ है। किसी भी सरकार ने इस मुद्दे पर इजरायल के साथ संबंध नहीं तोड़े। यहां तक कि आर्थिक परिणाम भी सीमित रहे हैं। वहीं इजरायल को ना सिर्फ गाजा बल्कि लेबनान में भी कामयाबी मिली है।

हाइड्रोलिक लिफ्ट, जो पानी से चलती थी, मिस्र के पिरामिड बनाने में हुआ था खास मशीन का इस्तेमाल

नई रिसर्च में दावा

काहिरा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनियाभर के पुरातत्वविदों और इतिहासकार इस पर रिसर्च करते रहे हैं कि आखिरकार प्राचीन मिस्रवासियों ने पिरामिड बनाने के लिए किस तरह की निर्माण तकनीकों का इस्तेमाल किया होगा। दशकों से मिस्र के पिरामिडों के बारे में अलग-अलग सिद्धांत पेश किए जाते रहे हैं। इस पर अब एक नई रिसर्च सामने आई है, जो कहती है कि पिरामिड बनाने में वजन उठाने के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट तकनीक की मदद ली गई थी। एक नई रिसर्च के मुताबिक, मिस्र के सबसे पुराने पिरामिड के निर्माण में काफी उन्नत तकनीक की मशीन इस्तेमाल की गई थी। इस मशीन को चलाने के लिए पानी का इस्तेमाल किया जाता था। ऑनलाइन जर्नल पीएलओएस वन में पब्लिश रिसर्च में सक्कारा में जोसर के प्रसिद्ध स्टेप पिरामिड के निर्माण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों का पता लगाने की बात कही गई है। ये पिरामिड 13,189 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैला है और 62.5 मीटर ऊंचा है। 4,500 साल पुराना ये पिरामिड अपने समय की सबसे खास संरचनाओं में से एक है। नई रिसर्च पिरामिड बनाने में हाइड्रोलिक लिफ्ट प्रणाली के इस्तेमाल का दावा करती है। अभी तक विशेषज्ञ पिरामिड निर्माण के दौरान भारी पत्थरों को सिसकाने के लिए परस्पर जुड़े रैंप और लीवर के इस्तेमाल का दावा करते रहे हैं। फ्रांस के सीईए पैलियोटेक्निक इंस्टीट्यूट के जेवियर लैंडरेउ कहते हैं कि प्राचीन मिस्रवासियों ने भारी पत्थरों को हटाने के लिए पावर लिफ्टों के लिए पास की नहरों का उपयोग किया होगा। नए विश्लेषण के आधार पर पता चलता है कि पानी को दो शाफ्टों के माध्यम से पिरामिड में निर्देशित किया गया था, जिससे बड़े पत्थर के खंडों को ले जाने वाले फ्लोट को ऊपर और नीचे करने में मदद मिली। शोध में कहा गया है, 'प्राचीन मिस्रवासी अपनी अग्रणी हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग के लिए प्रसिद्ध हैं, जो सिंचाई के लिए नहरों और बड़े पैमाने पर पत्थरों के परिवहन के लिए नावों का उपयोग करते थे। स्टेप पिरामिड को 2680 ईसा पूर्व में तीसरे राजवंश के फिरौन जोसर की अंत्येष्टि परिसर के तौर पर बनाया गया था। इसे कैसे बनाया गया, ये आज तक एक्सपर्ट के लिए एक चुनौती रहा है।

नया शोध हाइड्रोलिक लिफ्ट तकनीक की बात कहता है लेकिन रिसर्च टीम ये भी स्वीकार करती है कि अभी आगे की जांच की आवश्यकता है। अभी ये भी देखा जाना बाकी है कि यह हाइड्रोलिक प्रणाली कैसे काम करती होगी और क्या उस समय क्षेत्र का वातावरण इस तरह की पद्धति के लिहाज से ठीक था।

मॉर्गन मैकस्वीनी बनें स्टार्मर सरकार के चीफ ऑफ स्टाफ

विद्या अलाकेसन–जिल कथबर्टसन की भी पदोन्नति

लंदन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपनी लेबर पार्टी के 100 दिन के कार्यकाल को चिह्नित करने के लिए एक नए चीफ ऑफ स्टाफ की नियुक्ति की। दरअसल, सू ग्रे ने स्टार्मर सरकार में चीफ ऑफ स्टाफ के पद से इस्तीफा दे दी। लेबर पार्टी के पूर्व अभियान निदेशक मॉर्गन मैकस्वीनी नए चीफ ऑफ स्टाफ बनेंगे। बता दें कि मेकस्वीनी ही पीएम स्टार्मर की जीत के मास्टरमाइंड थे। उनकी नियुक्ति के साथ राजनीतिक निदेशक विद्या अलाकेसन और सरकारी संबंध निदेशक जिल कथबर्टसन को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में पदोन्नत किया जा रहा है। डाउनिंग स्ट्रीट पॉलिसी यूनिट के निदेशक निन पंडित को स्टार्मर का प्रधान निजी सचिव नियुक्त किया गया है। स्टार्मर ने एक बयान जारी करते हुए कहा, मैं अपनी टीम में इस प्रतिभाशाली अनुभवी लोगों को शामिल कर वास्तव में बहुत खुश हूं। यह उस परिवर्तन को को लाने के प्रति मेरे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है जिसके लिए देश ने मतदान किया था। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्र और क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करने में सू ग्रे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं खुश हूं कि वह अभी भी हमारी सरकारके कार्यों का समर्थन कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डाउनिंग स्ट्रीट के जूनियर स्टाफ असंतुष्ट थे। जब स्टार्मर और उनकी कैबिनेट पार्टी के धनी डोनरों से उपहार स्वीकार करने के आरोपों से जूझ रहे थे तो कुछ लोगों ने मीडिया में लीक का सहारा लिया था। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 100 दिनों से भी कम समय में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार को अराजकता में डाल दिया गया। उन्होंने अपना चीफ ऑफ स्टाफ खो दिया।

कपूरथला के व्यक्ति की इटली में मौत

दो माह से चर्च में पड़ा शव, सोशल मीडिया से मिली जानकारी, 5 साल पहले गया था विदेश

कपूरथला, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में कपूरथला के कस्बा नडाला से पांच साल पहले उज्ज्वल भविष्य के लिए इटली गए 40 वर्षीय व्यक्ति मनजीत सिंह की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दो महीने से भारत में उसकी अपने परिवार से फोन पर बात नहीं हो पा रही थी। सोशल मीडिया में परिवार को उसकी मौत दो माह पहले होने का पता चला तो उन पर दुखों पहाड़ टूट पड़ा। जब मनजीत का शव दो माह से इटली की चर्च में पड़ा होने के बारे में परिवार को मालूम हुआ। मृतक मनजीत सिंह की मां हंस कौर ने बताया कि उसका बेटा मनजीत सिंह इटली के लतीना शहर में रहता था। लेकिन पिछले दो माह से उसकी अपने बेटे से फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई है। आज उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला कि उसकी मौत तो लगभग दो माह पहले ही हो गई थी और उसका शव इटली के चर्च में रखा हुआ है। मृतक मनजीत सिंह के परिवार ने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि उनके बेटे के शव को भारत लाने में मदद की जाए।

चीनी हैकर्स ने उड़ाई अमेरिका की नींद

दूरसंचार कंपनियों के डेटा में लगाई सेंध, वायरटैपिंग को किया प्रभावित

वॉशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन के हैकर्स ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया। हैकर्स ने कई अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों में सेंध लगा दी है। इससे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी जांचकर्ताओं को संदेह है कि इन हैकर्स ने वायरटेप वारंट रिक्वेस्ट्स की एक्सेस हासिल कर ली है। हालांकि, कितना नुकसान हुआ है और कितनी सूचनाएं चोरी हुई हैं, यह अभी जांच का विषय है। हैकर्स ने अमेरिका के बड़े ब्रॉडबैंड और इंटरनेट सर्विसेज को निशाना बनाया है। इसमें एटी एंड टी, वेरिजोन और लूमेन जैसे नाम शामिल हैं। अमेरिकी टेलीकॉम इंडस्ट्री में यह सभी बड़े नाम हैं। वहीं, अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने ऐसी किसी बात से इनकार किया है। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच साइबर जासूसी के मामलों को लेकर पहले ही काफी तनाव है। अमेरिकी दूरसंचार उद्योग देश के इंटरनेट और फोन संचार की रीढ़ है। इसके चलते यह अक्सर सरकारी हैकर्स के निशाने पर रहता है। इन दूरसंचार कंपनियों के पास बड़ी मात्रा में कॉलर और यूजर्स का डेटा होता है। अमेरिकी कानूनी एजेंसियां भी अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा जांच के दौरान इस डेटा का इस्तेमाल करती हैं। इस मामले से अवगत सूत्रों ने बताया कि चीन के हैकर्स ने कई अमेरिकी टेलीकॉम फर्म्स में सेंध लगाई है। हैकर्स ने शायद संवेदनशील जानकारियों की खोज में सेंधमारी की है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो सकती है। अमेरिकी जांचकर्ताओं का मानना है कि हैकर्स ने वायरटैप वारंट अनुरोधों तक पहुंच हासिल की हो सकती है। अधिकारियों का मानना है कि एटी एंड टी, वेरिजोन और लुमेन जैसी प्रमुख ब्रॉडबैंड और इंटरनेट प्रदाताओं को निशाना बनाया गया है। वॉशिंगटन डीसी में स्थित चीनी दूतावास ने कहा कि उनके देश के हैकर इसमें शामिल नहीं हैं।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले में उलझन के बीच विभाग की बड़ी गलती आई सामने

अब भजनलाल सरकार लेगी एक्शन

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। गहलोत राज में बनाए गए राजस्थान के नए जिलों में उलझन की बीच हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ में जलदाय विभाग ने बड़ी ने गलती कर दी। ऐसे में भजनलाल सरकार अब अधिकारियों पर बड़े एक्शन की तैयारी में है।

दरसअल, बहरोड़ में बिना पानी की लाइन बिछाए ठेकेदार को 11.94 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। मामले में लिप्त तत्कालीन अधिशासी और सहायक अभियंता के खिलाफ कार्रवाई के लिए कोटपूतली-बहरोड़ अधीक्षण अभियंता से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांग चुके हैं। लेकिन आज तक रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। इसे राजस्थान सरकार ने गंभीर माना है और कोटपूतली-बहरोड़ अधीक्षण अभियंता के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर ली है।

बता दें कि साल 2013 में बहरोड़ में सुचारू सप्लाई के लिए नलकूपों के पाइप और पंपसेट बदले जाने थे। लेकिन ठेकेदार ने बहरोड़ के तत्कालीन अधिशासी अभियंता अशोक कुमार व सहायक अभियंता रामकिशोर यादव से मिलीभगत कर नलकूप में पुराने पाइप डाल दिए। कई जगह तो पाइप लाइन ही नहीं बिछाई।

उसने डीआई और एचडीपीई पाइप लाइन बिछाना बता कर 11.94 करोड़ रुपए का भुगतान उठा लिया। कोटपूतली-बहरोड़ अधीक्षण अभियंता से रिपोर्ट मांगी गई लेकिन नहीं भेजी गई। इससे दोनों अभियंताओं को आरोप पत्र नहीं दिए जा सके और उन्हें पदोन्नति भी दे दी गई।

मंत्री जोगाराम पटेल का पलटवार

तीव्र गति से हो रहे हैं फैसले इसलिए समझ नहीं पा रहे

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत और कांग्रेस पार्टी को राजस्थान का तेजी से होता विकास हजम नहीं हो पा रहा है। वे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रदेश के विकास के एजेंडे में अड़ंगे डालने का काम कर रहे हैं।

पटेल ने कहा कि पेपरलीक के दोषियों पर कार्रवाई, युवाओं को रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों को सम्मान, जल उपलब्धता के लिए मजबूत फैसले और बिजली में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम और अब 90 हजार नियुक्तियों का कैबिनेट फैसला देख कर अशोक गहलोत की नींद उड़ी हुई है।

उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि ऐसे शानदार फैसले एक किसान मुख्यमंत्री कैसे तीव्र गति से कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत और कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा जनता को झूठे बयानों से बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता उनके फरेब में आने वाली नहीं है क्योंकि गहलोत और डोटासरा के चेहरे को वो अच्छी तरह पहचानती है।

पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत की बातों को सुन कर एक ही कहावत याद आ रही है, खुद मियां फजीहत औरों को नसीहत। अगर पांच साल उन्होंने जनता के कामों पर ध्यान दिया होता तो आज विपक्ष में नहीं बैठना पड़ता।

पूरा कार्यकाल सरकार बचाने की जोड़-तोड़ में निकाल दिया। सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए जयपुर और जैसलमेर के होटलों में सरकार और कांग्रेस के विधायक बन्द रखे गए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कारनामों की परतें तो उनके जमूरे आए दिन दिल्ली में जांज एजेंसियों के सामने उधेड़ रहे हैं।

इस कारण बौखलाहट में किसान मुख्यमंत्री को अपमानित करने पर उतारू हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि गहलोत राजस्थान में लगातार पूरी हो रही बजट घोषणाओं, संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत काम पूरे होने से मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता से ध्यान भटकाना चाहते हैं। कांग्रेस के मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्होंने कैसे अप-डाउन कराई थी, जो जग जाहिर है।

कांग्रेस के 5 साल के कारनामों से प्रदेश का विकास डाउन ही नहीं रसातल में चला गया। अब मात्र 10 माह में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।

नागौर दौरे पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी

कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों पर दिए अहम संकेत

अजमेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कौशल विकास, उद्यमिता एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी आज नागौर के दौरे पर रहे। नागौर के दौरे पर आए केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कौशल विकास के तहत रोजगार के अवसरों को लेकर बड़ी बात कही। मंत्री ने कहा कि पीएम कौशल विकास योजना के फेज-4 में फ्यूचर स्किल को हम बदलेंगे। रोबोटिक, एआई, पर्यावरण बदलाव से जुड़े कोर्स को बढ़ावा देंगे। इससे नौजवानों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

पीएम विश्वकर्मा योजना में राजस्थान के प्रदर्शन की जयंत चौधरी ने सराहना की है और कहा कि इस योजना में राजस्थान में बहुत अच्छा काम किया है और 61 हजार लोग इससे लाभांवित हुए हैं। नागौर दौरे पर केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी के नागौर आगमन पर सम्मान समारोह रखा गया। मंत्री जयंत चौधरी मुकाम से नागौर पहुंचे, जहां आमजन के साथ बैठक की। मंत्री का स्वागत हुआ। इसके बाद राज्यमंत्री जयंत चौधरी खरनाल के लिए निकले, जहां वीर तेजाजी महाराज दर्शन के बाद दोपहर 3 बजे जोधपुर के लिए प्रस्थान किया।

देशभर में एक हजार आईटीआई होंगी अपग्रेड

केंद्रीय कौशल विकास को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने आईटीआई के संबंध में एक बड़ी बात कही। जयंत चौधरी ने कहा कि देशभर की एक हजार आईटीआई को अपग्रेड किया जाएगा। इन आईटीआई को नए संसाधन से लेकर नई तकनीक से मजबूत किया जाएगा, ताकि यहां कोर्स करने वाले छात्र अच्छी तरीके से कोर्स कर सकें और अपनी स्किल के अनुसार रोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकें।

केंद्रीय स्कूलों के प्रस्ताव पहुंचे सरकार के पास

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता के साथ-साथ शिक्षा राज्य मंत्री का दायित्व संभाल रहे जयंत चौधरी ने केंद्रीय स्कूलों के नए प्रस्तावों को लेकर भी महत्वपूर्ण बात बताई। राजस्थान में नागौर को लेकर उन्होंने कहा कि राजस्थान भर से नए केंद्रीय स्कूलों को लेकर सरकार के पास प्रस्ताव पहुंचे हैं। वहीं, नागौर के भी नए केंद्रीय स्कूलों के प्रस्ताव पहुंचे हैं। सरकार इन पर गंभीरता के साथ विचार कर रही है।

बढ़ने लगा डेंगू का प्रकोप, बच्चों पर सबसे ज्यादा असर

दो सप्ताह में आए दो हजार से ज्यादा मामले

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य में डेंगू और डेंगू जैसी मिलती-जुलती बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बच्चों पर इसका प्रभाव सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। राज्य के अस्पतालों में आने वाले ऐसे मरीजों में से 15% को भर्ती करना पड़ रहा है। हाल के दो हफ्तों में ही 2200 से अधिक नए डेंगू केस दर्ज किए गए हैं, जबकि पूरे सीजन में अब तक 5301 मामले सामने आ चुके हैं। जयपुर के जेके लोन और जयपुरिया अस्पतालों के वार्ड पूरी तरह से भर गए हैं, जहां 80% मरीज डेंगू, स्क्रप टाइपस से पीड़ित हैं।

डेंगू के गंभीर मामले बढ़ रहे हैं

शिशु रोग विशेषज्ञ और वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दीपेन्द्र गर्ग ने बताया कि ओपीडी में आने वाले बच्चों में तेज बुखार और डेंगू के लक्षण मिल रहे हैं, जिनमें से 15% को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति माता-पिता की लापरवाही के कारण हो रही है, जो बच्चों में बुखार, पेट दर्द और उल्टियों के लक्षणों को नजरअंदाज कर रहे हैं और देर से इलाज के लिए आ रहे हैं। इस वजह से बच्चों के प्लेटलेट्स खतरनाक स्तर पर गिर रहे हैं, कुछ मामलों में यह आंकड़ा 20,000 से भी नीचे पहुंच चुका है, हालांकि ऐसे बच्चों का इलाज एसडीपी चढ़ाए बिना भी किया जा रहा है।

डॉ. गर्ग के अनुसार बच्चों में फिलहाल सीवियरिटी कम है लेकिन सतर्क रहने की आवश्यकता है। कई बच्चों में उल्टी, पेटदर्द और ब्लीडिंग की समस्या आ रही है, जिससे डी-हाइड्रेशन के मामले भी सामने आ रहे हैं। दीपावली तक का समय इस बीमारी के लिए सबसे खतरनाक हो सकता है क्योंकि इस दौरान डेंगू और मलेरिया के सबसे ज्यादा केस देखने को मिलते हैं।

किसकी गलती से गई 5 लोगों की जान?

नो एंट्री में भी कैसे घुसा ओवरलोड डंपर

दौसा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट शहर के बस स्टैण्ड पर एक ओवरलोड डंपर ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया और राहगीरों को कुचलता हुआ तीन बाइक व एक निजी बस को टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्री समेत 5 जनों की मौत हो गई, जबकि 10 जने घायल हो गए। 9 घायलों को जयपुर व दौसा रैफर किया गया। डंपर में करीब 62 टन रोड़ी भर रखी थी। जबकि उसकी क्षमता केवल 35 टन (ट्रक के वजन सहित) ही थी। इसलिए उसके ब्रेक हो गए और हादसे का कारण बना। ज्यादा रोड़ी भरने के लिए डंपर को मॉडिफाई भी करवा रखा था। भारी वाहनों के लिए सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक नो एंट्री होने के बावजूद डंपर भीड़ वाले क्षेत्र में प्रवेश कर गया। हादसे के बाद डंपर का ओवरलोड मामले में चालान भी कर दिया गया।

सीएम भजनलाल ने प्रशासन को दिए निर्देश

इस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा कि 'दौसा जिले में हुए भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित एवं त्वरित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

ढलान में अनियंत्रित हो गया डंपर

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि दौसा की ओर से आ रहा एक डंपर घाटी की ढलान में अनियंत्रित हो गया और रोड पर मौजूद वाहनों व राहगीरों को टक्कर मार दी। हादसे में रेवड़मल पुत्र गेंदालाल महावर निवासी रालावास व उनकी बारह साल की बेटी लक्ष्मी, महेशचंद शर्मा (40) पुत्र देवनारायण निवासी बसंत विहार कॉलोनी दौसा, रामहरि योगी (42) पुत्र लोहड़ची, चौथी मीना (40) निवासी बामनहेड़ी, रामगढ़ पचवारा की मौत हो गई। डंपर चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। उधर, खनन विभाग ने डंपर को जब्त कर लिया है। डंपर जयपुर ग्रामीण के हाथीपुरा से सवाईमाधोपुर जा रहा था।

पारिवारिक झगड़े के बीच पहुंचा पुलिस जाप्ता

तो परिवार ने पुलिस पर ही कर दी फायरिंग

बारां, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारां के सीसवाली थाना क्षेत्र में पुलिस पर फायरिंग का मामला सामने आया है। जिले के महुआ गांव के एक परिवार की ओर से दर्ज रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आरोपी को पकड़ने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी परिवार के सदस्यों ने पुलिस पर लाठियां से हमला कर घायल कर दिया। जिसमें कार भी क्षतिग्रस्त हो गई और पुलिस को वापस लौटना पड़ा। ऐसे में पुलिस अतिरिक्त जाप्ते के साथ आज सुबह फिर आरोपियों को पकड़ने पहुंची। तभी परिवार के लोगों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में पुलिसकर्मी पोखाराम पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि सूचना के तत्काल बाद अतिरिक्त जाप्ता भेजा गया है। पुलिस पर फायरिंग के बाद खेतों में भाग रहे चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद मांगरोल व अंता थाने की पुलिस भी गांव में मौजूद है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी भी गांव के लिए रवाना हो चुके थे तथा स्वयं पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच रहे है। गोलीबारी की घटना सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। इधर, फायरिंग में घायल जवान को उपचार के लिए कोटा रेफर किया गया है।

44 दिन के अंदर चौथी बार ट्रेन पलटाने की साजिश?

ओवरब्रिज पर खुली मिली रेल पटरी की जॉइंट प्लेट

बीकानेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में ट्रेन बेपटरी करने की एक और साजिश का मामला सामने आया है। बीकानेर शहरी क्षेत्र में चौखूंटी ओवरब्रिज के नीचे रेल पटरी की जॉइंट प्लेट खुली मिली। हालांकि, जागरुक लोगों के शोर मचाने पर प्लेट खोल रहे युवक भाग छूटे। इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों और आरपीएफ को दी गई। रेलवे ने इसकी जांच शुरू कर दी है। बता दें कि राजस्थान में 44 दिन के अंदर चौथी बार ट्रेन पलटाने की साजिश का मामला सामने आया है। सामाजिक संगठन के रोहिताश्वर बिस्सा के मुताबिक शाम करीब 5 बजे वह ओवरब्रिज के नीचे से पटरी पार कर दूसरी तरफ जा रहा था। इस दौरान कुछ दूरी पर रेलवे पटरी पर दो युवक पटरी का जॉइंट खोल रहे थे। आवाज लगाई, तो रेल पटरी से छेड़छाड़ कर रहे युवक भाग निकले। मौके पर जाकर देखा, तो रेल पटरी की जॉइंट प्लेट एक तरफ से खोल दी गई थी। केवल एक नट ही खोलना शेष था।

उन्होंने रेलवे अधिकारियों से सम्पर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नो रिप्लाई मिला। इस पर उन्होंने पास की वर्कशॉप से कुछ लोगों को बुलाया और रेल पटरी की प्लेटों के नट कसने शुरू किए। साक्ष्य के तौर पर वीडियो भी बना लिया। कुछ देर बाद लाइनमैन और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। उन्होंने रेल पटरी के जॉइंट को ठीक कर दिया। वहीं, पुलिस देर रात तक अज्ञात युवकों की पहचान में जुटी रही। हालांकि, अभी तक जॉइंट प्लेट खोलने वालों का पता नहीं चल पाया है।

बता दें कि राजस्थान में 44 दिन के अंदर ट्रेन पलटाने की साजिश का ये चौथा मामला है। इससे पहले 8 सितंबर की रात अजमेर के सरधना और बांगड़ ग्राम रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर सीमेंट के ब्लॉक रखकर ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश हुई थी। ट्रेन का इंजन सीमेंट ब्लॉक को तोड़ते हुए आगे निकल गया था। हालांकि, बड़ा हादसा टल गया था। 28 अगस्त को बारां के छबड़ा में मालगाड़ी के ट्रैक पर बाइक का स्क्रैप फेंका गया था। मालगाड़ी का इंजन बाइक के कबाड़ से टकरा गया था। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई थी। वहीं, 23 अगस्त को पाली में अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के ट्रैक पर सीमेंट के ब्लॉक रखे गए थे। लेकिन, कोई जनहानि नहीं हुई थी।

मेहंदीपुर बालाजी पुलिस के हत्थे चढ़े बांदीकुई फायरिंग के बदमाश

विशेष अभियान चलाकर की धरपकड़

दौसा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांदीकुई शहर में पिछले दिनों कुछ अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर शहर में दहशत फैलाने का प्रयास किया था, जिसमें गैंग सरगना अजहर मोईन मलिक उर्फ आशू मलिक व देवराज गुर्जर उर्फ गोलू को वारदात में काम ली अवैध पिस्टल और कारतूस समेत लूटी गई मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मेहन्दीपुर बालाजी थाना अधिकारी गौरव प्रधान के नेतृत्व में एक टीम द्वारा 6 अक्टूबर को बदमाश अजहर मोईन मलिक उर्फ आशू मलिक पुत्र रईसउद्दीन और देवराज उर्फ गोलू पुत्र रामसिंह को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि आरोपियों ने बांदीकुई में आगरा फाटक पर एक कार चालक पर अज्ञात फायरिंग कर कार लूटने का प्रयास किया था और आगे जाकर एक मोटर साइकिल सवार को रोककर उसकी गाड़ी छीनकर ले भाग गए थे। आगे भी उन्होंने अन्य राहगीरों के साथ पिस्टल लगाकर पर्स छीनने की कोशिश की थी। मेहंदीपुर बालाजी पुलिस के थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि बांदीकुई की घटना के बाद थाना इलाके में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ गहन अभियान चलाकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों की तलाश शुरू की गई थी, जिसके बाद मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है।

नमकीन के पैसे मांगने पर फायरिंग, फिर होटल के काउंटर पर पर्ची छोड़ मांगी 50 लाख की फिरौती

सीकर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांवट कस्बे के बाइपास तिराहे पर स्थित श्री श्याम होटल में 50 लाख रुपए की फिरौती देने की मांग को लेकर बदमाशों ने फायरिंग की है। जीप से आए अज्ञात बदमाशों ने श्याम होटल में नमकीन मांगी। होटल मालिक ने नमकीन देने के बाद पैसे मांगे तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। बदमाशों ने दो राउंड फायर किए। बदमाशों ने एक हवाई फायर किया और दूसरी गोली होटल की दीवार पर लगी।

जानकारी के अनुसार रात्रि बाइपास स्थित श्याम होटल पर जीप से तीन बदमाश होटल में आए। एक बदमाश होटल के बाहर रुक गया और दो होटल में आए और काउंटर में बैठ होटल मालिक राकेश सामोता से नमकीन मांगी। होटल मालिक सामोता ने नमकीन दे दी और बदमाशों ने पैसे फोन पे करने की बात कही। नमकीन लेकर बदमाश होटल के बाहर जाने लगे और पैसे फोन पे नहीं किए तो होटल मालिक राकेश ने पैसे मांगे। पैसे मांगने पर एक बदमाश ने हवाई फायर किया और दूसरे फायर में गोली होटल की दीवार पर जा लगी।

दहशत में होटल का स्टाफ

फायरिंग से होटल मालिक सहित स्टाफ दहशत में आ गया। बाद में बदमाश जीप लेकर फरार हो गए। सूचना पर काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। घटना की जानकारी होटल मालिक ने खंडेला पुलिस को दी। सूचना पर खंडेला पुलिस उपाधीक्षक इनसार अली व कार्यवाहक थानाधिकारी रमेश मीणा मौके पर पहुंचे और वारदात की जानकारी जुटाई। होटल पर फायरिंग की घटना के बाद मालिक ने पुलिस को सूचना दी। लेकिन सूचना के एक घण्टे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। होटल के काउंटर पर बदमाशों द्वारा छोड़ी गई फिरौती की पर्ची में एमजी ग्रुप 6565 व आजाद ग्रुप का हवाला देते हुए फिरौती की मांग की गई। पर्ची में तीन युवकों के नाम लिखे थे जिनमें संदीप सोलेत उर्फ सुखा प्रीतमपुरी, अमित उर्फ लक्की बहरोड, मनोज उर्फ पांडु प्रागपुरा लिख 50 लाख की फिरौती मांगी गई। फिरौती नहीं देने पर पर्ची में घर जलाने की धमकी भी दी गई। पर्ची में यह भी लिखा कि फिरौती की कोटपूतली जेल से मांग हुई हैं। लोग सलटा (निपटा) सकते हैं। हम कौन हैं जिसका पता कर लेना। ये सब पर्ची में लिखकर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया हैं।

दो माह में दूसरी घटना

करीब 2 माह पहले भी बदमाशों ने एक ज्वेलर्स की दुकान पर चिट्ठी फेंककर 10 लाख की फिरौती मांगी थी। हालांकि इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। लेकिन इन दिनों इलाके में बदमाशों का ख़ौफ है।

नीमकाथाना जिला बनने के बाद से कांवट इलाके का थाना थोई की बजाय अब खंडेला थाना लगता है। पूर्व में थोई थाना कांवट से 8 किमी दूर ही था, लेकिन अब खंडेला थाना कांवट से 22 किमी दूर स्थित है। ऐसे में दूरी अधिक होने से घटना की सूचना के बाद भी पुलिस समय से मौके पर नहीं पहुंच पाती है।

नशे में धुत बदमाशों ने युवक के सिर पर फोड़ी 6 बोतलें, गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया

अलवर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के अरावली विहार थाना अंतर्गत इंदिरा गांधी स्टेडियम के समीप कल दोपहर तीन कुख्यात बदमाशों ने शराब के नशे में एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सोनावा निवासी 29 वर्षीय विनोद सैनी शिवाजी पार्क में मजदूरी कर दोपहर में खाना खाने के लिए अपने घर आ रहा था, तभी रास्ते में स्टेडियम के समीप पड़ोसी विजयपाल, अजीत और पवन ने उसे घेर लियाऔर उसके सिर पर पहले कातले से वार किया और उसके बाद ताबड़तोड़ 6 बोतलें उसके सिर पर फोड़ डाली। गौरतलब है कि स्टेडियम के पीछे ही शराब का ठेका है, जहां आए दिन शराब पीकर खुलेआम गुंडागर्दी होती है। बड़ी बात तो यह है कि पुलिस थाना भी स्टेडियम के पास ही है लेकिन इसके बावजूद यहां इस तरह की गुंडागर्दी आम बात हो चुकी है।

पीड़ित विनोद सैनी का कहना है कि किसी पुरानी रंजिश को लेकर उन्होंने हमला किया है, जबकि उसका उनसे कोई झगड़ा नहीं था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति विजयपाल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस बाकी दो बदमाशों की भी तलाश कर रही है, जो घटना के बाद ही फरार हो गए हैं। पुलिस दोनों आरोपियों के बारे में पकड़े गए आरोपी विजयपाल से पूछताछ कर रही है ताकि उन्हें भी हिरासत में लिया जा सके।

नेहरू चिड़ियाघर पार्क देश के शीर्ष 3 चिड़ियाघरों में शामिल

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित चिड़ियाघर पार्क देश के शीर्ष तीन में शुमार है, जिसे विशेष रूप से एशियाई शेरों, रॉयल बंगाल टाइगर्स, सफेद बाघों और एक सींग वाले गैंडे जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के सफल प्रजनन कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है।

चिड़ियाघर पार्क के निदेशक (एफएसी) डॉ. हिरेमठ ने कहा कि नेहरू प्राणी उद्यान ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग, मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया पर सक्रिय भागीदारी सहित आधुनिक तकनीकों को अपनाया है। वे रविवार को नेहरू प्राणी उद्यान के 61वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. हिरेमठ ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद चिड़ियाघर पार्क में जानवरों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने में कर्मचारियों की प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, बोलाराम में ग्लैंड फार्मास्युटिकल लिमिटेड के प्रबंध ट्रस्टी कैप्टन रघुरामन ने हैदराबाद के चिड़ियाघर पार्क में 20,000 लीटर की रिवर्स ऑस्मोसिस जल इकाई के निर्माण के लिए डॉ. हिरेमठ को 25 लाख रुपये का चेक सौंपा। पिछले वर्ष कंपनी ने इस सुविधा के लिए एक सड़क ट्रेन दान की थी।

सिंगरेनी के साथ संयुक्त उद्यम का विरोध

निजीकरण को दिया जा रहा बढ़ावा : एसोसिएशन

जेनको को सौंपा जाए संयंत्र के निर्माण का काम

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेड्डापल्ली जिले के रामागुंडम में टीजीजीईएनसीओ और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संयुक्त उद्यम में 800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन बनाने का राज्य सरकार का फैसला विवादों में घिरता जा रहा है, क्योंकि तेलंगाना राज्य पावर इंजीनियर एसोसिएशन संयुक्त उद्यम का विरोध कर रहा है। इंजीनियरों द्वारा गठित जेएसी चाहती है कि प्रस्तावित थर्मल पावर स्टेशन पूरी तरह से जेनको के स्वामित्व में हो, न कि सिंगरेनी कोलियरीज के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में।

हाल ही में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर जेनको और एससीसीएल को संयुक्त उद्यम बनाकर रामागुंडम में थर्मल प्लांट बनाने को कहा है। सरकार ने दोनों प्राधिकरणों से कहा है कि वे पावर प्लांट बनाने के लिए संयुक्त उद्यम बनाने की रूपरेखा तैयार करें। जेनको को एक महीने के भीतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। एसोसिएशन ने हाल ही में अपनी आम सभा की बैठक के दौरान संयुक्त उद्यम का कड़ा विरोध किया और सरकार से संयंत्र के निर्माण का काम विशेष रूप से जेनको को सौंपने का आग्रह किया।

एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि यह निजीकरण को बढ़ावा देने के अलावा और कुछ नहीं है क्योंकि सिंगरेनी में केंद्र की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जेएसी ने दावा किया कि राज्य में बिजली उपयोगिताओं के सभी कर्मचारी और इंजीनियर जेनको के माध्यम से एक नया बिजली संयंत्र स्थापित करने के पक्ष में हैं और किसी भी परिस्थिति में वे सिंगरेनी के साथ संयुक्त उद्यम को स्वीकार नहीं करेंगे।

जेएसी नेताओं ने दावा किया कि यदि संयुक्त उद्यम में संयंत्र का निर्माण किया गया तो जेनको अपनी पहचान खो देगी।

हाइड्रा द्वारा तोड़फोड़ के डर से भूमि पंजीकरण में गिरावट

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा चल रहे ध्वस्तीकरण अभियान को लेकर बढ़ते डर के बीच तेलंगाना में भूमि और संपत्ति पंजीकरण में भारी गिरावट देखी गई है, जिससे संभावित खरीदार कथित तौर पर डर रहे हैं। कई संभावित खरीदार संपत्ति की वैधता के बारे में अनिश्चितताओं और भविष्य में ध्वस्तीकरण के जोखिम के कारण भूमि या प्लॉट में निवेश करने से हिचकिचाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले सितंबर में रजिस्ट्रेशन आय में 30 फीसदी की गिरावट आई है। सितंबर 2023 में करीब एक लाख ट्रांजेक्शन से 955 करोड़ रुपये की आय हुई थी, जबकि इस साल ट्रांजेक्शन घटकर 80,000 रह गई, जिससे 650 करोड़ रुपये की आय हुई। रियल एस्टेट विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी, जब तक कि अधिकारी संपत्ति विनियमन और विध्वंस नीतियों के बारे में स्पष्ट संचार प्रदान नहीं करते, जिससे स्थिर बाजार में खरीदार और डेवलपर्स दोनों ही चिंतित रहेंगे।

4 अक्टूबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने दशहरा के दौरान हाइड्रा द्वारा किए गए ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने तेलंगाना सरकार को भी नोटिस भेजकर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है, जिसमें कानूनी प्रावधानों का पालन किए बिना या आवासीय संपत्तियों के मालिकों को नोटिस जारी किए बिना हैदराबाद में तोड़फोड़ अभियान को आगे बढ़ाने के कारण बताए जाएंगे।

ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) शोरुम पर बहुमूल्य प्रदर्शनी के 5वें दिन पर, पावन दशहरा व दिपावली त्यौहार एवं शादी ब्याह विवाह फंक्शनों के मध्देनजर ग्राहकों का तांता लगा रहा। जिसमें एसएलजे ज्वैलर्स शोरुम में विभिन्न सूदूर क्षेत्रों जैसे कर्नाटक रायचूर, तेलंगाना के निजामाबाद, वरंगल, मंचेरियाल, आंध्र प्रदेश के विजयवाडा, महाराष्ट्र के परभणी महानगरों से असंख्य ग्राहकवृन्द पसंदीदा आकर्षक आभूषणों जैसे बोर, हाथ बाजूबंध, कन्दोरा एवं नेकलेसेस एवं लाइट वेट ज्वैलरी, डायमण्ड ज्वैलरी तथा चांदी के बर्तन लोटा सेट, थाली सेट की खरीदारी कर रहे हैं।

माँ भगवती का विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चम्पापेट सागर रोड़ स्थित मन्दा राम रेड्डी कन्वेन्शन हॉल में श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य में रविवार दिनांक 6 अक्टुबर रात्रि 8.30 बजे से माँ भगवती का विशाल जागरण आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजकों ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य मे माँ भगवती का जागरण गाय व गरीब एवं असहाय लोगों की सेवा के उद्देश्य से आयोजित किया गया। जिसमें हेमराज गोयल, अनिल नागौरी, नीता नायक, विशाल श्रीमाली ने भजनों पुष्प अर्पित किये। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

अवसर पर मुख्यअतिथि सांसद इटेला राजेन्द्र, पार्षद शांतिदेवी अक्का, सी. प्रवीणकुमार, गज्जु भाई कोलरिया, संदीप शर्मा, रघुनंदन यादव, लाभार्थी विजयसिंह जाणूंदा, गजेन्द्रसिंह निम्बोल, शम्बूसिंह सांडिया, भोजन-प्रसादी के लाभार्थी नितेशसिंह, सूरेशसिंह रामासणी बाला, भामाशाहों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यक्रम के विशेष सहयोगियों का आयोजकों द्वारा शॉल, राजस्थानी साफा, मोतियों की माला व मोमेन्टों से विशेष स्वागत किया गया। समाज सेवी हरिसिंह सेवड़ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर श्री खेतेश्वर सेवा दल के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में सफल आयोजन में श्री खेतेश्वर सेवा दल के विजयसिंह बलाड़ा, गणपतसिंह ढाणी, धर्मराज सांडिया, पर्वतसिंह भिवली, प्रियांशु निम्बोल, गोविन्दसिंह सांडिया, भीमसिंह साकरना, रामेश्वरसिंह निम्बोल, बजरंगसिंह धांगड़वास, चैनसिंह सांडिया, किशोरसिंह जाणूंदा, सागरसिंह पिपाड़सिटी, सांवरसिंह मोरा, गजेन्द्रसिंह करमावास, ओमसिंह ठाकुरवास, सभी कार्यकर्ताओं व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन सोहनसिंह राजपुरोहित ने किया। आरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

एलआईसी का माइक्रो टर्म इंश्योरेंस योजना लांच

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सात अक्टूबर को सिंगल प्रीमियम ग्रुप माइक्रो टर्म इंश्योरेंस योजना लांच की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार तत्संबंधित योजना गैर-भागीदारी, नान-लिंक्ड, समूह, शुद्ध जोखिम, जीवन माइक्रो बीमा उत्पाद है। इस योजना को विशेष रूप से माइक्रो फाइनेंस संस्थानों, सहकारी समितियों, एसएचजी और एनजीओ सहित वित्तीय संस्थानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सरल, लचीला और किफायती जीवन बीमा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। ताकि उनके सदस्यों/अकेले व्यक्तियों को कवर किया जा सके। यह असंगठित समूहों, नियोक्ता-कर्मचारी समूहों और अन्य समरूप समूहों के सदस्यों की आवश्यक बीमा आवश्यकता को भी पूरा करता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों को अनुकूलित ऋण सुरक्षा प्रदान करता है और कमाने वाले के निधन के मामले में परिवारों को बकाया ऋण के पुनर्भुगतान के बोझ से बचाता है।

बिहार सहयोग समिति की 42वां दुर्गा माता कि आयोजन किया

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना और बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा हर साल कि तरह इस साल भी 42वां दुर्गा माता कि आयोजन बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरू नगर मलकाजगिरी में किया गया। महासचिव सागर भगत के अनुसार शुशील ओझा द्वारा पूजा और आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा है। महिला एसोसिएशन द्वारा बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सेंट्रल कमेटी के माधवी यादव, रीना देवी, अध्यक्ष अनिता भगत, संगीता ठाकुर, प्रीति यादव, रबिता भगत, ममता यादव, गुड़िया यादव, रेनू देवी, पुनम यादव, दिव्या गुप्ता, मिना भगत, रिंकी देवी, मिडिया इंचार्ज सोनाली यादव आदि ने बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन समिति द्वारा आयोजित 52वें रामायण मेले के अंतर्गत गरबा डांडिया उत्सव में विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी। मंत्री सुरेंद्र रेड्डी हनुमंत राव, चरणजीत, गिरधारी लाल डागा, मनोज जयसवाल, सुमित राठी तथा गरबा डांडिया का आनंद लेते हुए लोग।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद की परामर्श दाता अंजू बैद व संयोजक संगीता गोलछा ने डीवी कॉलोनी तथा तारनाका ज्ञानशाला का दौरा किया। आगामी 12 जनवरी को होने वाली ज्ञानशाला परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरणा दी।

माताजी का सातवां विशाल जागरण 9 को

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनसिटी स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में सीरवी समाज नवयुवक मंडल के तत्वावधान में बुधवार 9 अक्टुबर सायं 7.30 बजे से 9 बजे तक गरबा-डांडिया एवं रात्रि 9.15 बजे से माँ भगवती का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा।

नवयुवक मंडल के बाबुलाल काग ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर सीरवी समाज नवयुवक मंडल हैदरशाहकोट, सनसिटी, लंगर हाउस, बंडलागुडा, काली मंदिर समाज बन्धुओं के सानिध्य में माताजी का सातवां जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें दिनेशनाथ योगी एंड पार्टी धनला भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम में सफल आयोजन में नवयुवक मंडल के सदस्य व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहेगा। सभी समाज बन्धुओं भक्तों से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

'एक शाम माताजी के नाम' जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज कोरेमुला बडेर नवयुग यूथ एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रथम जागरण व महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कमल किशोर सीरवी, धनराज सीरवी ने बताया कि हर वर्ष की भांति कोरेमुला बडेर में माताजी का भव्य पंडाल सजाकर, पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर जागरण किया गया। जिसमें भजन गायक अनिता जांगिड़ व भंवर सीरवी ने भजनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिए। कार्यक्रम में अतिथियों, विभिन संस्थाओं के पदाधिकारियों व मुख्य अतिथि संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार द्वारा विशेष सम्मान किया गया। भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी थी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसोसिएशन के समस्त कार्यकारणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

बाबा गंगाराम भजन संध्या एवं माता गायत्री झूलनोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम परम आराधिका शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष में श्रीमती प्रमिला अग्रवाल के अमीरपेट स्थित निवास स्थान पर बाबा गंगाराम भजन संध्या एवं झूलनोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचदेव दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया गया तथा गायत्री माता का झूला सजाया गया। भक्तों ने माता गायत्री देवी को पुष्प अर्पित किए तथा हैदराबाद के प्रख्यात गायक घनश्याम दास शर्मा के भजनों का आनंद उठाया।

जय अम्बे युवा समिति, एर्रागड्डा द्वारा एनकेएनआर गाड्न, कुकटपल्ली वाई जंक्शन में आयोजित माँ भगवती के 20वें विशाल जागरण में भजन प्रस्तुत करते नरेश सैनी(गुरुग्राम)। अवसर पर उपस्थित समिति के पदाधिकारी व भक्त।

किसानों के लिए ऋण माफी प्रक्रिया अभी भी जारी है : तुम्माला

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने खुलासा किया है कि किसानों के लिए ऋण माफी प्रक्रिया अभी भी जारी है और 2 लाख रुपये से अधिक के ऋणों पर विस्तृत समीक्षा बैठक दशहरा उत्सव के बाद होगी। मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने सोमवार को यहां गांधी भवन में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ आमने-सामने बातचीत कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ने केवल 10 महीनों के भीतर किसानों के 25,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार को राज्य को वित्तीय संकट में धकेलने के लिए दोषी ठहराया, जहां वह कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पा रही थी। तुम्माला ने कहा, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, कांग्रेस सरकार किसानों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करने में सक्षम है और यहां तक कि रायथु भीमा योजना को भी जारी रखा है, जिसे पिछली सरकार लागू करने में विफल रही।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंकज आडवाणी ने जीता सिंगापुर ओपन बिलियर्ड्स खिताब

जाडेन ओंग को 5-1 से हराया

सिंगापुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्यू स्पोर्ट्स के स्टार पंकज आडवाणी ने सिंगापुर में स्थानीय दावेदार जाडेन ओंग को 5-1 से हराकर सिंगापुर ओपन का बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। फाइनल तक के सफर में पंकज ने पूर्व आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियन डेचावत पूमचेइंग को क्वार्टर फाइनल में हराया था।

फाइनल में आडवाणी ने शुरुआती दो फ्रेम जीत लिए लेकिन उसके बाद ओंग ने फ्रेम जीतकर मैच में लौटने की कोशिश की।

चौथे फ्रेम में आडवाणी ने शानदार खेल दिखाया। पांचवें फ्रेम में आडवाणी ने 74-6 से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। अब अगले माह पंकज आडवाणी दोहा में अपने विश्व बिलियर्ड्स खिताब की रक्षा करेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए क्या पाकिस्तान आएगी टीम इंडिया?

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दिया जवाब

इस्लामाबाद, , 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने 1996 के वनडे वर्ल्ड कप के बाद से किसी भी बड़े आईसीसी आयोजन की मेजबानी नहीं की है। उसे 2011 में हुए वनडे वर्ल्ड कप सह-मेजबानी मिली थी, लेकिन 2009 में श्रीलंका टीम पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने के बाद पाकिस्तान से मेजबानी के अधिकार छीन लिए गए और टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में खेला गया। पाकिस्तान में अब लंबे समय बाद अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी होने जा रही है। हालांकि टीम इंडिया इसमें

भाग लेगी या नहीं, इस पर संशय कायम है। इसको लेकर अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी का बयान सामने आया है।

नकवी को भरोसा है कि भारतीय मेंस क्रिकेट टीम अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान आएगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होगा और इसका फाइनल 9 मार्च को होगा। लाहौर, कराची और रावलपिंडी को टूर्नामेंट के सभी मैचों की मेजबानी करनी है।

भारत ने 2008 से नहीं किया दौरा

बता दें कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत ने जुलाई 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, लेकिन इसके बाद भी पीसीबी प्रमुख नकवी को भरोसा है कि भारत अगले साल लंबा इंतजार खत्म करेगा और चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए पाकिस्तान आएगा।

भारतीय टीम को लेकर मुझे पूरी उम्मीद है- नकवी

लाहौर में पत्रकारों से बात करते हुए ने कहा, 'भारतीय टीम को लेकर मुझे पूरी उम्मीद है। अभी तक कोई ऐसी चीज नहीं है जिसकी वजह से वो पोस्टपोन करें या कैंसिल करें। टीम इंडिया अगले साल पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आएगी। पाकिस्तान में पिछले साल एशिया कप खेला गया था, जहां टीम इंडिया के पाकिस्तान ना जाने की सूरत में टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था। यहां भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।

बांग्लादेशी कप्तान बोले-हमारे बैटर्स नहीं जानते 180 रन कैसे बनाएं

पावरप्ले में कम रन बने; सूर्या बोले- प्लान पर फोकस किया

ग्वालियर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी कप्तान नजमुल हसन शांतो ने अपनी टीम के बल्लेबाजों की आलोचना की है। ग्वालियर में पहला टी-20 मैच 7 विकेट से गंवाने के बाद शांतो ने कहा कि हमारे बल्लेबाज नहीं जानते 180 रन कैसे बनाएं।

26 साल के शांतो ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अच्छी शुरुआत करने में नाकाम रही और आगामी मुकाबलों में उन्हें बेहतर योजना की जरूरत होगी। मुकाबले में बांग्लादेश ने भारत को 128 रन का टारगेट दिया था, जिसे भारतीय बल्लेबाजों ने 11.5 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंनें 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

शांतो बोले- हमारी शुरुआत खराब रही

शांतो ने मैच के बाद कहा कि हमने अच्छी शुरुआत नहीं की। टी-20 में पहले 6 ओवर बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन हमने अच्छी शुरुआत नहीं की। हमारा प्लान पॉजिटिव क्रिकेट खेलने और पहली गेंद से जज्बे के साथ खेलने का था, लेकिन हमें कुछ

ओवर देखकर खेलने पड़े। उन्होंने कहा, 'हमें अगले मैचों के लिए बेहतर योजना की जरूरत है। अगर हमारे पास कुछ विकेट होते तो हम 10-15 रन और बना सकते थे।'

बांग्लादेश के कप्तान ने कहा, 'गेंदबाजी के लिहाज से हमारे पास पर्याप्त रन नहीं थे। इस तरह की पिच पर गेंदबाजों के लिए यह बहुत मुश्किल था। हमें और रन चाहिए थे, लेकिन मुझे लगता है कि रिषाद और फिज (मुस्ताफिजुर रहमान) ने अच्छी गेंदबाजी की।'

भारतीय कप्तान सूर्या बोले- हमने प्लांस पर फोकस किया

मैच के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि हमने सिर्फ अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया। सूर्या ने कहा- 'हमने सिर्फ अपनी स्किल्स कौशल के अनुसार खेलने की कोशिश की और टीम बैठक में जो भी फैसला लिया उस पर अमल किया। खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाया।' भारतीय कप्तान ने डेब्यू करने वाले मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी की सराहना की।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैं उत्साहित हूं और अगले मैचों में उन्हें (मयंक और नितीश को) देखने के लिए उत्सुक हूं। जब आप मैदान पर होते हैं और आपके पास अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द होता है। आप हर मैच में हमेशा कुछ नया सीखते हैं। कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता होगी, हम अगले मैच से पहले बैठकर इस पर बात करेंगे।'

अर्शदीप ने कहा- हवा का अच्छा इस्तेमाल किया

प्लेयर ऑफ द मैच अर्शदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने मैदान पर चल रही हवा का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, 'मैं जिस तरफ से गेंदबाजी कर रहा था, वहां से थोड़ी हवा आ रही थी, इसलिए मैंने उसका इस्तेमाल किया। मुझे जिस तरह से विकेट चाहिए थे उस तरह नहीं मिले लेकिन कोई बात नहीं। रन-अप और कलाई में थोड़े-बहुत बदलाव किए।'

अर्शदीप ने कहा, 'मैं बस यह पता लगा रहा था कि मैं कैसे बेहतर हो सकता हूं और चीजों को आजमा रहा हूं। अनुभव तो है ही। जितना अधिक आप खेलते हैं उतना ही बेहतर होते हैं। सभी ने जिस तरह से गेंदबाजी की उससे मैं वाकई उत्साहित हूं, खासकर मयंक ने।'

वरुण चक्रवर्ती बोले- टीम इंडिया में वापसी पूर्नजन्म जैसी

3 साल बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा कि '3 साल बाद वापसी मेरे लिए इमोशनल थी। टीम में वापस आकर अच्छा लग रहा है। यह पुनर्जन्म जैसा लगता है। वरुण ने कहा कि वे बस इस पल का आनंद लेना चाहते हैं और बहुत आगे के बारे में नहीं सोच रहे।

चक्रवर्ती ने कहा, 'मैं जो सामने है उससे आगे नहीं जाना चाहता और मैं सिर्फ वर्तमान में रहना चाहता हूं, इसलिए मैं बहुत ज्यादा सोचना नहीं चाहता। आईपीएल के बाद मैंने कुछ टूर्नामेंट खेले और उनमें से एक टीएनपीएल था। यह एक बहुत अच्छा टूर्नामेंट है और उच्च स्तर का है।' वरुण ने कहा कि टीएनपीएल के दौरान भारत के ऑफ स्पिनर अश्विन के साथ काम करना उनके लिए वास्तव में अच्छा रहा और इससे उनका मनोबल बढ़ा। अपने पहले ओवर में गेंदबाजी करते समय कैच छूटने पर चक्रवर्ती ने कहा कि यह खेल का हिस्सा है।

आखिरकार हार्दिक पंड्या ने रच ही दिया इतिहास

विराट कोहली को छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश के बीच खेली मैच में हार्दिक पंड्या ने भारत की ओर से बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया और टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान निभाया। हार्दिक पंड्या के नाम इस मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। उन्होंने विराट कोहली को एक मामले में पीछे छोड़ दिया है।

हार्दिक ने कोहली को छोड़ा पीछे

हार्दिक पंड्या ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के के साथ मैच खत्म करने का रिकॉर्ड बना लिया है। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली को पीछे छोड़ा है। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ कीर्तिमान हासिल किया। हार्दिक ने टी-20 इंटरनेशनल में पांचवी बार छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया। उन्होंने विराट को पछाड़ा, जिन्होंने अपने टी-20 करियर में कुल 4 मैच छक्का लगातार जीताए थे।

वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ दिया। वह अब भारत की ओर से टी-20 प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए हैं। अब उनके नाम 87 विकेट हैं, जबकि अर्शदीप के नाम 86 विकेट हैं।

युजवेंद्र चहल 96 विकेट के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं।

ऐसा था हार्दिक का प्रदर्शन

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-20 मैच में हार्दिक ने पहले गेंदबाजी में अपना दम दिखाया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 1 विकेट झटका। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने धमाल मचाया। उन्होंने नाबाद रहते हुए 16 गेंदों में 39 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके के अलावा 2 छक्के निकले। हार्दिक ने अपनी पारी में कई कलात्मक शॉट खेलकर फैंस का दिल भी जीता।

उनकी 243.75 के स्ट्राइक रेट के साथ की गई बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 49 गेंद शेष रहते ही मुकाबला जीत लिया। भारत ने 11.5 ओवर में ही 132/3 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। भारतीय टीम 3 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर चुकी है।

श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या को हेड कोच बनाया

सितंबर में टीम के अंतरिम हेड कोच बने थे, 2026 तक कार्यकाल रहेगा

कोलंबो, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिग्गज बैटिंग ऑलराउंडर सनथ जयसूर्या श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के हेड कोच बनाए गए हैं। सोमवार को श्रीलंका क्रिकेट की एग्जीक्यूटिव कमेटी ने जयसूर्या को हेड कोच बनाने का फैसला लिया। एसएलसी ने इस बात की जानकारी एक X पोस्ट के जरिए दी। 55 साल के जयसूर्या को भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम के प्रदर्शन का इनाम मिला है। टीम ने सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने घर में क्लीन स्वीप किया है। टीम ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में 8 विकेट से हराया, हालांकि टीम 3 मैचों की सीरीज 2-1 से गंवा बैठी। इससे पहले, टीम ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में 2-0 की जीत हासिल की थी। जयसूर्या सितंबर महीने में श्रीलंकाई टीम के अंतरिम हेड कोच बनाए गए थे। जयसूर्या का कार्यकाल 31 मार्च 2026 तक रहेगा। जयसूर्या को सिल्वरवुड के इस्तीफे के बाद अंतरिम कोच बनाया गया था। सिल्वरवुड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था।

जिमनास्ट दीपा करमाकर ने लिया संन्यास

लेटर के जरिए बयां किया दर्द, भारत को दिला चुकी हैं गोल्ड मेडल

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा करमाकर ने संन्यास की घोषणा कर दी है. उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी शेयर की. दीपा ने एक लंबी पोस्ट लिखी है. उन्होंने बताया कि यह काफी मुश्किल था और बहुत सोचने के बाद ही फैसला लिया है. दीपा ने संन्यास का कारण भी बताया है.

उन्होंने लेटर में लिखा है कि अब शारीरिक स्थिति पहले जैसी नहीं रही है. एशियन जिमनास्टिक चैंपियशिप टर्निंग पॉइंट रहा है. दीपा ने जो लेटर शेयर किया है इसमें उनके बचपन की कहानी भी बयां की है. दीपा भारत को कई मेडल दिला चुकी हैं. उन्होंने एक्स पर एक लेटर शेयर किया है. दीपा का इस लेटर में दर्द भी छलका है. उन्होंने लिखा, 'मैंने बहुत सोचने के बाद फैसला लिया है कि जिमनास्टिक से संन्यास ले रही हूं. यह फैसला आसान नहीं रहा है. लेकिन अब सही वक्त आ गया है. जिमनास्टिक मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा हिस्सा रहा है. मुझे वो पांच साल की दीपा याद आ रही है जिसको बोला था कि फ्लैट फीट की वजह से कभी जिमनास्ट नहीं बन सकती है. आज मुझे अचीवमेंट्स देखकर बहुत गर्व होता है.' दीपा करमाकर ने लेटर के जरिए संन्यास का कारण भी बताया है. उन्होंने लिखा, 'मेरी आखिरी जीत एशियन जिमानस्टिक चैंपियनशिप ताशकंद एक टर्निंग पॉइंट था.

मुल्तान टेस्ट में मसूद और शफीक के शतक

बाबर 30 रन बनाकर आउट, एटकिंसन को 2 विकेट; पहले दिन पाकिस्तान 328/4

खेल डेस्क, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)।पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 4 विकेट खोकर 328 रन बना दिए। टीम से कप्तान शान मसूद ने 151 और अब्दुल्लाह शफीक ने 102 रन बना दिए। दिन का खेल खत्म होने तक पाकिस्तान से सऊद शकील और नाइट वॉचमैन नसीम शाह नॉटआउट लौटे। सैम अय्युब 4 और बाबर आजम 30 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड से गस एटकिंसन ने 2 विकेट लिया। दूसरे दिन का खेल भारतीय समयानुसार कल सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने चौथे ही ओवर में ओपनर सैम अय्युब का विकेट गंवा दिया, अय्युब 4 ही रन बना सके। उनके बाद शफीक और कप्तान मसूद ने पारी संभाल ली। दोनों ने पहले सेशन में टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और स्कोर 122 रन तक पहुंचा दिया। दोनों ने पहले ही सेशन में अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। शान मसूद ने महज 43 बॉल पर फिफ्टी लगा दी थी, उन्होंने दूसरे सेशन में भी तेजी से बैटिंग की। मुल्तान की बैटिंग पिच पर पाकिस्तानी बैटर्स ने इंग्लिश बॉलर्स को विकेट के लिए तरसा दिया। मसूद ने तेजी से बैटिंग करते हुए अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। उन्होंने 4 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। दूसरे सेशन में पाकिस्तान ने कोई विकेट नहीं गंवाया, स्कोर 233/1 रहा।

तीसरे सेशन में अब्दुल्लाह शफीक ने 165 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। शतक पूरा करने के बाद शफीक 102 रन के स्कोर पर आउट भी हो गए। इस विकेट के साथ शफीक और मसूद के बीच 253 रन की पार्टनरशिप भी टूट गई। मसूद भी 151 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

बाबर आजम और सऊद शकील ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर टीम को 300 के पार भी पहुंचा ले गए। दिन का खेल खत्म होने से ठीक पहले बाबर 30 रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार हो गए।

फाफ डु प्लेसी की टीम ने पहली बार जीता खिताब

फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन को 6 विकेट से हराया

खेल डेस्क, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेंट लुसिया किंग्स ने पहली बार सीपीएल 2024 का खिताब जीत लिया है. ये सेंट लुसिया किंग्स का तीसरा फाइनल था. जबकि, फाफ डु प्लेसी भी पहली बार CPL फाइनल में सेंट लुसिया किंग्स की कप्तानी कर रहे थे.इस तरह फाफ डु प्लेसी के लिए भी ये खिताबी जीत खास है. सेंट लुसिया किंग्स ने सीपीएल 2024 के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन गयाना अमेजन वॉरियर्स को 6 विकेट से हराया. सेंट लुसिया किंग्स की जीत में अमेरिकी बल्लेबाज आरोन जोंस और अफगानिस्तान के गेंदबाज नूर अहमद की बड़ी भूमिका रही.

सेंट लुसिया किंग्स ने पहली बार जीता खिताब

45 साल के कप्तान इमरान ताहिर की कप्तानी में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पिछली बार

11 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए विजेता का ताज पहना था. इस बार इमरान ताहिर की कमान में गयाना की टीम अपने खिताब को डिफेंड करने उतरी थी. लेकिन, सेंट लुसिया किंग्स ने ऐसा होने नहीं दिया और पिछले दो फाइनल में मिली नाकामी को भुलाते हुए इस बार कामयाबी की सक्रिप्ट लिखी.

गयाना की टीम ने 20 ओवर में 138 रन बनाए

फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी गयाना अमेजन वॉरियर्स ने की और 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 138 रन बनाए. सेंट लुसिया किंग्स की ओर से शानदार गेंदबाजी हुई, जिसने गयाना की टीम को 150 रन से पहले ही रोक दिया. नूर अहमद सेंट लुसिया के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट लिए. गयाना के बल्लेबाजों की हालत सेंट लुसिया के गेंदबाजों के आगे इतनी खराब रही कि 25 रन बनाने वाला बल्लेबाज टीम का टॉप स्कोरर रहा.

आरोन जोंस और रोस्टन चेज की साझेदारी ने सेंट लुसिया को जिताया

सेंट लुसिया किंग्स को जीत के लिए 139 रन का लक्ष्य मिला, जिसका पीछा करते हुए एक वक्त हालत उसकी भी खराब रही. गयाना ने भी सिर्फ 51 रन पर सेंट लुसिया के 4 विकेट गिरा दिए. लेकिन फिर उसके बाद आरोन जोंस और रोस्टन चेज के बीच 50 गेंदों में हुई नाबाद 88 रन की साझेदारी ने टीम को मैच जिता दिया. आरोन जोंस फाइनल में 31 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि रोस्टन चेज ने 22 गेंदों पर 39 रन बनाकर नॉट आउट रहे.

पेरिस ओलंपिक की निराशा के बाद वापसी करेंगे पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन

आर्कटिक ओपन में लेंगे हिस्सा

वंता (फिनलैंड), 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने में नाकाम रहे भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू होने वाले आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगे। सिंधू और सेन का ओलंपिक के बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा। इन दोनों ने इस बीच अपने खेल का मूल्यांकन करने और उसमें आवश्यक सुधार करने पर ध्यान दिया।

सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया। दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया।

आर्कटिक ओपन में सिंधू का पहला मुकाबला कनाडा की

मिशेल ली से जबकि ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले में हारने वाले सेन का डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू अगर पहली बाधा पर कर लेती हैं तो अगले दौर में उनका सामना 2022 की जूनियर विश्व चैंपियन 18 वर्षीय जापानी खिलाड़ी टोमाको मियाज़ाकी से हो सकता है जिससे वह इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन में हार गई थी।

सेन के लिए भी यह गेम्के से बदला लेने का मौका होगा। वह 2023 में इंडिया ओपन में उनसे हार गए थे। अगर वह इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं तो उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के सातवीं वरीयता प्राप्त चोउ टीएन चेन से हो सकता है। चोट के कारण चार महीने तक बाहर रहने के बाद मकाऊ ओपन में वापसी करने वाले किदांबी श्रीकांत भी आर्कटिक ओपन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। वह हमवतन किरण जॉर्ज और सतीश कुमार करुणाकरण के साथ क्वालीफायर से अपना अभियान आगे बढ़ाएंगे।

क्वालीफायर में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत का मुकाबला जॉर्ज से होगा, जबकि सतीश फ्रांस के अरनॉड मर्कले से भिड़ेंगे। महिला एकल में सिंधू के अलावा फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

चीन ओपन सुपर 1000 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली मालविका पहले दौर में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी, जबकि आकर्षी का मुकाबला जर्मनी की यवोन ली से होगा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुडा क्वालीफायर में इज़राइल की हेली नीमन से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में कोई भारतीय भाग नहीं ले रहा है लेकिन रितुपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा महिला युगल में जबकि सतीश और आद्या वरियाथ मिश्रित युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

सरकार सिंगरेनी श्रमिकों की बढ़ाएगी आय : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को कहा कि सरकार सिंगरेनी कोलियरीज में स्थायी और ठेका श्रमिकों की आय में वृद्धि करेगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार कोयले की जगह हरित ऊर्जा लाने के लिए कदम उठाएगी। विक्रमार्क ने अधिकारियों से दुर्लभ खनिजों पर एक अध्ययन करने को कहा, जिसके आधार पर सिंगरेनी कोलियरीज और आईआईआईटी-हैदराबाद के बीच सहयोग हो सकता है।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर हमला करते हुए विक्रमार्क ने कहा कि जब हम विपक्ष में थे तो बीआरएस सरकार ने सिंगरेनी पर ध्यान नहीं दिया और ऐसा लगा कि कंपनी बंद हो जाएगी। सिंगरेनी के श्रमिकों को बोनस चेक वितरित करने के बाद, विक्रमार्का ने कर्मचारियों की चिंताओं को संबोधित किया और कहा कि सरकार स्थायी और संविदा कर्मचारियों दोनों के अधिकतम वेतन में वृद्धि करेगी।

दशहरा समाप्त होने के बाद, अपने सभी मुद्दे हमारे पास लाएं और हम जल्द से जल्द उनका समाधान करेंगे।

सरकार श्रमिकों की जरूरतों का अध्ययन करने और उनकी मांगों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण अस्पताल और कॉलेज बनाने के लिए एक समिति का गठन करेगी ताकि चिकित्सा और शिक्षा की जरूरतों को पूरा किया जा सके। मैंने मुख्यमंत्री से बात की और वह लोगों की बेहतरी के लिए पैसा खर्च करने के लिए तैयार हैं क्योंकि तेलंगाना सरकार एक कल्याणकारी सरकार है। विक्रमार्क ने सिंगरेनी के पूर्व कर्मचारियों को पेंशन में वृद्धि का आश्वासन दिया और कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा व्यय को 10 लाख रुपये तक बढ़ाया जाएगा।

आरएसएस ने 100वीं स्थापना वर्षगांठ पर निकाला मार्च

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने 100वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में हैदराबाद, रंगारेड्डी और तेलंगाना के अन्य जिलों में कई स्थानों पर मार्च निकाला। इसके अलावा संत रामलिंग स्वामीगल (वल्लालर) की 201वीं जयंती, गांधी जयंती और विजयादशमी भी मनाई गई। इस मार्च में सैकड़ों आरएसएस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। 2025 में आरएसएस अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लेगा।

आरएसएस की वर्दी पहने और हाथों में लाठी थामे कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर ढोल की थाप के साथ एक सुर में मार्च किया। पुलिस ने आरएसएस कार्यकर्ताओं को अनुमति दे दी थी, जिन्होंने राज्य के स्थानीय डीसीपी, एसपी कार्यालयों में इसके लिए आवेदन किया था। आरएसएस की स्थापना ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान 25 सितंबर, 1925 को हिंदू पुनरुत्थान के लिए एक अनुशासित और समर्पित स्वयंसेवी बल बनाने और हिंदू राष्ट्र (हिंदू राष्ट्र) की स्थापना के लिए की गई थी।

बीसी गुरुकुल को प्रदेश में नंबर वन होना चाहिए : पोन्नम

मंत्री ने बीसी कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने खुलासा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में उनकी सरकार शिक्षा को पहला स्थान दे रही है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और बीसी कल्याण विभाग के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने बंजारा हिल्स के कोमुरंभिम भवन में आयोजित बीसी कल्याण विभाग के व्यापक स्तर के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिया। गुरुकुलों से मैदानी स्तर पर उनके प्रदर्शन पर फीडबैक लिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्कूलों के अलावा एकीकृत आवासीय परिसर बनाने जा रही है और इस साल के लिए 5 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये हैं।

बीसी गुरुकुल ने इस वर्ष राज्य में नंबर एक बनने के लिए 100 प्रतिशत उत्तीर्ण होने का लक्ष्य रखा है। सुझाव दिया गया कि अधिकारियों के प्रदर्शन में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने ग्रीन चैनल के माध्यम से बिलों का भुगतान करने का वादा किया कि वे मेस शुल्क में वृद्धि पर ध्यान देंगे। छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से अगले शैक्षणिक वर्ष से वर्तमान में चल रहे मॉडल गुरुकुल में भी दसवीं कक्षा पास करने के बाद सीधे इंटरमीडिएट में दाखिला लेने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि गुरुकुलों में इंटरमीडिएट कंप्यूटर सहित सभी पाठ्यक्रम उपलब्ध हों, इसके लिए कदम उठायें। बीसी कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने सुझाव दिया कि गुरुकुल में पढ़ने वाले 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए प्रत्येक छात्र को रेड क्रॉस, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स और गाइड में होना चाहिए।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को अगले शैक्षणिक वर्ष से सभी गुरुकुलों में एमएसईटी और एनईईटी कोचिंग प्रदान करने के लिए कदम उठाने की सलाह दी, गुरुकुलों में एएनएम को छात्रों की ऊंचाई और वजन मापना चाहिए और जांच करनी चाहिए कि वे एनीमिक नहीं हैं। विधायक, सांसद ने सुझाव दिया कि गुरुकुल के मुद्दों पर जिला मंत्री व विधान पार्षद अपने निधि से आवंटन करने के लिए कलेक्टर के संज्ञान में लायें। दशहरे की छुट्टियों के बाद इस माह की 15 से 31 तारीख के बीच अभिभावक प्रत्येक गुरुकुल में शिक्षक बैठक आयोजित कर उनसे सुझाव लें और फीडबैक दें। सुझाव दिया गया है कि मालिक से बात करें कि वे दशहरा उत्सव से पहले किराए पर लिए गए गुरुकुल भवनों का 50 प्रतिशत किराया देंगे और भवनों में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए उनसे बात करेंगे। छात्रों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, शारीरिक फिटनेस, निबंध प्रतियोगिताओं, किसी भी विषय पर वाद-विवाद और विज्ञान नवाचार पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। वे स्टडी सर्कल के माध्यम से मोटिवेशनल स्पीच आयोजित करना और ऑनलाइन क्लासेज का आयोजन करना चाहते हैं।

छात्रों की समस्याओं का पता लगाने के लिए यह सुझाव दिया गया है कि प्रत्येक गुरुकुल में एक बॉक्स स्थापित किया जाना चाहिए और आरसीओ को इस पर ध्यान देना चाहिए।

दशहरा संचालन पर पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ आरटीसी समन्वय बैठक

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों से सद्दुला बतुकम्मा और दशहरा त्योहारों के लिए यात्रियों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए टीजीएसआरटीसी के साथ सहयोग करने को कहा।

उन्होंने कहा कि पिछले दशहरा की तुलना में इस बार महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के कारण अधिक भीड़ होने की संभावना है और उन्होंने पूर्व की तरह सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। दशहरा संचालन को लेकर सोमवार को हैदराबाद के बस भवन में टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जन की अध्यक्षता में पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। आरटीसी अधिकारियों ने दशहरा के लिए विशेष बसों की व्यवस्था और भीड़भाड़ वाले इलाकों में किए जाने वाले उपायों के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें समझाया।

इस अवसर पर कंपनी के एमडी वीसी सज्जनर ने याद दिलाया कि त्योहार के दौरान यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए पुलिस और परिवहन विभाग टीजीएसआरटीसी के साथ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन के विकास में पुलिस और परिवहन विभाग की भी भूमिका है।

लोगों को सलाह दी जाती है कि वे सफेद नंबर प्लेट वाले निजी वाहनों में यात्रा करके परेशानी में न पड़ें क्योंकि त्योहारों के दौरान बहुत अधिक यातायात होता है। उन्होंने कहा कि टीजीएसआरटीसी के पास बेहद अनुभवी ड्राइवर हैं जो गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाएंगे। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे लोगों को निजी वाहनों में यात्रा करने के खतरों के बारे में शिक्षित करें। टीजीएसआरटीसी ने सद्दुला बतुकम्मा और दशहरा त्योहारों के लिए अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं। यह इन त्योहारों के लिए राज्य भर में 6304 विशेष बसें चला रहा है।

इस बार महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के कारण यह पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। इस महीने की 9 से 12 तारीख तक 600 विशेष सेवाएं तय की गई हैं, भारी यातायात की संभावना के कारण, हमने विशेष शिविर स्थापित किए हैं और यात्रियों को सभी सुविधाएं प्रदान की हैं प्रत्येक व्यस्त क्षेत्र में वे यात्रियों को जानकारी प्रदान करने के लिए विशेष बसें उपलब्ध रखेंगे। उन्होंने कहा कि आईटी कॉरिडोर के कर्मचारियों की सुविधा के लिए, उन्होंने गाचीबोवली ओआरआर के माध्यम से विजयवाड़ा, बेंगलुरू और अन्य स्थानों के लिए बसें चलाने की योजना बनाई है। विशेष रूप से जेबीएस से 1602, एलबीनगर से 1193, उप्पल से 585 और आरंगहर से 451 बसें चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हम इस महीने की 13 और 14 तारीख को विशेष बसों की व्यवस्था कर रहे हैं जब वापसी यात्रा में बहुत भीड़ होती है।

सीएम को लोगों के कल्याण की चिंता नहीं : केटीआर

बीआरएस नेता ने मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर की निंदा

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने लोगों के कल्याण और विकास की तुलना में मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर यह दावा करने के लिए निशाना साधा कि राज्य कर्ज में डूब रहा है, जबकि वे एक ही समय में 1.5 लाख करोड़ रुपये की मुसी रिवरफ्रंट परियोजना जैसे भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं के पीछे के तर्क पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर रेवंत रेड्डी हर दिन राज्य के बढ़ते कर्ज के बारे में रोते रहते हैं, लेकिन दूसरी ओर मुसी रिवरफ्रंट परियोजना जैसी महंगी पहल कर रहे हैं, जो कई लोगों के लिए अवांछित है।

रामा राव ने कांग्रेस सरकार के कई चुनावी वादों को गिनाया जो सत्ता में आने के 10 महीने बाद भी पूरे नहीं हुए हैं।

उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार मूसी रिवरफ्रंट परियोजना को कैसे वित्तपोषित करने की योजना बना रही है, जबकि दावा किया जाता है कि उसके पास किसानों के लिए फसल ऋण माफी और रायथु बंधु निवेश सहायता जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू करने के लिए कोई धन नहीं है।

ऊटी में 121 करोड़ रुपये की भूमि धोखाधड़ी का मामला दर्ज

निजाम सप्तम की पोती ने दर्ज कराया केस

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निजाम सप्तम मीर उस्मान अली खान बहादुर की पोती राजकुमारी फातिमा फौजिया ने तमिलनाडु के ऊटी में 121 करोड़ रुपये के भूमि सौदे में कथित रूप से जालसाजी करने के आरोप में 3 व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया है। राजकुमारी फौजिया ने शुरू में अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने अदालत से हस्तक्षेप की मांग की। अदालत ने पुलिस को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया, जिसके बाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) ने भारतीय दंड संहिता की धारा 318 (धोखाधड़ी), 319 (धोखाधड़ी), 335 (झूठे दस्तावेज बनाना) और 61 (आपराधिक साजिश) के तहत आरोप दर्ज किए। आरोपियों की पहचान मिलाद अली खान, सज्जाद अली खान और मीर मेराज अली खान के रूप में हुई है।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने कथित तौर पर फर्जी जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) बनाकर धोखाधड़ी से उत्तराधिकार आदेश प्राप्त किया। कथित तौर पर 150 से अधिक व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज़ को गलत तरीके से असली के रूप में प्रस्तुत किया गया था, जबकि कथित हस्ताक्षरकर्ताओं में से किसी ने भी वास्तव में इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

ऊटी में स्थित विवादित भूमि में शिकायतकर्ता द्वारा दावा किया गया एक बड़ा हिस्सा शामिल है, जिसकी कीमत 121 करोड़ रुपये से अधिक है।

राज्य में अधिक केन्द्रीय संस्थान स्थापित करे सरकार : इंडिया स्टूडेंट्स यूनियन

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय छात्र संघ (आईएसयू) ने तेलंगाना सरकार से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य में और अधिक केंद्रीय संस्थान स्थापित करने का आग्रह किया है। आईएसयू ने अपनी मांगें रखीं जिनमें भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) तथा भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) जैसे संस्थानों की आवश्यकता शामिल थी।

कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को ज्ञापन सौंपने के बाद आईएसयू अध्यक्ष पपनी नागराजू ने कहा कि अगर केंद्र सरकार इन संस्थानों को यहां स्थापित नहीं कर सकती है, तो कम से कम उनके परिसर यहां स्थापित किए जाने चाहिए।

बिना अनुमति डीजे बजाने पर आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद कमिश्नरेट के अंतर्गत पेटबशीराबाद पुलिस ने बाथुकम्मा उत्सव के दौरान बिना अनुमति के डीजे बजाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह घटना कोमपल्ली के चंद्र रेड्डी गार्डन में हुई। पुलिस कांस्टेबल द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार वह एक अन्य अधिकारी के साथ ब्लू कोल्ट ड्यूटी पर था, जब उन्हें यह कार्यक्रम देखने को मिला, जिसमें रात 10 बजे के आसपास तेज डीजे संगीत बज रहा था। पूछताछ करने पर, इवेंट मैनेजर, जिसकी पहचान पर्यादा कार्तिक के रूप में हुई, ने स्वीकार किया कि उसके पास संगीत बजाने के लिए आवश्यक अनुमति नहीं थी।

पुलिस ने आयोजकों को तुरंत डीजे संगीत बंद करने का निर्देश दिया लेकिन अधिकारियों के कार्यक्रम स्थल से चले जाने के बाद, आदेश की अवहेलना करते हुए संगीत फिर से शुरू हो गया। परिणामस्वरूप, इवेंट मैनेजर के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया गया, जो लोक सेवकों द्वारा दिए गए आदेशों की अवज्ञा से संबंधित है। पुलिस की अनुमति के बिना सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के उपयोग से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने के लिए मामला दर्ज किया गया था।

उसी दिन, साइबराबाद पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी कर लोगों को याद दिलाया कि बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर का उपयोग करना प्रतिबंधित है। नोट में हैदराबाद सिटी लाउडस्पीकर (उपयोग और लाइसेंसिंग का विनियमन) नियम 1963 का हवाला दिया गया, जिसके अनुसार सार्वजनिक या मनोरंजन स्थलों पर लाउडस्पीकर के उपयोग के लिए वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

श्री मलयप्पा स्वामी 8 अक्टूबर को गरुड़ वाहन पर दिव्य सवारी करेंगे : श्यामला राव

ईओ ने श्रद्धालुओं से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली

तिरुमला, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि चल रहे वार्षिक ब्रह्मोत्सव की पांचवीं शाम को श्री मलयप्पा स्वामी 8 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे से रात 11 बजे तक गरुड़ वाहन पर दिव्य सवारी करेंगे।

रविवार शाम को तिरुमला में अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, ईओ ने एसपी सुब्बारायडू के साथ कहा कि लगभग दो लाख भक्त दीर्घाओं में प्रतीक्षा कर रहे हैं। गरुड़ सेवा के दर्शन के लिए इनर रिंग रोड और आउटर रिंग रोड पर प्रतीक्षा कर रहे भक्तों को सुपथम, साउथ वेस्ट कॉर्नर, गोविंदनिलयम नॉर्थ वेस्ट गेट और नॉर्थ ईस्ट गेट से दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सुविधा के लिए सभी बिंदुओं पर आवश्यक साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। हम भक्तों से अपील करते हैं कि वे बिना सामान लिए इन बिंदुओं पर प्रवेश करें। भक्तों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए, तिरुमाला घाट की सड़कों पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही 7 अक्टूबर की रात 9 बजे से 9 अक्टूबर की सुबह 6 बजे तक रोक दी गई है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए और तिरुमाला में यातायात की भीड़ से बचने के लिए, जनता से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का अनुरोध किया जाता है। हमने पिछले साल 2400 के मुकाबले आरटीसी बसों में 3,000 चक्कर लगाकर लगभग तीन लाख लोगों को ले जाने के लिए कदम उठाए हैं। तिरुपति, कडप्पा, चित्तूर और श्रीकालहस्ती मार्गों पर पार्किंग स्थलों से तिरुमाला जाने के लिए आरटीसी बसों की व्यवस्था की गई है। हम पार्किंग स्थलों की आसानी से पहचान करने के लिए क्यूआर कोड भी प्रदान कर रहे हैं। लगभग 25 स्थानों पर 9000 वाहनों के लिए पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, जिसमें बालाजीनगर, कौस्तुभम के सामने, रामभगीचा बस स्टैंड और तिरुमाला में मुल्लागुंटा क्षेत्र शामिल हैं।

तिरुपति में अलीपीरी पुराने चेक प्वाइंट पर दो हजार दो पहिया वाहन, विनायकनगर क्वार्टर, नेहरू म्यूनिसिपल पार्क, भारतीय विद्या भवन, देवलोक और इसके अतिरिक्त श्रीवारी मेट्टू में चार पहिया वाहन।

खंडहर में तब्दील हो चुका है नामपल्ली सराय

टैक्सी स्टैंड के रूप में किया जा रहा उपयोग

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक नामपल्ली सराय, जिसे मूल रूप से नामपल्ली रेलवे स्टेशन का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए एक विश्राम गृह के रूप में बनाया गया था, अभी भी उपयोग में नहीं है और खंडहर में तब्दील हो चुका है। यह स्मारक, जिसे सूचीबद्ध और संरक्षित स्थल माना जाता है, वर्तमान में कैब चालकों के स्थानीय संघ द्वारा टैक्सी स्टैंड के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसे टीपू खान सराय भी कहा जाता है, इसे नवाब टीपू खान बहादुर ने बनवाया था, जो हैदराबाद के छठे निज़ाम के अधीन एक उच्च पदस्थ कुलीन व्यक्ति थे। उन्होंने हैदराबाद में टीपू खान पुल भी बनवाया था, जिसका नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया है।

नामपल्ली सराय का इस्तेमाल 1948 के बाद तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गेस्ट हाउस के रूप में भी किया गया था, लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल बंद हो गया। वर्तमान में, राज्य विरासत विभाग इसकी देखभाल करता है। एक से अधिक प्रयास के बावजूद, अधिकारियों से टिप्पणी नहीं ली जा सकी। नामपल्ली सराय का दौरा करने पर पता चला कि स्मारक की हालत बहुत दयनीय है। एक तरफ कूड़ा-कचरा और गंदगी है, वहीं दूसरी तरफ गली के कुत्तों ने भी इस जगह को अपना घर बना लिया है, इसके अलावा आज भी यहां दर्जनों टैक्सियां खड़ी रहती हैं।

नामपल्ली सराय, जो वर्तमान में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, को भी नामपल्ली रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाना था, लेकिन यह योजना कभी सफल नहीं हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जीएचएमसी ने कथित तौर पर इसे ध्वस्त करने और इसके स्थान पर एक वाणिज्यिक परिसर बनाने की भी योजना बनाई थी। हालाँकि, हाल के दिनों में अभी तक ऐसी कोई योजना घोषित नहीं की गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.